रांची, गुरुवार
19.12.2024
वर्ष : 10, अंक : 19 पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

बिजली विभाग का जेई घूस लेते गिरफ्तार

गिरिडीह। धनबाद एसीबी की टीम ने बुधवार की शाम गिरिडीह के धनवार में बड़ी कारवाई करते हुए बिजली विभाग के जूनियर इंजीनियर को गिरफ्तार किया है।आरोपित इंजीनियर दुर्गेश नंदन सहाय को एसीबी की टीम ने धनवार में एक बिजली उपभोक्ता से बकाया बिजली बिल माफ करने के नाम पर आठ हजार रुपये का घूस लेने के आरोप में रंगेहाथ दबोचा। और धनवार थाना में जरूरी कागजी कार्रवाई करते हुए धनबाद ले गई। एसीबी की कारवाई की भनक इस दौरान धनवार में किसी को नहीं लगी । जानकारी के अनुसार जिले के धनवार में बिजली विभाग के जूनियर इंजीनियर दुर्गेश नंदन सहाय पोस्टेड थे और धनवार के बिजली उपभोक्ता से उसके बकाया बिजली बिल माफ करने के नाम पर आठ हजार की मांग किया। इस बीच पीड़ित उपभोक्ता ने मामले की जानकारी धनबाद एसीबी के अधिकारियों को दिया। इसके बाद एसीबी की टीम सक्रिय हुई और धनबाद एसीबी के डीएसपी जितेंद्र सिंह के नेतृत्व में धनवार पहुंची। उपभोक्ता से संपर्क किया। इसके बाद आरोपित इंजीनियर दुर्गेश को तय रणनीति के अनुसार उपभोक्ता से आठ हजार नगद लेते गिरफ्तार किया।

उत्तराखंड में जनवरी से लागू होगी समान नागरिक संहिता, तैयारियां पूरी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड में जनवरी 2025 से समान नागरिक संहिता लागू होगी। समान नागरिक संहिता राज्य को संविधानिक दृष्टि से मजबूत बनाने के साथ-साथ सामाजिक और न्यायिक व्यवस्था में भी महत्वपूर्ण बदलाव लाएगी। इस दिशा में सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उत्तराखंड यह कानून लागू करने वाला देश का पहला राज्य बनेगा। मुख्यमंत्री धामी बुधवार को सचिवालय में आयोजित उत्तराखंड निवेश और आधारिक संरचना विकास बोर्ड (यूआईआईडीबी) की बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने धामी ने कहा कि राज्य सरकार अपने संकल्प के अनुसार समान नागरिक संहिता को लागू करने की दिशा में पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने बताया कि मार्च 2022 में नई सरकार बनने के बाद मंत्रिमंडल की पहली बैठक में ही इस संबंध में एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया था, जिसका नेतृत्व सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई ने किया था। समिति की रिपोर्ट के आधार पर 7 फरवरी, 2024 को राज्य विधानसभा से समान नागरिक संहिता विधेयक 2024 पारित किया गया, जिसे राष्ट्रपति की सहमति मिलने के बाद 12 मार्च 2024 को अधिसूचित कर दिया गया है।

बकाया राशि का विस्तृत ब्रेकअप केंद्र सरकार को कई बार दिया गया : सीएम

बिभा संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा है कि झारखंडियों के हक में 1.36 लाख करोड़ रुपये बकाया राशि का एक-एक रुपये का विस्तृत ब्रेकअप केंद्र सरकार को कई बार दिया जा चुका है। फिर भी केंद्र सरकार के जरिये इसे लगातार नकारना हमारे अधिकारों पर किया जाने वाला एक कुंठित प्रयास है। हम इसे होने नहीं देंगे।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर बुधवार को ट्वीट कर कहा है कि झारखंड भाजपा यदि इस मुद्दे पर हम झारखंडियों के साथ आवाज बुलंद नहीं करती है तो यह साफ माना जाएगा कि इस हकमारी में उनकी बराबर की सहभागिता है।

उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार पर झारखंड के 1.36 लाख करोड़ रुपये के बकाया राशि के दावे को केंद्र सरकार की तरफ से ठुकराए जाने से फिर एक बार राजनीति गरमा गई है। केंद्र सरकार ने झारखंड सरकार के 1.36 लाख करोड रुपये बकाया वाले दावे को सिरे से नकार दिया है। इसके बाद हेमंत सरकार एक्शन में आ गई है। कोल कंपनियों के यहां 1.36 लाख करोड़ रुपये बकाए की वसूली के लिए राज्य सरकार ने लीगल प्रोसेस शुरू करने का आदेश दिया है। राजस्व निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग ने आदेश जारी किया है। भू-राजस्व विभाग के विशेष सचिव को नोडल पदाधिकारी बनाया गया है। विशेष सचिव 15 दिनों के अंतराल पर भू-राजस्व सचिव को विधिक कार्रवाई की प्रगति से अवगत कराएंगे।

केंद्र सरकार पर 1.36 लाख करोड़ का बकाया रखने का निराधार आरोप लगा रही है झामुमो: बाबूलाल

रांची। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर ट्वीट कर कहा है कि झामुमो के जरिये हवा-हवाई बातें कर केंद्र सरकार पर 1.36 लाख करोड़ का बकाया रखने का निराधार और भ्रामक आरोप लगाया जा रहा है। मरांडी ने कहा कि यदि झामुमो के पास इस आंकड़े को लेकर कोई ठोस प्रमाण है, तो वे पूरे दस्तावेज और तथ्यों के साथ जनता के सामने रखें। झामुमो को स्पष्ट करना चाहिए कि

ये राशि किस मद की है? कब से लंबित है और किन परिस्थितियों में यह दावा किया जा रहा है? उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को झूठे आरोपों और गलत आंकड़ों के सहारे केंद्र सरकार पर दोषारोपण करने की बजाय झारखंड की असल समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए। साथ ही बिना प्रमाण और आधारहीन आरोप लगाकर झारखंड की जनता को भ्रमित करने का यह खेल अब बंद होना चाहिए। मरांडी ने कहा है कि महिलाओं को प्रतिमाह 2,500 रुपये, किसानों को प्रति क्विंटल धान के 3,200 रुपये और युवाओं को नौकरी देने के झूठे वादे का भंडाफोड़ हो चुका है। इसलिए केंद्र सरकार पर अनर्गल आरोप लगाकर आप अपनी विफलताओं को छिपा सकते। जनता को गुमराह करने की राजनीति से झारखंड का भला नहीं होगा। पूरे तथ्य और प्रमाण के साथ शुचिता की राजनीति करना सीखिए।

राष्ट्रपति निलयम में 29 दिसंबर से शुरू होगा ह्यउद्यान उत्सवह्न

नई दिल्ली। राष्ट्रपति भवन ने बुधवार को कहा कि राष्ट्रपति निलयम, बोलारम, सिकंदराबाद 29 दिसंबर से 15 दिवसीय पुष्प एवं बागवानी महोत्सव उद्यान उत्सव की मेजबानी करेगा। राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान (मैनेज) हैदराबाद और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सहयोग से आयोजित उद्यान उत्सव का उद्देश्य लोगों की भागीदारी के माध्यम से प्रकृति का जश्न मनाना, पर्यावरण संरक्षण और स्थिरता को बढ़ावा देना है। लोग विषयगत स्टालों पर जाकर और कार्यशालाओं में भाग लेकर कृषि और बागवानी में नवाचार और तकनीकी विकास के बारे में खुद को जागरूक कर सकते हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बुधवार को उद्यान उत्सव के उद्घाटन की तैयारियों और आगंतुकों के लिए सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने राष्ट्रपति निलयम के आगंतुक सुविधा केंद्र में मिट्टी कैफे के एक भोजनालय और एक स्मारिका दुकान का उद्घाटन किया।

बाबासाहेब आंबेडकर के मुद्दे पर राज्यसभा में जोरदार हंगामा

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा की कार्यवाही बुधवार को हंगामे के भेट चढ़ गई। सुबह कार्यवाही दो बजे तक के लिए स्थगित की गई थी। फिर दो बजे कार्यवाही शुरू होते ही बाबा साहब आंबेडकर को लेकर पक्ष और विपक्ष के बीच हंगामा शुरू हो गया। विपक्ष ने अमित शाह के बयान पर सत्ता पक्ष से माफी मांगने की मांग की। इस बीच तृणमूल कांग्रेस ने बाबा साहब के अपमान का आरोप लगाते हुए सदन से वॉकआउट किया। सदन में हंगामे के बीच कार्यवाही को गुरुवार सुबह ग्यारह बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया।

राज्य सभा में बुधवार को संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बाबा साहेब अंबेडकर के अपमान को लेकर विपक्ष को घेरते हुए कहा कि कल केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने भाषण में बाबा साहेब के प्रति हमारे श्रद्धा भाव को स्पष्ट रूप से दर्शार्या। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस ने आंबेडकर का अपमान किया। कांग्रेस पार्टी ने इतने सालों तक उन्हें भारत रत्न नहीं दिया। 1952 में एक साजिश के तहत उन्हें चुनाव में हराया। कांग्रेस को देश से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने बाबा साहेब आंबेडकर के इतिहास को खत्म करने की कोशिश की। उन्हें सही स्थान नहीं दिया। इसके कारण आंबेडकर को पंडित नेहरू के कैबिनेट से इस्तीफा देना पड़ा। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बाबा साहेब को सम्मान देने का काम किया गया है। उनके सम्मान में संविधान दिवस मनाने का काम किया। उनसे जुड़े सभी देश विदेश के स्थलों को तीर्थ भूमि के रूप में विकसित करने काम किया। केंद्रीय मंत्री अमित शाह के बयान को ठीक से नहीं दिखाया गया है। कांग्रेस उनके 12 सेकंड की क्लिप को दिखाकर देश को गुमराह कर रही है। भाजपा के लिए बाबा साहेब पूजनीय हैं। वंदनीय हैं।

किरेन रिजीजू के बयान का जवाब देने उठे सदन में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया कि भाजपा ने हमेशा बाबा साहेब का मजाक उड़ाया है। भाजपा देश को गुमराह कर रही है। उन्होंने हमेशा बाबा साहेब और संविधान का अपमान किया है। कल ही अमित शाह ने अपने भाषण में कहा कि आंबेडकर का जितना नाम लिया है, उतना नाम भगवान का लेते तो स्वर्ग चले जाते। यह साफ संविधान का अपमान है।इस पर सदन में सत्ता पक्ष के नेता जेपी नड्डा ने कहा कि गृह मंत्री का पूरा बयान नहीं दिखा कर एक 12 सेकंड की क्लिप को दिखा कर कांग्रेस देश को गुमराह कर रही है। कांग्रेस ने जीते जी भी बाबा साहेब

'आंबेडकर का अपमान देश नहीं सहेगा, माफी मांगें गृह मंत्री' : राहुल

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर के संदर्भ में की गई टिप्पणी को लेकर बुधवार को कहा कि देश संविधान निमार्ता का अपमान सहन नहीं करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि गृह मत्री को माफी मांगनी चाहिए।

राहुल गांधी ने संसद परिसर में विपक्ष के विरोध प्रदर्शन की तस्वीर साझा करते हुए अपने व्हाइट्सएप चैनल पर पोस्ट किया, बाबासाहेब संविधान निमार्ता हैं, देश को दिशा देने वाले महापुरुष हैं। उनका अपमान, उनके निर्मित संविधान का अपमान देश नहीं सहेगा। गृह मंत्री माफी मांगें। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने एक्स पर पोस्ट किया, आंबेडकर जी का नाम लेने से अधिकार मिलते हैं। आंबेडकर जी का नाम लेना मानवीय गरिमा का प्रतीक है। आंबेडकर जी का नाम करोड़ों दलितों-वंचितों के आत्मसम्मान का प्रतीक है। कांग्रेस और विपक्षी दलों का आरोप है कि शाह ने राज्यसभा में भारत के संविधान की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा विषय पर दो दिन तक चली चर्चा का जवाब देते हुए मंगलवार को अपने संबोधन के दौरान बाबासाहेब का अपमान किया।

खड़गे जी को आत्मनिरीक्षण करने की जरूरत : शाह

नई दिल्ली : केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस पर आज आरोप लगाया कि वह बाबा साहेब अंबेडकर को लेकर राज्यसभा में उनके बयान को तोड़मरोड़ कर पेश कर रही है लेकिन देश की जनता अच्छी तरह से जान चुकी है कि कांग्रेस हमेशा से डॉ. अंबेडकर, आरक्षण, सावरकर, पिछड़े वर्ग की विरोधी रही है और उसने संविधान को मनमाफिक तोड़ामरोड़ा है। श्री शाह ने भाजपा के मुख्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आरोपों के जवाब देते हुए यह भी कहा कि श्री खड़गे का दायित्व बनता है कि वे डॉ. अंबेडकर के बारे में सच बोलें क्योंकि वह उसी वर्ग से आते हैं जिनके कल्याण के लिए बाबा साहेब प्रतिबद्ध थे। उन्होंने कहा, ह्लमैं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जी से भी ये कहना चाहता हां कि आपको कांग्रेस के इस कुत्सित प्रयास का समर्थन नहीं करना चाहिए था। मुझे बहुत दुख है कि राहुल गांधी के दबाव में आप भी इसमें शामिल हो गए हैं।... मुझे लगता है कि खड़गे जी को आत्मनिरीक्षण करने की जरूरत है। इस हाई प्रोफाइल संवाददाता सम्मेलन में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केन्द्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा, अश्विनी वैष्णव, पीयूष गोयल, किरन रिजीजू भी मौजूद थे।

आने वाली पीढियों को बताने के लिए निकोबार द्वीप का नाम देश के नायकों पर रखा: मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि अंडमान एवं निकोबार के द्वीपों का नाम हमारे नायकों के नाम पर रखना यह सुनिश्चित करने का एक तरीका है कि आने वाली पीढ़ियां राष्ट्र के प्रति उनकी सेवा को याद रखें क्योंकि जो राष्ट्र अपनी जड़ों से जुड़े रहते हैं, वे विकास एवं राष्ट्र निर्माण में आगे बढ़ते हैं।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने बुधवार को बताया कि श्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट के जवाब में लिखा, अंडमान और निकोबार के द्वीपों का नाम हमारे नायकों के नाम पर रखना यह सुनिश्चित करने का एक तरीका है कि आने वाली पीढ़ियां राष्ट्र के प्रति उनकी सेवा को याद रखें। यह हमारे स्वतंत्रता सेनानियों और उन प्रतिष्ठित हस्तियों की स्मृति को संरक्षित करने और बनाए रखने के हमारे बड़े प्रयास का भी हिस्सा है जिन्होंने हमारे देश पर एक अमिट छाप छोड़ी है।आखिरकार, जो राष्ट्र अपनी जड़ों से जुड़े रहते हैं, वे ही विकास और राष्ट्र-निर्माण में आगे बढ़ते हैं।

प्रधानमंत्री ने देशवासियों से अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और वहां सेलुलर जेल देखने का भी आान किया।

उन्होंने कहा , आप अंडमान और निकोबार द्वीप समूह का भी आनंद लें। सेलुलर जेल भी अवश्य जाएं और महान वीर सावरकर के साहस से प्रेरणा लें।

मुंबई में बड़ा हादसा: नौसेना की नाव यात्री जहाज से टकराई, 13 लोगों की मौत, 101 को बचाया गया

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र में मुंबई तट के नजदीक बुधवार को नौसेना की एक स्पीड बोट के एक नौका से टकराने के कारण 13 लोगों की मौत हो गई। जबकि 101 अन्य लोगों को बचा लिया गया। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने यह जानकारी दी।

सीएम फडणवीस ने नागपुर में संवाददाताओं को बताया कि इस घटना में मारे गए लोगों में 10 नागरिक और नौसेना के तीन कर्मचारी शामिल हैं। उन्होंने नौसेना के हवाले से बताया कि इस घटना में शाम साढ़े सात बजे तक 13 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। उट फडणवीस ने बताया कि नीलकमल नामक नौका मुंबई के नजदीक स्थित लोकप्रिय पर्यटन स्थल एलीफेंटा द्वीप जा रही थी तभी शाम करीब चार बजे नौसेना की एक स्पीड बोट इस नौका से टकरा गई। घटना का कथित वीडियो भी प्रसारित हुआ है। रक्षा मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि नौसेना और तटरक्षक बल ने घटनास्थल पर बड़े पैमाने पर राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया है। उन्होंने बताया कि बचाव अभियान में नौसेना की 11 नाव, समुद्री पुलिस की तीन नाव और तटरक्षक बल की एक नाव इस्तेमाल की जा रही हैं। अधिकारी ने बताया कि खोज एवं बचाव अभियान के लिए चार हेलीकॉप्टर की भी मदद ली जा रही है। अधिकारी ने बताया कि पुलिस, जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह प्राधिकरण के कर्मचारी और क्षेत्र के मछुआरे भी राहत एवं बचाव कार्य में शामिल हैं।

किसानों के लिए हमारे दरवाजे हमेशा खुले हैं: सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को कहा कि किसानों के लिए उनके दरवाजे हमेशा खुले हुए हैं। न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने पंजाब और हरियाणा के शंभू बॉर्डर पर 13 फरवरी से 2024 धरने पर बैठे किसानों से संबंधित मामले की सुनवाई करते हुए ये टिप्पणियां कीं। पीठ ने पंजाब सरकार से कहा कि अगर आमरण अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह दल्लेवाल के साथ कुछ भी अनहोनी होती है तो इसके लिए वह जिम्मेदार होगी।

पीठ ने कहा कि डॉक्टर की सलाह के अनुसार श्री दल्लेवाल को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराने की जरूरत है। अदालत के समक्ष पंजाब के एडवोकेट जनरल गुरमिंदर सिंह ने कहा कि किसान अदालत द्वारा नियुक्त समिति से चर्चा करने के लिए अनिच्छुक हैं।

इस पर पीठ ने कहा, हम स्पष्ट करते हैं कि अदालत के दरवाजे हमेशा खुले हैं। किसानों द्वारा सीधे या उनके अधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से कोई भी सुझाव या मांग पत्र रिकॉर्ड में लाया जा सकता है। सभी हितधारकों के साथ चर्चा के साथ इस पर उचित विचार किया जाएगा।

अदालत के समक्ष श्री सिंह ने यह भी कहा कि पिछले 20 दिनों से अनशन पर बैठे दल्लेवाल ने मेडिकल जांच से इनकार कर दिया है। उनकी हालत ठीक है, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें भर्ती करने का सुझाव दिया है।

इस पर पीठ ने सिंह से कहा, मतभेद हो सकते हैं, लेकिन आंदोलन करने के लिए उनका स्वस्थ होना जरूरी है। एक निर्वाचित सरकार और एक संवैधानिक अंग के रूप में आप उन्हें कुछ भी नहीं होने दे सकते। पीठ ने कहा कि वह सभी हितधारकों को यह समझाने की कोशिश करेगी कि कुछ किया जाना चाहिए। शीर्ष अदालत मामले की अगली सुनवाई गुरुवार को करेगी।

पीठ ने अदालत द्वारा नियुक्त उच्चस्तरीय समिति से 13 दिसंबर को कहा था कि वह प्रदर्शनकारी किसानों से बात करे और उन्हें अपना विरोध अस्थायी रूप से स्थगित करने या पंजाब-हरियाणा सीमा पर राजमार्ग से इसे स्थानांतरित करने के लिए राजी करे। शीर्ष अदालत ने कहा था कि किसानों को विरोध करने का संवैधानिक अधिकार है, जिसे गांधीवादी दर्शन की तर्ज पर शांतिपूर्ण तरीके से किया जा सकता है। पीठ ने तब केंद्र और पंजाब सरकार दोनों के प्रतिनिधियों को श्री दल्लेवाल से तत्काल मिलने, चिकित्सा सहायता प्रदान करने और उन्हें हड़ताल समाप्त करने के लिए मनाने का निर्देश दिया था।

महाकुंभ के दौरान ट्रेनों में मुफ्त यात्रा का कोई प्रावधान नहीं : रेल मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली। रेल मंत्रालय ने अगले साल जनवरी माह में उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में लगने वाले महाकुंभ में जाने वाले श्रद्धालुओं को ट्रेनों में मुफ्त यात्रा संबंधी खबरों का खंडन किया है। रेलवे ने कहा है कि महाकुंभ या किसी अन्य अवसर के दौरान मुफ्त यात्रा का कोई प्रावधान नहीं है।

रेल मंत्रालय ने महाकुंभ मेले के दौरान मुफ्त यात्रा के बारे में भ्रामक रिपोर्टों पर स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा कि भारतीय रेलवे के संज्ञान में आया है कि कुछ मीडिया आउटलेट ऐसी रिपोर्ट प्रसारित कर रहे हैं, जिनमें दावा किया जा रहा है कि महाकुंभ मेले के दौरान यात्रियों को मुफ्त यात्रा की अनुमति दी जाएगी।

रेल मंत्रालय ने बयान में ऐसी खबरों को पूरी तरह गलत बताते हुए कहा, ह्लभारतीय रेलवे इन रिपोर्टों का स्पष्ट रूप से खंडन करता है, क्योंकि ये पूरी तरह से निराधार और भ्रामक हैं।

मंत्रालय ने बयान में यह भी याद दिलाया है कि भारतीय रेलवे के नियमों और विनियमों के तहत वैध टिकट के बिना यात्रा करना सख्त वर्जित है और यह दंडनीय अपराध है। इसमें कहा गया है, ह्लमहाकुंभ मेले या किसी अन्य अवसर के दौरान मुफ्त यात्रा का कोई प्रावधान नहीं है। बयान में कहा गया है कि भारतीय रेलवे महाकुंभ मेले के दौरान यात्रियों के लिए निर्बाध यात्रा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। यात्रियों की अपेक्षित आमद को प्रबंधित करने के लिए विशेष होल्डिंग क्षेत्रों, अतिरिक्त टिकट काउंटरों और अन्य आवश्यक सुविधाओं की स्थापना सहित पर्याप्त व्यवस्था की जा रही है।

किसान बिचौलिया व खुले बाजार में न बेचें धान : अमित महतो

बिभा संवाददाता

सिल्ली : विधायक अमित महतो के उपस्थिति में सिल्ली प्रखंड अंतर्गत दोवाडू में श्रीमती जलेश्वरी देवी एंव टूटकी में जिप सदस्य लक्ष्मी देवी ने विधिवत फीता काटकर धान क्रय केंद्र का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विधायक ने कहा पुरे झारखंड में खरीफ विपणन मौसम 2024-25 के तहत धान की खरीदारी 15 दिसंबर से शुरू हो गयी है . इसको लेकर सरकार की ओर से तैयारी पूरी कर ली गयी है. सरकार ने इस बार भी किसानों से 60 लाख क्विंटल धान खरीद का लक्ष्य निर्धारित किया है. निबंधन की प्रक्रिया जारी है। श्री महतो ने बताया किसानों को

दोवाडू व टूटकी में धान क्रय केंद्र का उद्घाटन

सामान्य धान पर कुल 2400 रुपये और ग्रेड-ए धान पर 2420 रुपये प्रति क्विंटल भाव मिलेगा। इसके अलावे विधायक ने सरकार द्वारा किसानों के लिए सब्सिडी पर चलाई जा रही योजनाओं की भी जानकारी दिया।

विधायक ने कहा किसान बिचौलियों या खुले बाजार में ओने पौने दाम पर धान की बिक्री न करें. सरकार द्वारा संचालित लैम्पस के माध्यम से ही अपने धान की बिक्री करें। मौके पर जिप सदस्य लक्ष्मी कुमारी झामुमो के प्रखंड अध्यक्ष संतोष महली रमेश सिंह प्रकाश मुचिराम महतो कुशवाहा रिंकू महतो इमाम अंसारी राजेश महतो अरुण महतो अखिलेश्वर कुम्हार चरकु मुंडा राजकिशोर महतो दुर्गा चरण कोईरी बाबुल चौधरी दोवाडू धान क्रय केंद्र के अध्यक्ष बनमाली सिंह मुंडा सचिव अशोक कुमार महतो कोषाध्यक्ष राजकुमार सिंह मुंडा सदस्य विकास कुमार महतो जितेन प्रमाणिक झामुमो नेता भुनेश्वर महतो रोहित सिंह मुंडा श्रीप्रसाद बड़ाईक रंजन महतो टूटकी धान क्रय केंद्र के सचिव गोपाल कोईरी ग्राम प्रधान मनोज मुंडा पूर्व मुखिया सुरेश मुंडा समेत काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

रांची : दिल्ली में पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने कांग्रेस महासचिव एवं लोकसभा सांसद के सी वेणुगोपाल से मुलाकात की। उन्हें सरना अंगवस्त्र से उन्होंने सम्मानित किया। साथ ही राज्य के विकास और राजनीति पर विचार विमर्श किया गया ।

संक्षिप्त खबरें

सोनाहातू में लिंग हिंसा के विरोध में प्रखंड कार्यालय में चलाया गया जागरुकता अभियान

सोनाहातू(बिभा)। प्रखंड कार्यालय परिसर में लैंगिक हिंसा के विरुद्ध राष्ट्रीय अभियान नयी चेतना कार्यक्रम आयोजित किया गया ।जेएसएलपीएस समूह से जुड़ी दीदियां के नेतृत्व में जेंडर आधारित हिंसा विषय पर ₹ न हिंसा करेंगे न हिंसा सहेंगे ₹ का शपथ सभी प्रखंडकर्मियों को दिलवाया गया। प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक जेएसएलपीएस द्वारा नवंबर से दिसंबर तक नई चेतना कार्यक्रम के तहत किए जा रहे कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु सभी का धन्यवाद करते हुए भ्रूण हत्या रोकने और बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का संदेश दिया ।बीडीओ खगेश कुमार ने प्रखंडकर्मियों को अभियान को सफल करने अपना योगदान देने को कहा ।मौके पर जेएसएलपीएस कर्मी, ललित चंद्र महतो, लतिका देवी, समैया लकड़ा ,लखिन्द्र मुंडा, जेंडर सीआरपी संगीता, सम्पा देवी, हरेश्वरी देवी, विंदु देवी, कुमारी शांति, रातिक देवी, जयंती देवी सहित प्रखंडकर्मी मौजूद थे।

मुनि श्री 108 सुयश सागर जी महाराज का मंगल आशीर्वाद जैन समाज को मिला

रामगढ़(बिभा): पूज्य मुनि श्री ने कहा कि जीवन का वास्तविक उद्देश्य आत्मा की शुद्धि और धर्म के मार्ग पर चलना है। आप अपने अच्छे कर्म करते रहे निश्चित आपका जीवन उज्वल एवम् सकारात्मक होगा ।मनुष्य को अपने कर्मों पर ध्यान देना चाहिए और सदा अहिंसा, सत्य और त्याग के पथ पर चलना चाहिए। पुर्व अध्यक्ष मानिक चंद जैन ने कहा पूज्य मुनि श्री का आगमन पूरे रामगढ़ के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। उनकी प्रेरणादायी शिक्षाएं आने वाले समय में लोगों के जीवन को सकारात्मक रूप से प्रभावित करेंगी।

संत जेवियर्स कॉलेज में राष्ट्रीय वेयर योर पर्ल्स दिवस मनाया गया

रांची(बिभा) : सोसाइटी फॉर अर्थ ऑब्जर्वेशन एंड कंजर्वेशन (एसईओसी) संत जेवियर्स कॉलेज, रांची ने आईक्यूएसी के सहयोग से मीठे पानी के मोती उत्पादन के महत्व के बारे में सामान्य जागरूकता पैदा करने के लिए राष्ट्रीय वेयर योर पर्ल्स दिवस मनाया है। इस आयोजन से संत जेवियर्स कॉलेज, रांची के विज्ञान और कला विभागों से संबंधित लगभग 150 छात्र लाभान्वित हुए। रेव फादर प्रिंसिपल डॉ. फादर एन. लकड़ा, एसजे और रेव फादर डॉ. प्रदीप रॉबर्ट कुजूर, एसजे ने क्रमशः मुख्य अतिथि और सम्मानित अतिथि के रूप में इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। दोनों अतिथियों ने छात्रों के बीच पर्ल कल्चर एजुकेशन के महत्व के बारे में बताया। अन्य विशिष्ट अतिथियों में रे० फादर अजय अरुण मिंज, एसजे और रेव फादर प्रभात कैनेडी सोरेंग एसजे भी इस कार्यक्रम मे समिलित हुए। मुख्य अतिथि और सम्मानित अतिथि दोनों ने एसईओसी उपलबधियों कि सराहना की और न केवल विचार पर बल्कि कार्यान्वयन और परिणाम पर भी जोर दिया। रेव फादर प्रिंसिपल ने सपने देखने और उसको वास्तविकता में लाने के बारे में बात की। कार्यक्रम में मोती पालन पद्धति के चित्रण के लिए सजीव प्रदर्शन इकाई का गठन किया गया। मास्टर ट्रेनर बुधन सिंह पूर्ति ने मोती कल्चर में शामिल सर्जिकल स्टेप्स का प्रदर्शन किया है। जूलॉजी विभाग के छात्रों ने मोती उत्पादन तकनीकों और अनुसंधान के विभिन्न विषयों पर आधारित आकर्षक 3 डी मॉडल और पोस्टर भी प्रस्तुत किए। इस अवसर पर एसईओसी के संस्थापक सदस्य डॉ. एन. वेंकट अप्पा राव, डॉ. राजीव रंजन श्रीवास्तव, डॉ. संदीप चंद्रा, डॉ. शिव शंकर प्रसाद और आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. शिव कुमार भी उपस्थित थे। आयोजन टीम के छात्रों में अमन कुमार, सारा शरीफ और समूह आयोजन के सफलता के लिए अथक प्रयास किया।

मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा की नौवी कार्यकारिणी बैठक संपन्न

रांची(बिभा) : रांची समर्पण शाखा के सत्र (2024 25) की नौवें कार्यकारी बैठक शाखा अध्यक्ष विनीता सिंघानिया की अध्यक्षता में अप्पर बाजार स्थित नानी एंक्लेव में संपन्न हुई। सर्वप्रथम शाखा अध्यक्षा ने स्वागत उदगार दिया। साथ ही सदस्यता शुल्क संग्रह करने के लिए कविता सोमानी और डोली बंसल की प्रशंसा की। मीटिंग में पिछली बैठक की कार्यवाही सभा पटल में रखी गई। इसके बाद सचिव शुभा अग्रवाल ने नवंबर माह का प्रतिवेदन पेश किया। बैठक में दिसंबर और जनवरी माह में होने वाले कार्यक्रमों पर चर्चा की गई। जिसमें विशेष रूप से मंच स्थापना दिवस, कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण शिविर, गौ सेवा, रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य जांच शिविर, जन सेवा के कार्य आदि पर चर्चा की गई। आगामी प्रांत अधिवेशन पर विस्तृत चर्चा की गयी । साथ ही जनवरी महीने में होने वाले मंडलीय वनभोज पर चर्चा की गई। शाखा सचिव ने धन्यवाद यापन दिया और अध्यक्षा द्वारा बैठक की समाप्ति की की गई। शाखा की कार्यकारिणी बैठक में अध्यक्षा विनिता सिंघानिया, सचिव शुभा अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष सुमिता लाठ ,मीना टाईवाला कार्यकारिणी सदस्य रितु पोद्दार, कोमल पोद्दार, पूजा अग्रवाल, दीपिका मोतीका, चंद्रकला, दिशा जैन उपस्थित थी। यह जानकारी मीडिया प्रभारी सरिता बथवाल ने दी

झारखंड युवा कांग्रेस ने किया यंग इंडिया बोल सीजन 5 का विमोचन

बिभा संवाददाता

रांची : झारखंड प्रदेश युवा कांग्रेस कमिटी की प्रेस वार्ता के दौरान मुख्य उपलक्ष्य के तहत राहुल गांधी के महत्वाकांक्षी कार्यक्रम यंग इंडिया बोल सीजन 5 का अनावरण प्रदेश युवा कांग्रेस के अध्यक्ष अभिजीत राज के द्वारा किया गया। इस अवसर पर अभिजीत राज ने कहा कि रोजगार का जुमला दे कर मोदी सरकार ने देश के युवाओं को ठगा है। देश में रोजगार खत्म हो गया, किंतु अदानी संचालित मुंद्रा पोर्ट के रास्ते देश में नशे के रास्ते खोल दिए गए। देश में बेरोजगारी इस कदर हावी है कि 2 करोड़ रोजगार प्रतिवर्ष का जुमला फेक्क कर कुल प्राप्त आवेदनों के महज 0.3 प्रतिशत लोगों को रोजगार मिला। 10 वर्षों में महज सवा सात लाख युवाओं को नौकरी मिली। देश के हर त्रस्त युवा को आवाज और मंच देने के लिए इस कार्यक्रम की शुरूआत की गई है। इसके तहत "with iyc" ऐप प्लेस्टोर से डाउनलोड कर के अपना 60 सेकंड का वीडियो कोई भी युवा भेज सकता है। आगे प्रतियोगिताओं के माध्यम से राष्ट्रीय मंच तक के लिए वक्ताओं का चयन किया जाएगा। इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक सह प्रदेश महासचिव मेहुल प्रसाद,प्रदेश महासचिव शादाब खान, संदीप कुमार,अभिषेक तिवारी प्रदेश सह समन्वयकगण अभिषेक सौरभ, अभिशांत गौरव, अंशुलक कुमार, शशिकांत वर्मा, रितेश तिवारी,चंदन सिंह, अंशु तिवारी, प्रियंका, कोमल, पूनम, अजीत, गौरव,पुरुषोत्तम, शराफत हुसैन, आरिफ हुसैन इत्यादि मौजूद थे।

भाजपा का चुनावी समीक्षा एंव सदस्यता अभियान को लेकर बेड़ों में हुई बैठक

जिस तरह से भाजपा का वोट मांडर में बढ़ा है आने वाले समय में मिलेगा सकारात्मक लाभ : सन्नी टोप्पो

बिभा संवाददाता

बेड़ो। प्रखण्ड में बुधवार को भारतीय जनता पार्टी बेड़ो मंडल एवं नरकोपी मंडल के संयुक्त तत्वधान में सरस्वती विद्या मंदिर बेड़ो में चुनावी समीक्षात्मक एवं सदस्यता अभियान के संबंध में एक आवश्यक बैठक हुई बैठक में चुनाव में हुई कमियों की समीक्षा की गई एवं जिन कारणों से विजय नहीं प्राप्त किया जा सका इस पर गहरी समीक्षा एवं आगामी तैयारी की रणनीति बनाई गई उपस्थित बूथ अध्यक्ष पंचायत प्रभारी एवं कार्यकताओं ने अपने विचार प्रकट किए, पूर्व प्रत्याशी रहे सन्नी टोप्पो ने कहा कि जिस तरह से भाजपा का वोट मांडर में बढ़ा है वह एक बड़ी बात है और आने वाले समय में

इसका सकारात्मक लाभ आने वाले चुनाव में मिलेगा।

पूर्व विधायक गंगोत्री कुजूर ने कहा कि जनता का जनादेश हमें विपक्ष में रहकर जनता के हक अधिकार और न्याय के लिए आवाज उठाने और उनके लिए सदैव तत्पर रहने का मिला है जो हमें स्वीकार है और मांडर विधानसभा क्षेत्र की जनता को उनका हक अधिकार दिलाने के लिए उनके हर सुख दुख में भाजपा का एक-एक कार्यकर्ता उनके साथ खड़ा है, भाजपा का कार्यकर्ता सिर्फ चुनाव के लिए नहीं बल्कि राष्ट्र के लिए कार्य करता है और आगामी कार्य सदस्यता अभियान सहित अन्य कार्यों में सभी कार्यकर्ता पूरी ऊर्जा के साथ लगेंगे एवं झारखंड के हित के साथ-साथ राष्ट्र के निर्माण के लिए कार्य करेंगे।

बैठक की अध्यक्षता बेड़ो मंडल अध्यक्ष श्री बलराम सिंह जी एवं संचालन मीडिया प्रभारी मनोज कुमार साहु के द्वारा किया गया । इस बैठक मुख्य रूप प्रभारी पूर्व विधायक श्रीमती गंगोत्री कुजूर एंव रामबालक ठाकुर जी विधानसभा चुनाव प्रभारी रिपूसुदन साहु जी हमारे लोकप्रिय प्रत्याशी श्री सन्नी टोप्पो नरकोपी मंडल अध्यक्ष तेजु दास, प्रदेश के नेता भीखा उरांव, अरूण गुप्ता, गणेश महथा, सुमंती देवी, आदित्य, राजेश, रंजन, संजय लाल,रविशंकर, मनोज सिंह, कमलेश, पुनम देवी, सरिता देवी, बसंती देवी,सुखदेव कच्छप, अनिल, पिन्टु,भूषण, धनंजय, पवन, इन्दरजीत, जितेन्द्र, हरिचरण, महादेव, बन्धना,रूप देव, प्रदीप, नारायण, बिगलू, राजेन्द्र, बुधू, भौरा, ठेपाई, दुखहरण, अंकित सोनी,शंकर, सीताराम, बन्नू, फागु,प्रताप, बिरसा, आलोक, सत्यनारायण, महेन्द्र, संदिप के साथ - साथ बेड़ो एवं नरकोपी मंडल के अनेकों देवतुल्य कार्यकताओं की उपस्थिति रही। धन्यवाद ज्ञापन मनोज कुमार साहु के द्वारा किया गया ।

नैतिकता की मजबूत नींव पर ही स्वस्थ समाज का निर्माण संभव : सत्याश्रयानंद

बिभा संवाददाता

रांची । प्रउत उपयोगिता प्रशिक्षण शिविर के चौथे दिन आचार्य कृपामयानंद अवधूत ने प्रउत के पांच फेडरेशनों– स्टूडेंट फेडरेशन, यूथ फेडरेशन, कृषक फेडरेशन, लेबर फेडरेशन, और बुद्धिजीवी फेडरेशन–की आवश्यकता पर विस्तार से चर्चा की। संगोष्ठी का आयोजन नैतिकता की मांग और प्रउत निदान विषय पर किया गया, जिसमें प्राउटिस्ट यूनिवर्सल के जनरल सेक्रेटरी आचार्य सत्याश्रयानंद अवधूत ने मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित किया। उन्होंने नैतिकता को समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताते हुए कहा कि नैतिकता की मजबूत नींव पर ही स्वस्थ समाज का निर्माण संभव है। आज के समय में अनैतिकता का व्यापक प्रसार हो चुका है, जिससे समाज की नींव कमजोर हो गई है। इस समस्या का समाधान यम-नियमों का कठोरता से पालन करने में है।

आचार्य कृपामयानंद अवधूत ने इस अवसर पर कहा कि आज समाज में भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद जैसी कुरीतियों का बढ़ना नैतिकता के अभाव का परिणाम है। उन्होंने यह भी कहा कि केवल अध्यात्मवाद के माध्यम से ही नैतिकता को मजबूत किया जा सकता है। गर्ल्स प्राउटिस्ट की सेक्रेटरी दीदी आनंदप्रभा ने महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि समाज और राजनीति में नैतिकवान महिलाओं की उपस्थिति अत्यंत आवश्यक है, और प्रउत इस दिशा में कार्यरत है। आचार्य प्रियतोषानंद अवधूत ने प्रउत की नीति को लागू किए बिना किसानों, छात्रों और बेरोजगारों को न्याय मिलने में कठिनाई की बात की। डॉ. करुणा शाहदेव ने शिक्षा और चिकित्सा क्षेत्र में बढ़ते व्यवसायीकरण पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि नैतिकता के अभाव में ये महत्वपूर्ण सेवाएं व्यापार का रूप ले चुकी हैं।कार्यक्रम का संचालन आचार्य कृष्णसुंदरानंद अवधूत ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन भुक्ति प्रधान पंचु दादा ने किया। संगोष्ठी के अंत में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम ने सभी का मन मोह लिया।संगोष्ठी में रतन कुमार महतो ने श्रोताओं और वक्ताओं का स्वागत किया।

सरकार की स्पष्ट मनसा है कि ग्रामीण क्षेत्र की किसान भाइयों के आय में वृद्धि लाया जाय:अभिषेक

बिभा संवाददाता

चान्हो : प्रखण्ड स्थित बुधवार को समेती निदेशक विकास कुमार उपनिदेशक अभिषेक तिर्की एवं आत्मा कार्यालय रांची के पदाधिकारी के द्वारा चान्हों प्रखंड के गांव में ब्लॉकचेन के माध्यम से दिए गए बीज लाभुकों के कृषि क्षेत्र का परिभ्रमण किया गया !

इस दौरान समेति निदेशक ने ग्रामीणों के साथ बैठक कर सरकार से मिलने वाली विभिन्न योजनाओं के विषय में जानकारी प्राप्त किया साथ ही उन्होंने कहा कि जो भी योजना का लाभ ले रहे हैं उन्हें कृषि कार्य में उपयोग करना अनिवार्य है ताकि ग्रामीण क्षेत्र के किसान भाइयों की आय को बढ़ाया जा सके सरकार की स्पष्ट मनसा है कि ग्रामीण क्षेत्र की किसान भाइयों के आय में वृद्धि लाया जाए इसके लिए सरकार आए दिन नई-नई योजनाओं को संचालित कर उसे आप सभी को लाभ देने का

कार्य कर रहा है इस क्षेत्र में नवभारत जागृति केंद्र आप सभी किसान भाइयों के लिए सरकार के साथ मिलकर किसानों की आय सृजन करने के लिए किसान उत्पादक समूह का निर्माण किया है जिसके माध्यम से भी आप अपनी समस्याओं का निदान कर सकते हैं और समय-समय पर सरकार से मिलने वाली योजनाओं के विषय में भी अपने किसान उत्पादक समूह के माध्यम से जानकारी को ले सकते हैं।

निदेशक महोदय ने किसान भाइयों द्वारा बुवाई किए गए सरसों गेहूं मूंग चना मसूर इत्यादि खेतों का भ्रमण कर उनसे होने वाले लाभ के विषय में ग्रामीणों को विस्तार पूर्वक जानकारी दिया उनके साथ सहायक निदेशक अभिषेक तिर्की एवं आत्मा कार्यालय के रजनी धामी और प्रखंड तकनीकी पदाधिकारी जनक सिंह उपस्थित थे इस क्षेत्र परिभ्रमण कार्यक्रम में नवभारत जागृति केंद्र के सहायक परियोजना प्रबंधक प्रियांशु कुमार एवं ग्राम सम्मायक ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और सभी क्षेत्रों का भ्रमण कराया निदेशक महोदय द्वारा चान्हो प्रखंड के सुकुहुर्तु गांव का भ्रमण किया गया।

अंकेक्षण कार्य के मार्गदर्शन के लिए ऑडिटिंग स्टैंडर्ड्स-500 महत्वपूर्ण :सीए दीपक गाड़ोदिया

बिभा संवाददाता

रांची : दी इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया, रांची शाखा के द्वारा आज ऑडिटिंग स्टैंडर्ड्स - 500 - ऑडिट एविडेन्स विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया।

इस सेमिनार में ऑडिटिंग स्टैंडर्ड्स - 500 पर जानकारी देते हुए विशेषज्ञ वक्त सीए दीपक गाड़ोदिया ने बताया किएक चार्टर्ड एकाउंटेंट्स के लिए ऑडिटिंग स्टैंडर्ड्स (एसए) 500 साक्ष्य के अनुसार अंकेक्षक के उद्देश्य लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं को इस प्रकार डिजाइन और निष्पादित करना है जिससे लेखापरीक्षक को पर्याप्त उचित लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त करने में सक्षम बनाया जा सके, जिससे वह उचित निष्कर्ष निकाल सके, जिसके आधार पर लेखापरीक्षक की राय बनाई जा

सके। उन्होंने एसए- 500 पर जानकारी देते हुए बताया कि एक अंकेक्षक को ऑडिट साक्ष्य प्राप्त करने, साक्ष्य की विश्वसनीयता, लेखांकन के नियंत्रण प्रणालियों के परीक्षण और लेन-देन और शेष राशि के मूल परीक्षणों का उचित मिश्रण करने और साक्ष्य के रूप में उपयोग की जाने वाली सूचना के बारे में विचार करने और निर्णय लेने के लिए सिद्धांत-आधारित दृष्टिकोण देता है। और इस सम्बन्ध में एक ऑडिटर को विशेषरूप से यह ध्यान देनी चाहिए कि ऑडिट साक्ष्य दस्तावेज के रूप में पर्याप्त मात्रा में उपलबध हो, साथ ही साक्ष्य की विश्वसनीयता उसके स्रोत और प्रकृति पर भी ध्यान देनी चाहिए। उन्होंने बताया कि बाहरी स्रोत से प्राप्त साक्ष्य को ज्यादा विश्वसनीय माना जाता है।

सेमिनार के आरम्भ में उपस्थित चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ विशेषज्ञ वक्ता का स्वागत करते हुए रांची शाखा के चेयरपर्सन सीए श्रद्धा बगला ने कही कि एक चार्टर्ड एकाउंटेंट्स के लिए अंकेक्षण के कार्य हेतु ऑडिटिंग स्टैंडर्ड्स कि जानकारी आवश्यक है। इस कारण आज का यह सेमिनार हमें अंकेक्षण से जुड़े महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। इस सेमिनार का सञ्चालन रांची शाखा के कोषध्यक्ष सीए अभिषेक केडिया ने किया। इस सेमिनार के आयोजन में रांची शाखा के सी पी इ कमिटी के अध्यक्ष सीए निशांत मोदी का महत्वपूर्ण योगदान था।

जिला पुलिस ने जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का किया आयोजन

बिभा संवाददाता

रामगढ़: उपायुक्त चन्दन कुमार एवं आरक्षी अधीक्षक अजय कुमार के नेतृत्व में रामगढ़ जिले के नागरिकों के शिकायतों का त्वरित एवं प्रभावी निवारण हेतु झारखण्ड पुलिस की अनूठी पहल ₹जन शिकायत समाधान कार्यक्रम₹ का आयोजन ₹सिद्धू कान्हू मैदान, रामगढ़₹ में किया गया। जन शिकायत समाधान कार्यक्रम के दौरान कुल 106 शिकायतकताओं ने उपस्थित हो कर? अपनी शिकायतों/समस्याओं को पुलिस के समक्ष रखा । समस्याओं के समाधान हेतु पुलिस पदाधिकारियों के द्वारा त्वरित कार्रवाई किया गया, जिसमें कार्यक्रम के दौरान ही कुल 10 मामलों का निपटारा किया गया।

मौके पर उपायुक्त चंदन कुमार ने पुलिस व आमजनों के बिच तालमेल के लिए आयोजित इन कार्यक्रमों का लोगो को लाभ लेना चाहिए। आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई का आश्वासन देते हुए आरक्षी अधीक्षक ने बताया कि आज प्राप्त आवेदनों का गंभीरता से लिया जाएगा तथा जल्द से जल्द निपटाया जाएगा। उक्त कार्यक्रम में पुलिस उपाधीक्षक (मु०) चंदन वत्सा रामगढ़, अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी प्रमेशवर प्रसाद रामगढ़ / पतरातू परीक्षमान पुलिस उपाधीक्षक, रामगढ़, परिचारी प्रवर, पुलिस केन्द्र, रामगढ, पुलिस निरीक्षक, माण्डू / गोला / पतरातू, अंचलाधिकारी, रामगढ़ /गोला, सभी थाना / ओ०पी० प्रभारी, डी०एल०एस०ए०, पैरालीगल वॉलंटियर, मेडिकल टीम एवं अन्य संबंधित पुलिस पदाधिकारी उपस्थित रहें।

संक्षिप्त खबरें

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का गौरवपूर्ण कदम : रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ

रांची(बिभा) : विशाखापत्तनम में सर्वेक्षण पोत (बड़े) परियोजना के जहाज #NIRDESHAK को इंडियन नेवी में देश के केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के द्वारा शामिल करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। यह जहाज हमारी समुद्री सीमाओं के साथ नौसेना को भी मजबूती प्रदान करेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के नेतृत्व में अब सबकुछ संभव हो रहा है। यह 80% से अधिक स्वदेशी सामग्री के साथ निर्मित और मल्टी-बीम इको साउंडर्स, साइड स्कैन सोनार, AUVs और ROVs सहित कई अत्याधुनिक प्रणालियों से सुसज्जित है। हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण, नेविगेशन, गहरे समुद्र में संचालन और पर्यावरण अध्ययन में हमारा Nirdeshak अब महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। हमारी समुद्री सीमाएं और क्षमताएं भी मजबूत होंगी। हमारी नौसेना अब आत्मनिर्भरता के साथ आगे बढ़ रही है। विकसित भारत की तरफ हम आगे बढ़ रहे हैं।

रांची सिटीजन फोरम से कुल 53 वार्ड से जुड़े 10 हजार से अधिक सदस्य

53 वार्ड में गठित करेंगे 31 सदस्यीय वार्ड समिति-दीपेश निराला

रांची(बिभा) : रांची सिटीजन फोरम के पदाधिकारियों की एक बैठक अध्यक्ष दीपेश निराला की अध्यक्षता में अपर बाजार के लालजी हिरजी रोड़ स्थित मानसरोवर बिल्डिंग में हुई, जिसमें विगत कई वर्षों से लंबित पड़े नगर निकाय चुनाव को यथाशीघ्र करवाने की पहल करने पर चर्चा हुई और पूर्व में 53 वार्ड अंतर्गत गठित वार्ड समिति को 31 सदस्यीय वार्ड समिति के रूप में विस्तारित करने को लेकर निर्णय लिया गया, जिसके लिए जनवरी, 2025 में सभी 53 वार्ड के वार्ड संयोजकों और सह-संयोजकों के साथ एक बैठक आहूत कर इस कार्य को संपन्न करवाने का निर्णय लिया गया। सचिव रेणुका तिवारी ने सभी पदाधिकारी को सूचित किया कि फोरम के साथ अब तक कुल 53 वार्ड से 10 हजार से अधिक सदस्य जुड़ चुके हैं, जिस पर उपस्थित पदाधिकारियों ने हर्ष व्यक्त किया। बैठक में अध्यक्ष दीपेश निराला, उपाध्यक्ष उमाशंकर सिंह, सचिव रेणुका तिवारी, कोषाध्यक्ष विनोद जैन बेगवानी, सह-सचिव विवेक कुमार, सुशील कुमार शर्मा और हरीश नागपाल सम्मिलित हुए।

झारखंड पेरेंट्स एसोसिएशन ने छेड़खानी की घटनाओं पर जताई चिंता, सरकार से की सुरक्षा की मांग

रांची(बिभा): झारखंड पेरेंट्स एसोसिएशन ने राजधानी रांची में छात्राओं के साथ हो रही छेड़खानी की घटनाओं पर गहरी चिंता जताई है और राज्य सरकार से विधि व्यवस्था में सुधार करने की मांग की है। एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय राय ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से आग्रह किया है कि राजधानी रांची सहित पूरे राज्य में पुलिस व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए और स्कूल कॉलेज के समय पुलिस गस्ति की व्यवस्था की जाए ताकि छात्र-छात्राएं सुरक्षित रह सकें। अजय राय ने कहा कि वर्तमान में छेड़खानी और हत्याओं का दौर जारी है, जिससे अभिभावकों में चिंता बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को विधि व्यवस्था से संबंधित मामलों पर गंभीरता दिखानी चाहिए ताकि इस तरह की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके। अजय राय ने आग्रह किया कि राज्य सरकार स्कूल कॉलेज के आसपास के क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरे लगाए और पुलिस गस्ति की व्यवस्था को मजबूत बनाए। उन्होंने कहा कि इससे छात्र-छात्राएं सुरक्षित महसूस करेंगे और उनके अभिभावकों की चिंता भी कम होगी।

झारखंड के चार कराटे खिलाड़ी करेंगे राज्य का प्रतिनिधित्व

रांची(बिभा) : सिकोकई कराटे इंटरनेशनल उत्तर प्रदेश के तत्वाधान में 20 से 23 दिसंबर तक वाराणसी में ऑल इंडिया ओपन कराटे चैंपियनशिप का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें झारखंड से चार खिलाड़ी भाग लेकर राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे इन खिलाड़ियों में तीन लड़के और एक लड़की शामिल है।सभी खिलाड़ी अपने-अपने आयु वर्ग में काता एवं वजन वर्ग में कुमिते स्पर्धा में भाग लेंगे। मिस्टी कुमारी 11 वर्ष आयु वर्ग में काता और 40 किलो वर्ग के कुमिते में भाग लेगी अदित राज 9 वर्ष आयु वर्ग में काता और 40 किलो वर्ग के कुमिते में भाग लेंगे। राकेश तिर्की पुरुष वर्ग में काता एवं 55 किलो वर्ग में कुमिते में भाग लेंगे। अभिजीत बैनर्जी 50 किलो वर्ग के कुमिते में भाग लेंगे। इंटरनेशनल मार्शल आर्ट अकादमी (इमा) के अध्यक्ष संसाइ अनिल किस्पोट्टा टीम कोच होंगे टीम कोच संसाइ अनिल किस्पोट्टा ने कहा कि खिलाड़ी पूरी तरह से तैयार है। राज्य में पदक आने की पूरी संभावना है। कराटे इंडिया ऑर्गनाइजेशन के ट्राइबल और माइनॉरिटी कमीशन के चेयरमैन सह ईस्ट इंडिया कराटे एसोसिएशन के संयुक्त सचिव शिहान सुनील किस्पोट्टा आधिकारिक तौर पर इस प्रतियोगिता में शामिल होंगे।

46वे राष्ट्रीय जूनियर बालिका हैंडबॉल प्रतियोगिता रांची के छह खिलाड़ियों का चयन

रांची(बिभा) : हैंडबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया और तमिलनाडु हैंडबॉल संघ के तत्वाधान में 23- 27 दिसंबर 2024 तक डिंडीगुल तमिलनाडु में आयोजित हो रहे 46वे राष्ट्रीय जूनियर बालिका हैंडबॉल प्रतियोगिता के लिए रांची से रातु हैंडबॉल ट्रेनिंग सेंटर के राखी कुमारी, सावित्री कुमारी, सुष्मिता कुमारी, नीली तिर्की, दिव्या एक्का, और विद्या एक्का का चयन झारखंड टीम में किया गया है, जो झारखंड राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे। इनका चयन झारखंड जूनियर स्टेट हैंडबॉल गर्ल्स प्रतियोगिता के प्रदर्शन के आधार पर किया गया, ये सभी खिलाड़ी प्रशिक्षक विष्णु कुमार के देखरेख में रातु हैंडबॉल ट्रेनिंग सेंटर में प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं। इनके चयन होने पर रांची जिला हैंडबॉल संघ के अध्यक्ष भरत कांशी, कोषाध्यक्ष महेश लोहरा सदस्य राजु,ललित सहभीर, एवं सीनियर खिलाड़ी सूरज उरांव, कृष्णा उरांव, ऋतिक उरांव, अर्चना कुमारी, आयुषी उरांव ने ढेर सारी शुभकामनाएं एवं बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य कामना की है।

अडानी और मणिपुर हिंसा के विरोध में प्रदेश कांग्रेस का राजभवन मार्च

केंद्र सरकार अडानी और मणिपुर मामले पर पूरी तरह मौन है : केशव

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस ने बुधवार को अडानी और उनके सहयोगियों को बचाने एवं मणिपुर में जारी हिंसा की अनदेखी करने सहित अन्य मुद्दों के विरोध में राजभवन मार्च निकाला। यह मार्च प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के नेतृत्व में शहीद स्थल से राजभवन तक किया गया। राजभवन पहुंचने पर मार्च सभा में परिवर्तित हो गया।

सभा को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि केंद्र सरकार अडानी और मणिपुर मामले पर पूरी तरह मौन है। हमारे नेता सदन में दोनों मामलों को लगातार उठा रहे हैं। मणिपुर में शांति बहाली की मांग कांग्रेस के जरिये लगातार जारी है लेकिन केंद्र सरकार इस पर चुप हैं। अडानी और उनके सहयोगियों के जालसाजी का पदार्फाश हुआ है। रिश्वतखोरी का खुलासा हुआ है लेकिन आज तक इस मामले पर जनता के सामने केंद्र सरकार ने सफाई देने की भी जरूरत महसूस नहीं की। कमलेश ने कहा कि मणिपुर जल रहा है। लगातार हिंसा हो रही है। कर्फ्यू लगा हुआ है लेकिन आज तक प्रधानमंत्री वहां नहीं गए। दोनों मुद्दे पर प्रधानमंत्री मौन हैं। वहां के मुख्यमंत्री भी इस मामले में फिसड्डी साबित हुए हैं लेकिन प्रधानमंत्री उन्हें हटाने की बजाय उन्हें संरक्षण दे रहे हैं।

कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने कहा कि यह जनता की आवाज है कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री उनके सवालों का जवाब दें। पिछले एक वर्ष में अमित शाह दर्जनों बार झारखंड आ चुके हैं लेकिन मणिपुर जो वर्षा से जल रहा है हत्याएं, बलात्कार की घटनाएं हो रही हैं, संवैधानिक मूल्यों की हत्या हो रही है लेकिन गृह मंत्री को वहां जाने का वक्त नहीं मिल रहा है।

कांग्रेस विधायक दल के उप नेता राजेश कच्छप ने कहा कि यदि अडानी को बचाने मोदी जी निकलेंगे तो जनता उन्हें गाड़ी से उतार देगी। राहुल गांधी के नेतृत्व में हमें खुद को मजबूत करना है। राज्य के वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने कहा कि यदि कोई राजनीतिक दल या व्यक्ति भीमराव अंबेडकर का अपमान करता है तो यह एक व्यक्ति का अपमान नहीं पूरे हिंदुस्तान का अपमान है। ऐसा दल जो हिंदुस्तान का अपमान करे किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था का राजनीतिक दल हो ही नहीं सकता। भारत में यदि ऐसा कोई दल है तो वह है भाजपा।

राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि जनता ने साफ मन बना लिया है कि मोदी सरकार को कुर्सी से उतारना है। यदि भारत में बाबा साहब का रचित संविधान नहीं होता तो आज अल्पसंख्यक, आदिवासी और पिछड़े हाशिये पर होते। देश के हर नागरिक को संविधान ने अधिकार दिया है और इस संविधान के जनक बाबा साहब को भाजपा अपमानित करने पर तुली है। इसके अलावा कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की और पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर सहित अन्य ने सभा को संबोधित किया।

राजभवन मार्च में विधायक सुरेश बैठा, नमन विक्सल कोन्गाडी, भूषण बाड़ा, स्वेता सिंह, रामचन्द्र सिंह, ममता देवी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ प्रदीप कुमार बलमुचू, पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, पूर्व मंत्री बादल पत्रलेख, योगेन्द्र साव, शहजादा अनंवर, कार्यालय प्रभारी ओबीसी प्रदेश अध्यक्ष अभिलाष साहु सहित अन्य शामिल थे।

उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने ओरमांझी प्रखण्ड सह अंचल कार्यालय का किया औचक

अंचल परिसर में कोई बिचौलिया न आए यह सुनिश्चित करें: उपायुक्त

बिभा संवाददाता

रांची : उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने बुधवार को प्रखण्ड सह अंचल कार्यालय ओरमांझी का औचक निरीक्षण किया।

प्रखण्ड सह अंचल कार्यालय पहुंचते ही उपायुक्त ने सभी पदाधिकारियों/कर्मियों की उपस्थिति की जांच की। उन्होंने कहा कि बायोमेट्रिक उपस्थिति के बिना सभी अनुपस्थित माने जायेंगे, ससमय कार्यालय आयें और अपनी बायोमेट्रिक उपस्थिति सुनिश्चित करें।

उपायुक्त ने प्रखण्ड एवं अंचल कार्यालय में निष्पादित किये जाने वाले सभी कार्यों की जांच की। उन्होंने लॉग बुक, आगत-निर्गत पंजी, रोकड़ पंजी, संचिका, जनशिकायत, पेंशन तथा अन्य की जांच करते हुए कहा कि सभी आवेदनों का त्वरित गति से निष्पादन करें, ताकि लोगों को अनावश्यक रुप से कार्यालय का चक्कर न काटना पड़े। उपायुक्त ने बीडीओ/सीओ एवं सभी कर्मचारियों को जिला प्रशासन द्वारा जारी किये गये ₹अबुआ साथी ₹ व्हाट्सएप नंबर 9430328080 का प्रचार-प्रसार करने को कहा।

उपायुक्त ने पूरे प्रखण्ड सह अंचल कार्यालय परिसर का भ्रमण करते हुए साफ-सफाई कराने का निर्देश दिये। उन्होंने कड़े शब्दों में निर्देश देते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी ओरमांझी को कहा कि प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर में कोई बिचौलिया नही आए यह सुनिश्चित करें। अगर सम्बंधित प्रखंड से किसी प्रकार कि शिकायत प्राप्त होती हैं, तो त्वरित कार्रवाई कि जाएगी।

आमजनों कि विभिन्न जगहों से मिल रही शिकायत पर उपायुक्त रांची काफी गंभीरता से सभी शिकायतों को ले रहें हैं। जिसको लेकर वे अचानक से अंचल और प्रखंडो का औचक निरीक्षण कर रहें हैं। उसी कड़ी में आज वे ओरमांझी प्रखंड सह अंचल कार्यालय पहुंचे।

किसी भी आम नागरिकों को किसी परिस्थिति में सरकारी कार्यालयों का चक्कर नही काटना पड़े ये सभी पदाधिकारी सुनिश्चित करें। आम नागरिक को काम करवाने के लिए किसी प्रकार कि देन-लेन कि शिकायत मिलने पर निश्चित रूप से कार्रवाई कि जाएगी। जानकारी हो कि उपायुक्त रांची लगातार सभी अंचलों, प्रखंडों, सरकारी कार्यालयों का औचक निरीक्षण कर रहें हैं। उन्होंने कहा है, कि इसी तरह निरीक्षण और कार्रवाई होते रहेगी।

मंत्री दीपिका पांडे ने पीड़ित बच्ची व उसके परिवार से मुलाकात की

बिभा संवाददाता

रांची: गुजरात के भरूच में झारखंड के एक श्रमिक की नौ साल की बच्ची के साथ बेहद विभत्स घटना को अंजाम दिया गया है। मामले की जानकारी मिलते ही प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय श्री हेमंत सोरेन जी के निर्देश पर मंत्री दीपिका पाण्डेय सिंह, एडीजी सुमन गुप्ता जी (आईपीएस) और निदेशक समाज कल्याण किरण पासी जी (आईएएस) के साथ तीन सदस्यों की टीम ने पीड़ित बच्ची और उसके परिवार से मुलाकात की है।

मंत्री दीपिका पाण्डेय सिंह ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बच्ची को सही इलाज और सहायता मिले। गुजरात सरकार से हमने माँग की है कि आरोपी के खिलाफ सख्त कार्यवाही हो और ये पूरा मामला फास्ट ट्रैक कोर्ट में चला जाए। सरकार पीड़ित परिवार को हर संभव मदद पहुँचाए ताकि उन्हें इंसाफ मिल सके। उक्त आशय की जानकारी देते हुए प्रदेश कांग्रेस कमिटी के मीडिया चेयरमैन सतीश पॉल मुंजनी ने बताया कि इस पूरे घटनाक्रम के संबंध में संबंधित अधिकारियों के साथ भी बातचीत की गई है और गुजरात में काम करने वाले झारखंड के श्रमिकों और उनके परिवार की सुरक्षा की मांग भी सरकार के सामने रखी गई है।

जवाहर विद्या मंदिर में पुरस्कार वितरण समारोह में छात्रों को मिला मैडल

बिभा संवाददाता

रांची : छात्रों को बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा देने, उनकी उपलब्धियों को पहचानने तथा एक साथ जुड़कर सफलता को सम्मान देने व जश्न मानने के उद्देश्य से जवाहर विद्या मंदिर, श्यामली के दयानंद प्रेक्षागृह में माध्यमिक विभाग की ओर से वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह - 2024 का आयोजन किया गया।

विद्यालय में पाठ्येतर सहगामी क्रियाकलाप के अंतर्गत अंतर सदनीय शैक्षणिक गतिविधियों में शामिल अंग्रेजी, हिंदी व संस्कृत में कविता-पाठ प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता, क्विज प्रतियोगिता, गायन व वादन प्रतियोगिता तथा पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित हुई।

इसमें प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले 24 छात्रों को गोल्ड मैडल, द्वितीय स्थान प्राप्त करनेवाले 32 छात्र को सिल्वर मैडल तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले 34 छात्रों को ब्राउंज मैडल देकर सम्मानित किया गया।

इसके अलावे माध्यमिक विभाग के कक्षा दसवीं और नवीं के तिलक, राजेंद्र, टैगोर और दयानंद सदन के छात्र परिषद् के एकैडमिक और स्पोर्ट्स के कप्तान और उप कप्तान को भी प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया जिनकी संख्या 32 थी।

वहीं इंडियन इंटेलिजेंस टेस्ट में प्रथम स्थान प्राप्त कर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले कक्षा सातवीं के छात्र वैभव तथा परीक्षा में प्रतिलिपिक की भूमिका निभाने वाली अक्षिता वर्मा और आर्या पाठक को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

सभी छात्रों को मंच पर मैडल के साथ प्रमाण पत्र दिया गया। इस अवसर पर पुरस्कार पाने वाले छात्रों में उत्साह और खुशी देखते बनती थी। प्राचार्य समरजीत जाना ने सभी सफल छात्रों को शुभकामनाएँ दीं एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि पुरस्कार प्राप्त करने का अर्थ है कि आप अन्य छात्रों से बेहतर हैं। सबके सामने मंच पर पुरस्कार पाना आप की मेहनत, प्रगति और उत्कृष्टता को मान्यता देना है। ये पुरस्कार बच्चों की जिंदगी में बहुत महत्त्व रखती है जो उन्हें निरंरत संघर्ष के रास्ते आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। हम उम्मीद करते हैं कि आने वाले शैक्षणिक सत्र में आप और भी मैडल से नवाजे जाएँगे। कार्यक्रम में मंच संचालन सायमा यूनुस ने किया। इस मौके पर उप प्राचार्य एस के झा, बी एन झा, संजय कुमार, प्रभाग प्रभारी शीलेश्वर झा 'सुशील' व सुलिपिका कर्मकार वरीय शिक्षक विजय कुमार, यास्मीन नूरी, अल्पना सिन्हा, विनीता कुमारी तथा अभिभावकों की मौजूदगी रही।

राज्य से निर्यात को मिले बढावा:चैंबर

बिभा संवाददाता

रांची : झारखण्ड से कृषि उत्पादों के निर्यात की संभावनाओं को देखते हुए चैंबर ने प्रदेश में एक्सपोर्ट हाउस, पैक हाउस, इंस्पेक्शन हाउस और क्वालिटी कंट्रोल यूनिट लेबोरेटरी की स्थापना के साथ-साथ रांची में एयर कारगो की सुविधा में बढोत्तरी को जरूरी बताया। चैंबर की इंपोर्ट एक्सपोर्ट उप समिति की चैंबर भवन में संपन्न हुई बैठक में कहा गया कि प्रदेश से कृषि उत्पादों के निर्यात की अपार संभावनाएं हैं जिसके तहत माइनर फॉरेस्ट प्रोड्यूस जैसे इमली, महुआ आदि तथा सब्जियों जैसे फूलगोभी, पत्तागोभी, भरकोली, गाजर, बिंस, मटर, टमाटर इत्यादि का निर्यात भारी मात्रा में किया जा सकता है। उप समिति चेयरमेन एसके अग्रवाल ने कहा कि झारखण्ड से ताजी सब्जियां निर्यात करने में फिलहाल कठिनाई है क्योंकि यहां पर नजदीक में कोई बंदरगाह नहीं है। यहां से फ्रेश सब्जी निर्यात करने

से कृषकों की आमदनी बढाई जा सकती है। इसके लिए झारखण्ड में इरैडिशन की आवश्यकता होगी। साथ में मॉर्डन वेयरहाउस, मॉर्डन कोल्ड स्टोरेज यूनिट की भी आवश्यकता है, जिसकी विभागीय स्तर पर समीक्षा जरूरी है।

बैठक में यह भी कहा गया कि झारखण्ड से एक्सपोर्ट को बढावा देने के लिए भारत सरकार द्वारा मैनेजिंग डायरेक्टर, एग्रीकल्चर मार्केटिंग बोर्ड को नोडल अफसर के रूप में (एफेडा) नियुक्त किया गया है। आवश्यक है कि नोडल अफसर द्वारा कृषि विभाग, कृषि विश्वविद्यालय, केंद्र सरकार के आईसीएआर पलांडु के पदाधिकारियों के साथ साथ उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ संयुक्त बैठक कर, एक्सपोर्ट की संभावनाओं को गति देने की पहल की जाय। चैंबर अध्यक्ष परेश गट्टानी ने इस मामले में विभागीय उच्चाधिकारियों से वार्ता की बात कही। बैठक में चैंबर अध्यक्ष परेश गट्टानी, उपाध्यक्ष राहुल साबू, ज्योति कुमारी, कोषाध्यक्ष रोहित अग्रवाल, उप समिति चेयरमेन एसके अग्रवाल, सदस्य मनीष पियूष, सीए जेपी शर्मा, प्रेमशंकर मिश्रा, विवेक सिंघानिया, आदित्य कुमार समेत अन्य सदस्य उपस्थित थे। उक्त जानकारी प्रवक्ता सुनिल सरावगी ने दी।

टीबी मरीजों की जांच दर को बढ़ाया जाए : अबु ईमरान

बिभा संवाददाता

रांची : राष्ट्रीय यक्ष्मा उन्मूलन कार्यक्रम, झारखण्ड अन्तर्गत निजी क्षेत्र के टी0बी0 मरीजों को कार्यक्रम अंतर्गत प्रावधानित सभी सुविधाएं मुहैया कराने हेतु कार्यरत Patient Provider Support Agency (PPSA) - TRY का दो द्विवसीय समीक्षात्मक बैठक आरसीएव सभागार, नामकुम में आयोजित की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए अभियान निदेश अबु ईमरान ने कहा की संभावित टीबी मरीजों की जाँच दर को बढ़ाया जाए इसके साथ ही मृत्यु दर में 90 प्रतिशत की कमी एवं Incidence rate में 80 प्रतिशत की कमी लाने को ध्यान में रखते हुए कार्य करने को कहा। उन्होंने टी0बी0 से ग्रसित परिवार के सभी सदस्यों का जाँच एवं इलाजरत मरीजों का कोई भी खर्च नहीं होने देने के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा। उन्होंने कहा कि सभी ईलाजरत मरीजों को नि.क्षय पोषण सहायता अन्तर्गत सरकार से प्रतिमाह रू0 1,000/- की राशि दिये जाने का प्रावधान है। इसके अतिरिक्त सभी कॉरपोरेट, विभिन्न विभागों एवं गैर सरकारी संस्थाओं को नि.क्षय मित्र बन कर मरीजों को गोद लेकर फुड बास्केट उपलब्ध कराने का आग्रह किया।

डॉ0 कमलेश कुमार ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि Clinically diagnosed को कम करते हुए अधिक से अधिक Microbiologically Confirmed को बढ़ावा देने का निदेश दिया। साथ ही सभी टी0बी0 मरीजों का बैंक खाता शत प्रतिशत उपलब्ध कराने तथा उन्हे पोषण योजना का लाभ एवं अगामी वर्ष से टी0बी0 मरीजों के बेहतर उपचार के लिए नई दवा B-Pal-M Regimen का उपयोग एवं TB Prevention Therapy (TPT) के महत्व को बताते हुए सभी इलाजरत टी0बी0 मरीजों को टीपीटी दिलाने का निर्देश दिया।

श्री उत्पल दत्त ने कहा कि निजी क्षेत्र के टी0बी0 मरीजों के लिए कार्यक्रम के अंतर्गत प्रावधानित सभी सेवाए पिछले एक वर्ष से राज्य यक्ष्मा कार्यालय के दिशा निर्देश में टीआरवाई द्वारा उपलब्ध कराई जा रही है एवं उन्होनें आस्वसत किया कि आगे भी विभाग के द्वारा जो भी दिशानिर्देश दिये जाऐगें उसका शत प्रतिशत अनुपालन के लिए ज्त्ल प्रतिबध है।

इस बैठक में मुख्य रूप से सभी राज्यस्तरीय कर्मी, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी एवं जिलास्तरीय एवं अन्य सभी कर्मचारीगण एवं संस्था के राज्य प्रतिनिधि उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

सीटू यूनियन ने सेल प्रबंधन व केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ की आवाज बुलंद

बोकारो/बिभा संवाददाता। सेल प्रबंधन व केन्द्र सरकार की मजदूर व प्लांट विरोधी नीतियों के खिलाफ सीटू युनियन द्वारा कुरमीडीह मनसा सिंह गेट के समक्ष गेट मीटिंग की गई। प्रतिरोध सभा को संबोधित करते हुए आर के गोरांई व आर एन सिंह ने संयुक्त रूप से कहा कि केन्द्र की भाजपा सरकार ने पहले से ही कोल इंडिया के माइन्स को एमडीओ (माइन्स डेवलपर आपरेटर)मॉडल में डालकर निजीकरण की ओर धकेल दिया है। लेकिन वहां चल रहे मजदूर आंदोलन के दबाव में सफल नहीं हो पाई है। लेकिन इसी बीच राउरकेला स्टील प्लांट के तालडीह माइन्स को आगामी 25 साल के लिए अडाणी ग्रुप को एमडीओ मोड में दे दिया गया है। हमें यह याद रखना चाहिए कि किसी भी कारखाने के लिए माइन्स लाइफ लाइन होता है।आज वहां के हजारों नियमित और ठीका मजदूर अडाणी के हाथों की जा रही निजीकरण के खिलाफ पिछले 28 नवंबर से आंदोलन में सड़कों पर हैं। मजदूर हड़ताल पर पूरे परिवार के साथ डटे हुए हैं। लेकिन इसी बीच मजदूरों व उनके परिजनों के उपर पुलिसिया जुल्म ढाया जा रहा है। जिसकी सीटू तीव्र निन्दा करती है और अविलंब अडाणी ग्रुप के साथ सेल प्रबंधन के साथ की गई करार को निरस्त करने की मांग करती है। ऐसा नहीं होने पर सेलव्यापी आंदोलन तेज किया जाएगा। आज की प्रतिरोध सभा की अध्यक्षता आर बी सिन्हा ने किया। सभा में आर आर पन्ना, सुरेश साव, उपेन्द्र कुमार सहित सभा में सैकड़ों मजदूर उपस्थित थे।

डीएवी- 6 में स्वास्थ्य शिविर में नेत्र परीक्षण कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

बोकारो/बिभा संवाददाता। डीएवी पब्लिक स्कूल सेक्टर 6 बोकारो में विद्यार्थियों के लिए आंख परीक्षण साप्ताहिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन प्राचार्या अनुराधा सिंह ने किया।इस आंख परीक्षण कार्यक्रम में विद्यालय के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया ।सभी विद्यार्थियों का आंखों से संबंधित रोग के बारे में बताया गया। टाइटन आई पल्स के नेत्र जाँच विशेषज्ञ मोहम्मद सद्दाम तथा रितेश सिंह ने सभी विद्यार्थियों के आंखों की जांच की। विभिन्न प्रकार के लेंस के बारे जानकारिया दी। चौथी व दसवीं के विद्यार्थियों का नेत्र परीक्षण हुआ। इस जांच अभियान के तहत कई विद्यार्थियों में आंखों की रोशनी में कमी पाई गई। उन्हें उचित परामर्श भी दिया गया आंखों की रक्षा करना सर्वोपरि है। आंखों में विकृतियां आने से पढ़ने में देखने में कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। विद्यालय की प्राचार्य अनुराधा सिंह ने नेत्र परीक्षण कार्यक्रम की सराहना की। प्राचार्य अनुराधा सिंह ने कहा कि छोटे बच्चों में स्पष्ट दिखाई देना आवश्यक है। बचपन में ही बच्चों के आंखों में गड़बड़ी होने की संभावना रहती है। चिकित्सकों ने विभिन्न तरह के लेंस का प्रयोग करने के लिए कहा। अभिभावकों से आग्रह है कि छोटे बच्चों को हरी सब्जियां, सेव, संतरा, अमरूद, गाजर, मौसमी फल आदि का सेवन करने के लिए प्रोत्साहित करें। आंखों की रक्षा पर विशेष ध्यान दें जीवन को सुचारू रूप से देखने के लिए आंखों की आवश्यकता होती है। आंख सभी के लिए अनिवार्य अंग है। विभिन्न तरह के उपायों से बच्चों के आंखों की सुरक्षा संबंधित जानकारियां भी दी गई ।कार्यक्रम में विद्यालय के समस्त शिक्षकगण मौजूद थे।

चिन्मय विद्यालय का प्रोजेक्ट प्रथम राज्य स्तर के लिए चयनित

बोकारो/बिभा संवाददाता। चिन्मय विद्यालय बोकारो, में आज विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। जिसमें हजारीबाग जिला खेल विभाग द्वारा आयोजित प्रमंडल स्तरीय राष्ट्रीय मेला 2024 में अव्यान नारायण कश्यप, केशव अग्रवाल एवं नेहाल शर्मा के प्रोजेक्ट को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। विद्यालय ने इन सभी छात्रों को प्रार्थना सभागार में विशेष रूप से सम्मानित किया। तीनों मेघावी छात्रों ने भारतीय किसानों के सहयोग के लिए ए.आइ की मदद से एक ऐसा प्रोजेक्ट यंत्र तैयार किया जो खेतों में आने वाले सभी जानवरों ,पक्षियों की जानकारी देता है एवं विशेष लेयर द्वारा उसे भगाने में मदद भी करता है। जिससे जानवरों और पक्षियों का नुकसान भी नहीं हो और खेतों में उपजे हुई फसल भी सुरक्षित रहे। साथ ही यंत्र में लगे विशेष सेंसर से खेत की मिट्टी की गुणवत्ता का पता चलता है। प्रार्थना सभा में सभी विजेता छात्रों को विद्यालय प्रबंधन द्वारा विशेष रूप से सम्मानित किया गया। प्राचार्य सूरज शर्मा ने बधाई देते हुए कहा कि प्रोजेक्ट के बच्चों ने ज्ञान के साथ-साथ इस प्रोजेक्ट के प्रेजेंटेशन एवं यह प्रोजेक्ट समाज के लिए कितना उपयोगी है इस बात पर ज्यादा ध्यान दिया है। यह खुशी की बात है कि हमारे विद्यालय में केवल पुस्तक ज्ञान ही नहीं अपितु बच्चों के अंदर छुपी प्रतिभाओं को उभारने के लिए विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षको द्वारा सहयोग किया जाता है। प्रोजेक्ट में शामिल छात्रों अव्यान नारायण कश्यप, केशव अग्रवाल एवं नेहाल शर्मा एवं उनके गाइड टीचर शुभम कुमार गुप्ता तथा श्रेया गुप्ता को ढेरों बधाई दी। यह प्रोजेक्ट राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित किया जा चुका है। चिन्मय मिशन की आवासीय आचार्या स्वामिनी सम्युक्तानंद सरस्वती, विद्यालय प्रबंधन के अध्यक्ष बिश्वरूप मुखोपाध्याय, सचिव महेश त्रिपाठी, प्राचार्य सूरज शर्मा एवं उप प्राचार्य नरमेंन्द्र कुमार सहित सभी विभागिये इनचार्यों एवं शिक्षकों ने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की और उन्हें ढेरो शुभकामनाएं दी।

एक दिवसीय मुखिया उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन

अपने गांव के विकास में अग्रणी भूमिका निभाएं : जिप अध्यक्ष

बिभा संवाददाता

बोकारो। जिला परिषद कार्यालय के सभागार में मेरा पंचायत, मेरा पहचान से संबंधित एक दिवसीय मुखिया उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। उक्त कार्यशाला के मुख्य अतिथि जिला परिषद अध्यक्षा सुनीता देवी एवं उप विकास आयुक्त गिरिजा शंकर प्रसाद शामिल हुए। कार्यशाला में मुखियाओं के लिए एक महत्वपूर्ण मंच मेरा पंचायत, मेरा पहचान कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण विकास में पंचायतों की सक्रिय भूमिका को बढ़ावा देना है। कार्यशाला के माध्यम से विशेष रूप से मुखियाओं को प्रशिक्षित किया जाता है ताकि वे अपने गांव के विकास में प्रभावी नेतृत्व कर सकें। साथ ही कार्यशाला के माध्यम से ग्रामीण समुदायों को अपनी समस्याओं का समाधान खोजने और अपने गांव का विकास करने के लिए प्रेरित किया जाता है। साथ ही कार्यशाला में पंचायत अंतर्गत जीपीडीपी का चयन, जिसमें सक्षम पंचायत एवं विकसित पंचायत के अंतर्गत फाइलेरिया मुक्त पंचायत के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। मौके पर जिला पंचायतीराज पदाधिकारी मो. शफीक अहमद, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डॉ सुमन गुप्ता, डीपीएम अभिषेक कुमार, चास और गोमिया प्रखंड के मुखिया एवं पंचायत सचिव उपस्थित थे। कार्यशाला में मुखियाओं एवं पंचायत सचिवो को प्रशिक्षण पीरामल फाउंडेशन बोकारो के द्वारा दिया गया।

पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित हो

उप विकास आयुक्त गिरिजा शंकर प्रसाद ने मुखियाओं को पंचायती राज व्यवस्था के सिद्धांतों, अधिकारों और जिम्मेदारियों के बारे में विस्तृत से बताया। उन्होंने विभिन्न सरकारी योजनाओं जैसे मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना आदि के बारे में जानकारी दी जाती है और उनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए रणनीतियां कैसे बनाई जाय। साथ ही ग्राम सभा की भूमिका, इसके आयोजन और उसमें लोगों की भागीदारी को बढ़ाने के तरीकों को भी बताया। उन्होंने पंचायत में पारदर्शिता लाने और जवाबदेही सुनिश्चित करने के उपायों की जानकारी दिए।

दूसरे सफल पंचायतों के अनुभवों को साझा करें

उप विकास आयुक्त गिरिजा शंकर प्रसाद ने सभी मुखियाओं को नेतृत्व, संचार और समस्या समाधान जैसे कौशल विकसित करने को कहा ताकि इसकी मदद से पंचायत के किसी भी व्यक्ति को मदद की जा सकती है। उन्होंने आगे बताया कि पंचायत को विकास करने में किसी दूसरे सफल पंचायतों के अनुभवों को साझा करें या आपलोग स्वयं सफल पंचायत जाकर उनसे सीखे और अपने पंचायत में आकर इंप्लीमेंट करें ताकि अन्य मुखिया भी उनसे सीख सकें।

अपने गांव के विकास में अग्रणी भूमिका निभा सकें

जिला परिषद अध्यक्षा सुनीता देवी ने बताया कि इस कार्यशाला से मुखियाओं को सशक्त बनाना ताकि वे अपने गांव के विकास में अग्रणी भूमिका निभा सकें। इसके साथ ही उन्होंने पंचायती राज व्यवस्था और विकास योजनाओं की विस्तार से जानकारी दिया। उन्होंने ग्रामीण समस्याओं का समाधान खोजने को कहा ताकि ग्रामीण विकास की गति तेज हो सके।

जिले के 4 स्थानों में हुई जन शिकायत समाधान कार्यक्रम

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो सहित पूरे झारखंड राज्य में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है बोकारो जिले में 4 स्थानों पर आईटीआई कैंपस पिंडराजोरा, डीवीसी हाइ स्कूल चंद्रपुरा, सेक्टर 2 डी कला केंद्र व मध्य विद्यालय सिवनडीह माराफारी में केंद्र बनाया गया है जिसमें लगभग सभी तरह के शिकायत का त्वरित निष्पादन कार्यक्रम में उपस्थित प्रखंड के प्रशासनिक पदाधिकारी व जिला स्तर के अधिकारी, पुलिस अधिकारी द्वारा किया जा रहा है। जहां कई तरह के शिकायतों का निबटारा किया जा रहा है, कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों ने दीप प्रज्जवलित कर किया. जन शिकायत समाधान कार्यक्रम मे थाना प्रभारी समेत पुलिस के वरीय अधिकारी तक मौजूद रहे. कला केंद्र स्थित सामधान केंद्र पर पहुंचे बोकारो के पुलिस अधीक्षक मनोज सावर्गीयारी ने कहा कि यह कार्यक्रम ऐसे लोगों के लिए आयोजित है जो किसी कारण से पुलिस तक नहीं पहुँच पाते है तथा लोगों मे जागरूकता के लिए भी यह कार्यक्रम आवश्यक है. उन्होंने कहा की 112, 1930, डायल कर शिकायत कर सकते है. इस कार्यक्रम मे ऑन लाइन एफआईआर, गुमशुदगी, पीड़ित प्रतिकर स्कीम, भूमि विवाद का समाधान, ठगी मामलों, मानव तस्करी, डायन प्रथा शक्ति एप्प जैसे मामलों की जानकारी एवं समाधान हुई. इसके लिए जागरूकता जरुरी है.

तिरंगा मोड पर मनाई गई बिनोद बाबु की पुण्यतिथि

बोकारो/बिभा संवाददाता। साबडा पंचायत के तिरंगा मोड़ आसनबनी में झारखंड राज्य के जन्म दाता बिनोद बिहारी महतो का 33 वीं पुण्यतिथि मनाई गयी। लोगो ने बिनोद बाबु के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दिया। चंदनकियारी के समाजसेवी व पुर्व प्रत्याशी जगन्नाथ राजवार ने कहा स्व बिनोद बाबु शोषित पीड़ित के बुलंद आवाज़ थे। उनका नारा था पढो.ओर लड़ो। उनका सपन आज भी अधुरा है। मौके पर पंचायत समिति सदस्य राजीव राजवार, नरेश राजवार, बी कुमार, सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त गणितज्ञ बीके सिंह का विद्यार्थियों को मिला मार्गदर्शन

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोर्ड परीक्षा से पूर्व डीपीएस चास के विद्यार्थियों का गणित के क्षेत्र में देश के प्रसिद्ध हस्ती तथा अंतर्राष्ट्रीय ओलंपियाड के संस्थापको में एक बीके सिंह ने अपने विचारों से मार्गदर्शन किया। उन्होंने उन्हें परीक्षा में शत-प्रतिशत अंक हासिल करने के टिप्स दिए। उन्होंने कहा कि एन.सी.इ.आर. टी की किताबों के साथ ही साथ एक्जाम्प्लर की मदद से स्वयं प्रश्नों का निर्माण कर उससे क्वेश्चन बैंक बनाकर परीक्षा की तैयारी करें।
बच्चों ने गणित के कठिन सवालों के संबंध में उनसे सवाल भी किए जिसका उन्होंने बड़े ही सहज एवं सरल तरीके से समझाया।
विदित हो कि श्री सिंह एक कुशल मार्गदर्शक के साथ-साथ गणित की दर्जनों किताबों के लेखक भी हैं। इन्हें समाज रत्न, राजकुल भूषण व राजगुरु गौरव जैसे अनेक पुरस्कारों से सम्मानित भी किया गया है। उन्हें देश के अलावा विदेशों के सैकड़ों विद्यालयों द्वारा अनुशंसा व सराहना भी मिली है। वे लर्न ओ टेस्ट वल्ड ओलंपियाड के संस्थापक भी हैं। इस विषय पर अपनी राय व्यक्त करती हुई विद्यालय की चीफ मेंटर डॉ. हेमलता एस मोहन ने कहा कि परीक्षा पूर्व विद्यार्थियों के मनोबल को बढ़ाने तथा उनके अंदर परीक्षा के डर को मिटाने के लिए विद्यालय द्वारा किया गया प्रयास सराहनीय है। इस अवसर पर विद्यालय की निदेशिका डॉ. मनीषा तिवारी ने उनका स्वागत किया तथा श्री सिंह के विद्यालय परिवार से जुड़ने पर प्रसन्नता जाहिर की। उन्होंने कहा कि विद्यालय समय-समय पर ख्याति प्राप्त विषय विशेषज्ञों को बुलाकर विद्यार्थियों के मार्गदर्शन व विकास के लिए सदा प्रयासरत रहता है।

अवैध आरा मिल ध्वस्त, जब्त की गई कीमती लकड़ी और मशीनें

बिभा संवाददाता

कोडरमा। जिले के जयनगर थाना क्षेत्र के कुशाहना गांव में जंगल से घिरे इलाके में अवैध रूप से संचालित आरा मिल पर वन विभाग ने कार्रवाई की है। वन विभाग की टीम ने आरा मिल को ध्वस्त कर वहां से मशीन, आरी और एक जनरेटर जब्त कर लिया। साथ ही बड़ी मात्रा में कीमती लकड़ी भी बरामद की गई है। छापेमारी के दौरान आरा मिल का संचालक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है। वाइल्डलाइफ रेंजर रविंद्र कुमार ने बताया कि एक महीने पहले भी इसी इलाके में अवैध आरा मिल का भंडाफोड़ किया गया था, लेकिन उस समय भी संचालक भागने में कामयाब रहा था। वन विभाग अब आरा मिल संचालक की पहचान करने में जुटा है। पहचान के बाद उसके खिलाफ वन अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस घटना से क्षेत्र में अवैध लकड़ी कटाई और तस्करी पर लगाम लगाने की विभागीय कोशिशों को बल मिला है।

जमशेदपुर में कांग्रेस नेता आलोक कुमार मुन्ना की गोली मारकर हत्या

जमशेदपुर। बुधवार तड़के जमशेदपुर के कदमा थाना अंतर्गत शास्त्री नगर रोड नंबर 4 में अपराधियों ने कांग्रेस नेता आलोक कुमार मुन्ना उर्फ आलोक भगत की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। घटना बुधवार सुबह 10:00 बजे के आसपास की बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि पहले से घात लगाए बैठे अपराधियों ने आलोक मुन्ना को सामने से सीने में चार गोलियां मारी जिससे वह वहीं गिर गये। उन्हें तत्काल टीएमच ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने आलोक को मृत घोषित कर दिया।

बिजुलिया में बिनोद बिहारी महतो की पुन्यतिथि मनाई गई

बिभा संवाददाता

बोकारो। चास प्रखण्ड के बिनोद बिहारी महतो चौक बिजुलिया में बुधवार को झारखंड के पुरोधा जेएमएम के अध्यक्ष स्व ० बिनोद बिहारी महतो की पुन्यतिथि विभिन्न समाजिक संगठन व राजनीत दलो ने मनाई। लोगों बिनोद बाबु के मुर्ति पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दिया। वक्ताओं ने कहा कि अलग राज्य तो मिला लेकिन बिनोद बाबु जो सपना था वह आज भी अधुरा है। यह वीडियो बना ही है कि आज अपना हक और अधिकार मांगने पर झारखंडियों को प्रताड़ित व विद्यार्थियों को लाठी चार्ज किया जा रहा हैजो विलकुल गलत है। यह कहाँ का नियम है, हक अधिकार व न्याय मांगने पर युवाओं पर लाठीचार्ज व गिरफ्तार किया गया है। इस अवसर पर चंदनकियारी प्रखण्ड जेएलकेएम अध्यक्ष राजेश महतो, सचिव रसराज महतो, रविंद्र महतो, तुलसी महतो, मनोज महतो, मिथिलेश कुमार, राजेंद्र नाथ महतो, एनुल अंसारी, मंटू महतो, मिथुन महतो, उत्तम महतो राहुल महतो मनोज महतो काशीनाथ महतो झामुमो के डा० बिकास रजक, रुप चांद महतो, रामविलास, शंकर महतो, बिकास सिंह, रणजीत महथा,राजेन्द्र महतो, मंटुचरण महतो, भोलानाथ महतो, बिकास चौबे, रामनंदन किस्कु, मुरारी राजनाथ, मनोहर दास आदि उपस्थित थे।

बिनोद बिहारी महतो के पुण्यतिथि पर विधायक श्वेता सिंह ने माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो विधायक श्वेता सिंह ने बोकारो हवाई अड्डा के समीप झारखंड आंदोलन के प्रणेता बिनोद बिहारी महतो के प्रतिमा पर पुण्यतिथि के अवसर पर माल्यार्पण कर नमन किया। श्रीमती सिंह ने कहा कि मैं सौभाग्य शाली हू कि मेरे श्वसुर समरेश सिंह और बिनोद बिहारी महतो ने हमेशा झारखंडी अस्मिता की लड़ाई लड़ी। अपने जीवनकाल में बिनोद बिहारी महतो ने कई महत्वपूर्ण काम किए,जिससे आज उन्हें एक सफल कलमकार, रणनीतिकार, अधिवक्ता के तौर पर याद किया जाता है। उन्होंने एक समाज सुधारक के रुप में भी अपनी महती भूमिका निभाई। उनके बारे में कहा जाता है कि सामाजिक बुराइयों को दूर करने के लिये वह दोषियों को सज़ा देने से भी पीछे नहीं हटते थे। पूरे झारखंड की दशा को बदलने में उनका योगदान रहा है। झारखंड आंदोलन को जो पहले आदिवासियों का आंदोलन कहा जाता था,बिनोद बिहारी महतो के हस्तक्षेप के बाद इसमें गैर आदिवासी जुड़ पाये। 1971 से लेकर 72 तक उन्होंने कुछ स्कूलों और कॉलेजों को 4 -5 लाख तक का सहयोग दिया ताकि ज्यादा से ज्यादा स्कूल खुल सकें औऱ समाज के सभी वर्गों के बच्चे वहां पढ़ लिखकर आगे बढ़ सकें। हम गौरवशाली है कि आज ऐसे विभूति की पुण्यतिथि मनाने का मौका मिल रहा है वर्तमान समय में एक बेहतर समाज के निर्माण के लिए इनके विचारों को आत्मसात करने की जरूरत है। इस अवसर पर चास के निवर्तमान मेयर भोलू पासवान, प्रताप सिंह, राज किशोर पोद्दार उपस्थित रहे।

बीएसएल में विक्रेता विकास कार्यक्रम सह औद्योगिक प्रदर्शनी का आयोजन

बिभा संवाददाता

बोकारो। भारत सरकार, एमएसएमई मंत्रालय के झारखंड राज्य स्थित, एमएसएमई-विकास कार्यालय, रांची के द्वारा बीएसएल के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय विक्रेता विकास (वेंडर डेवलपमेंट) कार्यक्रम सह औद्योगिक प्रदर्शनी का आयोजन दिनांक 18 एवं 19 दिसम्बर, 2024 को बीएसएल के एल एंड डी सेंटर में किया जा रहा है.
18 दिसम्बर को इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि बीएसएल के निदेशक प्रभारी बीके तिवारी, विशिष्ट अतिथि आई.ई.डी.एस., संयुक्त निदेशक, एमएसएमई-विकास कार्यालय, राँची इंद्रजीत यादव, डिप्टी रीजनल डायरेक्टर, जियाडा मनोज कुमार एवं अन्य उपस्थित बीएसएल के अधिशासी निदेशकों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया. कार्यक्रम में

बीएसएल के मुख्य महाप्रबंधक एवं अन्य वरीय अधिकारी तथा सामग्री प्रबंधन विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे. बीएसएल के अधिशासी निदेशक (एमएम) सीआर मिश्रा ने स्वागत भाषण दिया एवं सभी उपस्थित प्रतिभागियों का अभिनंदन किया. मुख्य अतिथि बीएसएल के निदेशक प्रभारी बी के तिवारी ने एमएसएमई इकाइयों के विकास के प्रति बीएसएल की प्रतिबद्धता दोहराते हुए एमएसएमई उद्यमियों को गुणवत्ता, प्रतिस्पर्धात्मक लागत, ट्रस्ट बिल्डिंग एवं आफ्टर सेल सर्विस इत्यादि पहलुओं पर ध्यान देने की सलाह दी. उन्होंने पब्लिक प्रोक्योरमेंट पॉलिसी के तहत एमएसएमई से की गई खरीद का विवरण देते हुए बताया कि बीएसएल ने कुल खरीद के 25 प्रतिशत लक्ष्य से आगे बढ़ते हुए 35-40 प्रतिशत तक की खरीद एमएसएमई से की है. उन्होंने कहा कि जेम से सेवाओं की खरीद की प्रक्रिया में लोकल वेंडर के चयन होने से समय एवं खर्च की बचत होती है. इस पृष्ठभूमि में उन्होंने उपस्थित उद्यमियों को जेम प्लेटफॉर्म पर ऑन बोर्डिंग करने का आवाहन किया. उन्होंने सूक्ष्म एवं लघु उद्यमियों को बीएसएल की तरफ से हर संभव सहयोग करने एवं उनकी समस्याओं का समाधान करने में मदद करने का आश्वासन दिया. निदेशक प्रभारी ने इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए एमएसएमई-डीएफओ, राँची के प्रति आभार भी प्रकट किया. आई.ई.डी.एस., संयुक्त निदेशक, एमएसएमई-विकास कार्यालय, रांची इंद्रजीत यादव ने कार्यक्रम के उद्देश्य एवं रूप–रेखा से अवगत कराया. उन्होंने कहा कि सूक्ष्म एवं लघु उद्यमियों को इस कार्यक्रम में शामिल हो रहे सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के अधिकारियों से सीधे वार्तालाप करने का अवसर मिलेगा जिससे वे इन विभागों के वेंडर पंजीकरण की प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे और इन विभागों को अपने उत्पाद विक्रय कर सकेंगे. उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में इनवॉयसमार्ट के अधिकारियों द्वारा ट्रेड्स के बारे में एवं जेम विभाग की ओर से भी प्रस्तुति दी जाएगी तथा क्रेता - विक्रेता मिलन का भी आयोजन किया जाएगा. जेम विभाग द्वारा पंजीकरण के लिए उद्यमियों को हैंड-होल्डिंग सपोर्ट भी दिया जाएगा. मनोज कुमार, डिप्टी रीजनल डायरेक्टर, जियाडा ने कहा कि जियाडा में स्थित एमएसएमई उद्यमों के लिए यह कार्यक्रम एक बेहतरीन मंच है जहां वे पीएसयु की जरूरतों को समझकर अपने प्रोडक्टस की गुणवत्ता को उसके अनुरूप बनाएं. यह कार्यक्रम उन्होंने कहा कि एमएसएमई दो कदम आगे बढ़ाएं क्योंकि हम सब दो सौ कदम आगे बढ़ाकर उन्हें सहयोग करने के लिए तैयार हैं।

बोकारो मृत कर्मचारी आश्रित संघ ने किया जल सत्याग्रह

बिभा संवाददाता

बोकारो। मृत कर्मचारी आश्रित संघ ने आज नियोजन की मांग को लेकर सेक्टर 3 के टू टेन गार्डन के तालाब मे जल सत्याग्रह किया. मिडिया से बातचीत करते हुए संघ के नेता शकील अहमद ने कहा की बोकारो स्टील प्रबंधन द्वारा आज तक नौकरी नहीं दिया, जबकि हमारे पिता, दादा इसी बीएसएल मे नौकरी कर रहे थे, जिनकी नौकरी के दौरान मौत हो गयी, उनके हम लोग आश्रित है. उन्होंने कहा की हम लोगों का नौकरी का उम्र सीमा भी समाप्त हो गई है. आज तक हमसबो को आश्वासन मिलता रहा. हद तो प्रबंधन ने तब कर दिया जब हमारे घर की लाइट, बिजली, पानी भी काट दी गई. उन्होंने समस्त बोकारो वासियो से इस आंदोलन का समर्थन करने का अनुरोध किया है. मौके पर बीएसएल के कई अधिकारी भी पहुंचे है।

संक्षिप्त खबरें

अपर समाहर्ता की अध्यक्षता में पथ निर्माण संबंधित योजनाओं की गई समीक्षा

लोहरदगा/बिभा संवाददाता। अपर समाहर्ता जितेंद्र मुंडा की अध्यक्षता में आज बुधवार को पथ निर्माण से संबंधित योजनाओं की समीक्षा की गई। बैठक में ग्रामीण कार्य प्रमंडल लोहरदगा के द्वारा किये जा रहे मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना शीर्ष 4515 के अंर्तगत कुल 41 प्रगतिशील पथ योजनाओं; ग्राम जुरिया तिगरा से अरकोसा पथ तक पथ निर्माण, कुसुमडीपा से टेलर टाँगर तक, ग्राम चरहु से मेरले पथ का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण आदि, गैर योजना शीर्ष मुख्यमंत्री ग्राम सड़क सुदृढ़ीकरण की 17 योजनाओं (2022-23), वर्ष 2023-24 की 61 योजनाओं, 2024-25 की योजनाओं, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (फेज-3) के अंतर्गत प्रगतिशील पथ योजनाओं, आरसीपीएलडब्ल्यूईए की 5 योजनाओं, आरसीपीएलडब्ल्यूईए ब्रिज (2019-20), आरसीपीएलडब्ल्यूईए ब्रिज (2021-22) और जनजातीय क्षेत्रीय उप योजना (आदिवासी कल्याण) की योजना जिसमें पेशरार में पुंदाग हुसरू पथ पर पुंदाग नदी में उच्च स्तरीय पुल निर्माण (वर्ष 2021-22) की समीक्षा की गई। इसके साथ-साथ राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल अंतर्गत एनएच 143 ए में कुडू-घाघरा पथ के चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण, भूमि अधिग्रहण, एनएच 143 ए में बायपास पथ निर्माण व भूमि अधिग्रहण का कार्य समेत अन्य योजनाओं की समीक्षा की गई। इसके अतिरिक्त ग्रामीण कार्य विशेष प्रमंडल के द्वारा किये जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में सभी संबंधित विभागों के कार्यपालक अभियंता/सहायक अभियंता उपस्थित थे।

अब डॉक्टर, शिक्षक व सेना के जवान भी ले रहे है पीएलवी का प्रशिक्षण

लोहरदगा/बिभा संवाददाता। झालसा, रांची के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने 10 स्पेशल कैटगरी के पीएलवी नियुक्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए थे। जिसके आलोक में 09 आवेदकों का चयन साक्षात्कार के आधार पर हुआ है। जिसमें 02 डॉक्टर, 03 थल सेना के सेवानिवृत जवान, 01 जल सेना के सेवानिवृत जवान, 01 सेवानिवृत शिक्षक और 02 ट्रांसजेंडर शामिल है। वहीं डालसा, सचिव राजेश कुमार ने जानकारी दी कि स्पेशल कैटगरी के पीएलवी चयन के बाद प्रशिक्षण देने की प्रकिया पीडीजे सह अध्यक्ष डालसा, लोहरदगा राजकमल मिश्रा के निर्देशानुसार प्रारंभ कर दी गई है। उन्होंने कहा कि बेहतर समाज के निर्माण के लिए स्पेशल कैटगरी के पीएलवी के कार्य अनुभवों का लाभ लिया जाएगा एवं झालसा, रांची एवं नालसा, नई दिल्ली के दिशा निर्देश के आलोक में प्रशिक्षण के पश्चात कार्य वितरण किए जाएंगे। इसके पूर्व प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय सुभाष, सब जज द्वितीय अर्चना कुमारी और डालसा सचिव राजेश कुमार ने दीप प्रज्वलित कर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रशिक्षण के दौरान डा टी साहू, डा नेहा जॉनी राज, धर्मराज महतो, धनेश्वर उरांव, गोकुल उरांव, संजय कुमार मधुर, किनेश्वर महतो, कृति कुमारी और रानी कुमारी उपस्थित थे।

फसल सुरक्षा योजन अंतर्गत किसान गोष्ठी कार्यक्रम का शुभारंभ

लोहरदगा/बिभा संवाददाता। लोहरदगा जिला के कोकर ग्राम में फसल सुरक्षा योजन अंतर्गत किसान गोष्ठी कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। जिसमें राज्य स्तरीय पदाधिकारी निदेशक समिति झारखंड विकास कुमार उपस्थित रहे साथ में उपनिदेशक समिति अभिषेक तिर्की, केंद्रीय आईपीएम केंद्र की उपनिदेशक प्रीति कुमारी उपस्थिति रही। साथ में जिला कृषि पदाधिकारी लोहरदगा उपनिदेशक आत्मा सभी प्रखंड के BTM एवं एटीएम कोकर ग्राम के किसान उपस्थित रहे किसानों के बीच में फसलों की सुरक्षा के उपाय जैविक खेती के उपयोग के बारे में प्रशिक्षित किया गया। निदेशक के द्वारा योजना संबंधित कृषकों के क्षेत्र का भी भ्रमण किया गया।

डालसा ने व्यवहार न्यायालय में किया प्रभात फेरी कार्यक्रम

खूँटी/बिभा संवाददाता। व्यवहार न्यायालय खूँटी के प्रांगण में बुधवार को 90 दिवसीय आउटरीच कार्यक्रम के तहत डालसा अध्यक्ष रसिकेश कुमार की अगुवाई में विशेष कानूनी जागरूकता कार्यक्रम के साथ प्रभात फेरी कार्यक्रम भी किया गया। साथ ही, डालसा द्वारा 10 नए चयनित पारा स्तरीय स्वयंसेवकों का पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का भी शुभारंभ किया गया। डालसा सचिव राजश्री अपर्णा कुजूर ने प्रभात फेरी में बताया कि यह 90 दिवसीय कार्यक्रम खासकर दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को विधिक कानूनी जागरूकता पहुंचाना एवं निशुल्क सहायता पहुँचना है। इस प्रभात फेरी कार्यक्रम में व्यवहार न्यायालय के सभी न्यायिक पदाधिकारी गण, व्यवहार न्यायालय के सभी कर्मचारी गण विद्वान अधिवक्ता गण, डालसा के पीएलबी एवं अन्य उपस्थित रहे। उपरोक्त जानकारी डीएलएसए सचिव राजश्री अपर्णा कुजूर ने दी।

पशु बाजार का कृषि एवं सहकारिता मंत्री ने किया निरीक्षण

क्षेत्र के किसान अपना अधिकार को ले नहीं पा रहा है : शिल्पी नेहा तिर्की

बिभा संवाददाता

खूंटी। कर्रा प्रखंड अंतर्गत ग्राम जलटंडा का साप्ताहिक बाजार पशु व्यापार के लिए प्रसिद्ध है। वहीं कई बार पशु तश्करी के लिए पशुधन उपलब्धता के नाम पर भी चर्चित रहा है। वहीं बुधवार को जलटंडा पशु बाजार का झारखंड सरकार की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने निरीक्षण किया। मौके पर पशुओं की बिक्री करने का तौर तरीका को देखा। वहीं उन्होंने कहा कि पशुधन कृषकों के लिए सहयोगी होता है किसान पशुओं की सहायता से कृषि कार्य करते हैं। वहीं जलटंडा बाजार गाय, बैल, मवेशी, बकरी आदि की बिक्री का एक अच्छा बाजार है जहाँ कृषकों के लिए लाभकारी सिद्ध होगा। जिसमें पशु व्यापारी करनेवाले को पुलिस तंग नहीं करेगी ऐसा कानून बनाया जाएगा। झारखंड सरकार द्वारा चलाई जा रही है योजनाओं का लाभ इस क्षेत्र के किसान अपने अधिकार को पूरी तरह नहीं ले पा रहा है। क्योंकि क्षेत्र की किसानों में राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का सही जानकारी किसानों को नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा कि अपनी पशुओं को रोड से ले जाना पशु किसानों का एक बहुत बड़ा समस्या है एक बहुत बड़ा समस्या है। किसान यदि अपने मवेशियों को खरीद बिक्री कर रोड से ले जाता है तो प्रशासन इसे किसी प्रकार की छेड़छाड़ ना करें। सरकार द्वारा बहुत जल्द किसानों का खरीद बिक्री के लिए रोड चार्ट का व्यवस्था किया जाएगा ताकि किसान अपना भविष्य को बिक्री और खरीद कर सकते हैं। यह क्षेत्र यह क्षेत्र कृषि बहुत क्षेत्र होने के बावजूद कोल्ड स्टोर नहीं है उसको तत्काल यह सरकार यह सरकार बनवाएगी। उन्होंने कहा कि किसानों का रजिस्ट्रेशन कराया जाएगा जिससे किसान अपने पशुओं का खरीद बिक्री कर सकते हैं। क्षेत्र में मेधा डायरी का संख्या बढ़ाया जाएगा ताकि किसानों अपना दूध उत्पादन मेधा डायरी में बेचकर आत्मनिर्भर बनेंगे।

कृषि मंत्री शिल्पा नेहा तिर्की ने कहा कि झारखण्ड सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य 2300 रुपए हैं उसमें 100 रुपए बोनस के रुप बढ़ा दिए हैं। इस बार हमारे मेनिफेस्टो में हमलोगों ने 3200 रुपए बोले थे उसे लागू करने में समय लगेगा। अभी मेनिफेस्टो को सात आठ दिन में लागू कर दिया जाए तो सरकार सिस्टम से चलती है। अभी नहीं बल्कि बाद में लागू कर दिया जाएगा। मंत्री अपने भाषण के दौरान कहा कि किसान अपने आप सोच को बढ़ावा दें आज पंजाब और अन्य राज्यों का किसानों प्रत्येक वर्ष करोड़ों रुपए कमाते हैं और हमारे क्षेत्र का किसान रोजगार के लिए प्रति बर्ष पलायन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिचौलिया द्वारा हाटों में 15 रुपए धान खरीदारी किया जा रहा है और वहीं बिचौलिया सरकार को 24 रुपए बिक्री कर है। ऐसे बिचौलिया से बच कर रहें और धान अधिप्राप्ति में धान बिक्री करें। इससे पूर्व कर्रा बीडीओ स्मिता नगेशिया द्वारा मंत्री को शोल ओढ़कर और बुके देकर सम्मानित किया। मौके पर बीटीएम स्नेहलता तिग्गा, कर्रा सीएचसी प्रभारी शकील अहमद, प्रदीप कुंडू, प्रदीप कुमार देवघरिया, शोनू अंसारी, परवेज खान, जुरदाग एवं कुदलुम मुखिया के अलावा सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

तस्करी करते दो वाहनों में 78 बोरा में 1079 किग्रा अवैध डोडा पकड़ाया

बिभा संवाददाता

खूँटी। पुलिस ने भारी मात्रा में डोडा तस्करी करते हुए दो वाहनों से भरे डोडा पकड़ा है। घटना खूँटी थाना क्षेत्र के सिलादोन के पास का है। जिसमें रात को दो पिकअप वैन में डोडा तस्करी किया जा रहा था। जिसकी गुप्त सूचना मिलने पर खूँटी पुलिस ने उसका दो वाहनों से पीछा किया। वहीं पुलिस का एक वाहन आगे निकल गया और दूसरा पीछे से पीछा किया। वहीं वाहन चालक तस्कर को भनक लगी तो चलती गाड़ी सेही छलांग लगाकर दोनों वाहन के चालक रात के अंधेरे का लाभ उठाकर फरार हो गये। जिससे वाहन सड़क के किनारे पलट गया। फिर पुलिस ने वाहन को सीधा कर टोचन करके थाना ले आयी। जबकि पुलिस ने किसी को गिरफ्तार नहीं कर पाया। डीएसपी वरुण रजक ने बताया कि रात्रि में पुलिस अधीक्षक, खूंटी को प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस द्वारा छापामारी कर खूंटी थाना अंतर्गत ग्राम चामडीह एवं सिलादोन के बीच अवैध रूप से दो पिकअप वाहन को पीछा किया गया। जिसमें जानकारी मिली कि इन दो पिकअप वैन में डोडा की तस्करी की जा रही है और डोडा से भरे पिकअप वैन खूँटी की ओर से सिलादोन की ओर जा रही है। तभी उसका पीछा किया गया और दोनों वैन को पकड़ लिया गया है। जिसपर लोड कर ले जा रहे 78 बोरा में कुल 1079 किलोग्राम अवैध डोडा को बरामद किया गया जिसका एनसीबी द्वारा अनुमोदित दर के आधार पर मूल्य करीब एक करोड़ एकसठ लाख पच्चासी हजार रुपया है। वहीं वैन के मालिक चालक व तस्करों का पता लगाया जा रहा है।

भाजपा की सदस्यता अभियान को हम सभी महापर्व की तरह मनाएं : सचिन

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। भारतीय जनता पार्टी की नगर बैठक अटल भवन के कार्यशाला में आयोजित किया गया। जिसकी अध्यक्षता भाजपा नगर अध्यक्ष सचिन कुमार साहू ने की जिसमें सदस्यता अभियान को लेकर चर्चा की गई। भारतीय जनता पार्टी के नगर अध्यक्ष सचिन कुमार साहू ने कहा की 22 दिसंबर से 14 जनवरी तक सदस्यता महापर्व बनाने का निर्णय लिया गया है। 22 दिसंबर को सदस्यता महापर्व का विधिवत शुभारंभ होगा और 25 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की जयंती पर विशेष कार्यक्रम आयोजित होंगे। भारतीय जनता पार्टी के जिला उपाध्यक्ष सह जिला सदस्यता अभियान संयोजक अजय पंकज ने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता चुनौतियों को अवसर में बदलने का हुनर जानते हैं। यह सदस्यता महापर्व, पार्टी को मजबूत और संघर्षशील बनाने का अवसर है। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष राजकिशोर महतो ने कहा कि भाजपा का सदस्यता कार्यक्रम अभियान नहीं बल्कि संगठन महापर्व है। भाजपा संगठन महापर्व अन्य पर्व की तरह अपने परिवार के साथ मानती है। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्य समिति ST मोर्चा के सदस्य लक्ष्मी भगत ने कहा कि झारखंड से लोकतंत्र विरोधी, राष्ट्रीय विरोधी, विकास विरोधी ताकतों से लड़ने के लिए भाजपा के संघर्षशील और मजबूत संगठन को निरंतरण गति देनी है। नगर सदस्यता अभियान संयोजक बिंदिया देवी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक परिवार है और हम हर एक परिवार को मजबूती के रूप में देखना चाहते हैं। सत्यम कुमार ने कहा कि सदस्यता अभियान को पूर्ण रूप से सफल बनाने के लिए सभी कार्यकर्ता अपने-अपने क्षेत्रों में पूर्ण रूप से लग जाए और पार्टी को मजबूत बनाएं। अभियान नगर सहसंयोजक अशोक कसकर ने कहा कि इस सदस्यता अभियान को महापर्व की तरह बनाना है। सहसंयोजक सरस्वती देवी ने कहा कि सदस्यता अभियान में सभी को मिलजुल कर कार्यक्रम को सफल बनाना है। मौके पर उपस्थित संजय शर्मा, शंभू ठाकुर, रामलाल उरांव, ज्ञानेश कुमार गुप्ता, आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जन शिकायत समाधान कार्यक्रम देहातों में भी होगा आयोजन : आईजी

बिभा संवाददाता

खूँटी। झारखंड सरकार के मुख्यमंत्री के निर्देश पर पूरे राज्य में पुलिस प्रशासन द्वारा जन शिकायत समाधान कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। जिसके तहत बुधवार को खूँटी में एसपी अमन कुमार के नेतृत्व में जनशिकायत समाधान कार्यक्रम का निरीक्षण करने झारखंड के आईजी अमोल वेणुकांत होमकर खूँटी पहुँचे। इस दौरान खूँटी में जनशिकायत समाधान कार्यक्रम का जायजा लिया। इस दौरान आईजी अमोल वेणुकांत होमकर ने मिडिया से बात करते हुए बताया कि झारखण्ड सरकार के निर्देश पर जनशिकायत समाधान कार्यक्रम चलाया जा रहा है। जिस कार्यक्रम के तहत पुलिस और पब्लिक के बीच बढ़ी दूरियाँ को कम किया जा सके। ये प्रायोजित कार्यक्रम चुनाव से पहले ही राज्य के कई जिलों में कर लिया गया है। लेकिन कई जिलों में होना बाकी है। वहीं आज खूंटी में कार्यक्रम किया गया है वहीं पिछले वर्ष भी जन शिकायत समाधान कार्यक्रम किया गया था जिसपर अच्छी उपलब्धि मिली थी। वहीं ये कार्यक्रम जिला ही नहीं बल्कि देहाती क्षेत्र में जाकर भी आयोजित किया जाएगा।

72 घंटे में गढ़वा पुलिस ने मर्डर केस का किया उद्भेदन

गढ़वा। गोकुलवा खाड जंगल में छोटू भुईयां उर्फ छोटू भगत उम्र करीब 62 वर्ष पिता स्वर्गीय महावीर भुईयां सा भंडार थाना धुरकी जिला गढ़वा की हत्या अज्ञात अपराधकर्मियों के द्वारा धुरकी थाना क्षेत्र के भंडार जंगल में कर दी गई थी,जिसके आलोक में मृतक के बहू राज पतिया देवी उम्र करीब 40 वर्ष पति दरबन भुईयां के लिखित आवेदन के आधार पर धुरकी थाना कांड संख्या-165/24 दिनांक- 13.12.24 धारा-103 (1) बी एन एस के तहत कांड अंकित कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया। पुलिस अधीक्षक गढ़वा के निर्देशानुसार त्वरित कार्रवाई करते हुए थाना प्रभारी उपेन्द्र कुमार के नेतृत्व में छापामारी दल का गठन किया गया। अनुसंधान के क्रम में गुप्तचर एवं आसूचना संकलन से यह बात प्रकाश में आई कि मृतक झाड़ फूंक का काम करता था जिसके कारण उसके पड़ोसी तेतर सिंह एवं अंकित सिंह से उसका दुश्मनी चल रहा था। अनुसंधान के क्रम में तेतर सिंह एवं अंकित सिंह से पूछताछ का प्रयास किया गया परंतु वे दोनों घर से फरार पाए गए।

खूँटी पहुँचे 15 साध्वी जैन संतों का जैन समाज ने किया भव्य स्वागत

बिभा संवाददाता

खूँटी। जैन धर्म के 15 जैन साध्वी बुधवार को खूँटी पहुंचे। जिनका नगर में प्रातः 15 साध्वी जैन संतों के आगमन पर जैन समाज के लोगों द्वारा बाजे गाजे के साथ भव्य स्वागत किया गया। जिन साध्वियों ने मंगलवार की रात्री उलिडीह गाँव में विश्राम की थी। वहीं से पैदल चलकर बुधवार प्रात खूँटी आगमन हुआ। इस दौरान खूंटी नगर के जैन समाज के हर्षित महिला पुरूषों ने तमाड़ मोड़ से बैंड बाजे के साथ साध्वी समूह का स्वागत किया और फिर उन्हें नमन करते हुए नगर में प्रवेश कराया। जहाँ जैन समाज के महिलाओं जयकारा लगाते हुए काफी खुश और गौरवान्वित महसूस कर रहे थे। वहीं पीछे से सजाया हुआ गाड़ी चल रहा था। रास्ते पर जैन समाज के लोग उनका पद प्रक्षालन और आरती कर रहे थे। इसके बाद शोभा यात्रा जैन मंदिर आ कर समाप्त हुई। दोपहर 3 बजे माताजी द्वारा प्रवचन दिया गया। संध्या 6 बजे जैन समाज के लोगों द्वारा माताजी का आरती किया गया और रात्रि में छोटे बच्चों द्वारा धार्मिक नाटक प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में जैन समाज के अध्यक्ष शेखर चंद जैन उपाध्यक्ष श्रीपाल चंद जैन सचिव रमेश जैन सह सचिव प्रकाश जैन, कोषाध्यक्ष अरविंद जैन लगे हुए हैं।

मुरहू के कुड़की और मारंगहादा में अफीम फसल विनष्ट

खूँटी। जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में पुलिस पदाधिकारियों द्वारा अफीम फसल विनष्टीकरण अभियान के दौरान मंगलवार को कुल 21 एकड़ भूमि पर लगे फसल को विनष्ट किया गया। जिसमें मुरहू थाना के कुड़की में 5 एकड़, अड़की थाना के सोनपुर में 2 एकड़ एवं ग़सर सेल्दा में 4 एकड़, में साइको थाना के उबरू 2 एकड़, मारंगहादा के गड़ीगाँव में 8 एकड़ में अवैध अफ़ीम के फसल को विनष्ट किया गया।

चौकीदार नियुक्ति दौड़ प्रक्रिया में 450 अभ्यर्थियों ने लिया भाग

बिभा संवाददाता

खूँटी। चौकीदार नियुक्ति प्रक्रिया के तहत बुधवार को बिरसा महाविद्यालय के फुटबॉल स्टेडियम में दौड़ प्रक्रिया पूरा किया गया। जिसमें खूँटी जिले के रनिया तोरपा मुरहू कर्रा आदि सभी प्रखंड क्षेत्रों से अभ्यर्थी सुबह छह बजे पहुँच गये थे। इस दौरान कई महिलाएँ अपने नन्हे बच्चे को भी गोद में उठाए इस बहाली प्रक्रिया में भाग लेने पहुंची थी। वहीं इस आयोजन को लेकर कड़ाके की ठंड में पदाधिकारी साढ़े चार बजे सुबह से मैदान में डटे रहे। वहीं कर्मचारी व अधिकारीगण पाँच पुड़ियाँ खाकर अभ्यर्थियों का चयन प्रक्रिया में सेवा देते रहे। ताकि लड़के व लड़की अभ्यर्थियों का सही परीक्षा ले सकें। जिसमें कागजात जाँच के बाद सभी का ऊँचाई माप लिया गया फिर मैदान में बारी बारी से दौड़ प्रक्रिया पूरा कराया गया। इस दौड़ प्रक्रिया में 450 से अधिक उम्मीदवारों ने भाग लिया। दौड़ के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसका विशेष ख्याल रखा गया। मौके पर प्रतिनियुक्त मजिस्ट्रेट, पुलिस पदाधिकारी एवं कोच द्वारा उत्तरदायित्व पूर्व अपने कार्यों का निर्वहन कर सफलता पूर्वक दौड़ प्रक्रिया को सम्पन्न कराया।

जन शिकायत समाधान कार्यक्रम में 38 लोगों ने कराया शिकायत दर्ज

बिभा संवाददाता

खूंटी। नागरिकों की शिकायतों का त्वरित एवं प्रभावी निवारण सुनिश्चित करने तथा पुलिस और नागरिकों के बीच मौजूद अविश्वास और दूरी को समाप्त करने के उद्देश्य से बुधवार को झारखंड पुलिस खूँटी के द्वारा जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन नगर भवन के सभागार में किया गया। कार्यक्रम में 38 लोगों ने अपनी समस्याओं एवं शिकायतों को पुलिस अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अमन कुमार उपस्थित रहे और लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों का उद्देश्य नागरिकों की समस्याओं को समझकर उनका समाधान करना और पुलिस एवं आम जनता के बीच विश्वास का पुल तैयार करना है। कार्यक्रम में प्राप्त शिकायतों को संबंधित विभागों और अधिकारियों को तुरंत निर्देशित किया गया, और कई मामलों का निपटारा मौके पर ही कर दिया गया। जिन मामलों को तत्काल हल नहीं किया जा सका, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर आगे की कार्यवाही हेतु दर्ज किया गया। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक के द्वारा कई प्रमुख विषयों पर चर्चा एवं आवश्यक जानकारी आमजनों को दी गई। इनमें मुख्य रूप से गुमशुदा बच्चों एवं महिला सुरक्षा संबंधी कानून, पीड़ितों को मुआवजा, नए आपराधिक कानून के अन्तर्गत जीरो एफ.आई.आर एवं ऑनलाइन एफ.आई.आर. प्रणाली, डायल 112 तथा 1930 (साइबर फ्रॉड) एस.सी / एस.टी. अत्याचार निवारण अधिनियम, संपत्ति मूलक अपराध, साइबर अपराधियों द्वारा ठगी के तरीके, मानव तस्करी, नशीले पदार्थों का सेवन बिक्री की रोकथाम आदि के बारे में चर्चा कर आवश्यक जानकारी दी गई। इस दौरान नागरिकों ने पुलिस की इस पहल की सराहना की और कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से जनता और पुलिस के बीच संबंधों में सुधार आएगा। कार्यक्रम के अंत में पुलिस अधीक्षक ने सभी नागरिकों को आश्वासन दिया कि उनकी शिकायतों को गंभीरता से लिया जाएगा और त्वरित समाधान प्रदान किया जाएगा। मौके पर मुख्य रूप से अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलीस पदाधिकारी, डीएसपी मुख्यालय, सभी थाना प्रभारी एवं अन्य सम्बंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

कश्मीर बना झारखंड का दो शहर, पारा 2 डिग्री के नीचे

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड में शीतलहर ने आम जन-जीवन पर व्यापक असर डाला है. सोमवार को मैक्लुस्कीगंज और कांके का तापमान शिमला से भी कम रहा. मैक्लुस्कीगंज का तापमान 1.8 डिग्री तक पहुंच गया तो वहीं कांके का तापमान 2.1 डिग्री रहा. दूसरी ओर शिमला का तापमान 3 डिग्री और जम्मू का तापमान 10 डिग्री दर्ज किया गया है. बुधवार के मौसम की बात करें तो आज भी शीतलहर का कहर जारी रहेगा। रांची मौसम केंद्र के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया, फिलहाल कड़ाके की ठंड देखने को मिल रही है और रांची में तो बीते 24 घंटे में 6 डिग्री न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया है. बुधवार को ये तापमान 4-5 डिग्री तक जा सकता है. कांके का तापमान 2 डिग्री से भी नीचे की संभावना है. सुबह में घना कोहरा देखने को मिलेगा. शीतलहर को लेकर अलर्ट भी जारी किया गया है. इस समय लोग खास सचेत होकर रहें। मौसम केंद्र के अनुसार, फिलहाल नेतरहाट और मैक्लुस्कीगंज में कड़ाके की ठंड है. यहां पर न्यूनतम तापमान 2 डिग्री तक जा चुका है. आज भी इसी के आसपास रहने की संभावना है. अन्य जिलों में भी न्यूनतम तापमान 5 से 8 डिग्री रहने की संभावना है।

किसान आंदोलन : शरू हो चुकी है एकजुट होने की कवायद

निर्मल रानी

पंजाब व हरियाणा के भी कई किसान संगठन, व्यापक किसान एकता की बात जोर शोर से करने लगे हैं। देर से ही सही परन्तु किसान नेताओं को अब यह समझ आने लगा है कि केंद्र सरकार 2020-21 के संगठित किसानों के आंदोलन को कमजोर व बदनाम करने के लिये कौन से हथकंडे नहीं अपना रही थी?

पंजाब- हरियाणा की सीमाओं पर चलने वाला किसान आंदोलन धीरे धीरे और गंभीर रूप धारण करता जा रहा है। क्योंकि हरियाणा की सीमा खनौरी में गत 24 दिन से आमरण अनशन कर रहे संयुक्त किसान मोर्चा (एनपी) के नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल का स्वास्थ्य लगातार गिरता जा रहा है। किसान नेता के स्वास्थ की देखरेख में लगे डॉक्टर्स उनकी सेहत को लेकर बेहद चिंतित हैं। डल्लेवाल 80 साल की उम्र में इतने दिनों से आमरण अनशन पर बैठे हैं। उनकी देखभाल में लगे डॉक्टर्स के अनुसार पहले से ही कैंसर रोग से पीड़ित डल्लेवाल के लिवर व किडनी को इस अनशन के कारण काफी नुकसान पहुँच चुका है। उनकी किडनी व लीवर की स्थिति काफी नाजुक होती जा रही है। गौरतलब है कि इसी वर्ष 13 फरवरी को पंजाब के किसान अपनी उन मांगों को पूरी करने के वादों को याद दिलाने के लिये दिल्ली जाना चाह रहे थे जो कि मोदी सरकार द्वारा तीन विवादित कृषि कानून वापस लेते समय सरकार द्वारा मानी गयी थीं। परन्तु हरियाणा सरकार ने उन्हें पंजाब सीमा से आगे बढ़कर दिल्ली पहुँचने से रोक दिया। तभी से यह किसान पंजाब-हरियाणा की खनौरी व शम्भू सीमाओं पर डटे हुये हैं और बीच बीच में दिल्ली जाने का प्रयास भी करते रहे हैं।

काबिल-ए-गौर है कि जब एक वर्ष से भी लंबे समय तक चले संयुक्त किसान मोर्चा के आंदोलन ने नवंबर 2021 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसे कभी 'न झुकने' की छवि बनाने वाले नेता को तीन विवादित कृषि कानून वापस लेने के लिये मजबूर कर दिया था उस समय देश के किसानों के अधिकांश संगठन एकजुट थे। और इसी किसान एकता ने केंद्र सरकार को घुटने टेकने के लिये मजबूर कर दिया था। परन्तु उस समय भी कृषि कानून वापस लेने की घोषणा करते समय प्रधानमंत्री मोदी यह कहने से चूके थे कि-' हमारी सरकार किसानों के कल्याण के लिए देश के कृषि जगत के हित में, गांव, गरीब के हित में पूर्ण समर्थन भाव से, नेक नियत से ये कानून लेकर आई थी। लेकिन इतनी पवित्र बात, पूर्ण रूप से किसानों के हित की बात हम कुछ किसानों को समझा नहीं पाए। शायद हमारी तपस्या में कमी रही। भले ही किसानों का एक वर्ग इसका विरोध कर रहा था। हमने बातचीत का प्रयास किया। ये मामला सुप्रीम कोर्ट में भी गया। हमने कृषि कानूनों को वापस लेने का फैसला

किया। ₹ यह बात मोदी ने तब कही थी जब कि उस समय देश के अधिकांश छोटे बड़े किसान व उनके अधिकांश संगठन एकजुट थे। परन्तु याद कीजिये उस समय भी सरकार ने अपने समर्थन में कई ऐसे संगठनों के नाम बता दिए थे जिनका नाम पहले न तो कभी सुना गया न ही वे संगठन अस्तित्व में थे। यानी फर्जी संगठनों को किसान संगठन बता कर किसानों में फूट डालने की कोशिश 2020-21 के किसान आंदोलन के समय भी की गयी थी।

परन्तु अब 13 फरवरी 24 से किसानों द्वारा शुरू किया गया आंदोलन जिसे कि शुरू से ही संयुक्त किसान मोर्चा से पूर्व में जुड़े सभी किसान संगठनों का समर्थन हासिल नहीं है, वह सिर्फ इसी आपसी फूट के चलते लंबा खिंचता जा रहा है। यहाँ तक कि आमरण अनशन पर बैठे 80 वर्षीय किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल का जीवन भी संकट में पड़ गया है। उधर सरकार तमाशाई बनी बैठी है तथा किसानों की आपसी फूट को देखते हुये आंदोलन को तब तक खींचे रखना चाहती है जब तक किसान थक हार कर आंदोलन समाप्त न कर दें या इनमें और अधिक फूट न पड़ जाये। मगर जगजीत सिंह डल्लेवाल के अनशन का सरकार पर असर पड़े या न पड़े लेकिन किसान संगठनों व विपक्षी नेताओं पर इसका प्रभाव पड़ता जरूर दिखाई देने लगा है। जहां विभिन्न विपक्षी राजनैतिक दलों के नेता खनौरी स्थित डल्लेवाल के अनशन स्थल पर उनका स्वास्थ समाचार लेने बड़ी संख्या में पहुँचने लगे हैं वहीँ संयुक्त किसान मोर्चा के विभिन्न धड़ों में भी हलचल तेज हो चुकी है। एस के एम के कई महत्वपूर्ण घटकों से किसान एकता के स्वर उठने शुरू हो चुके हैं।

इनमें सबसे महत्वपूर्ण बयान किसान नेता राकेश टिकैत की ओर से आया है। पत्रकारों से बातचीत करते हुये टिकैत ने कहा है कि-' किसान यदि अलग-अलग चलेंगे तो लुटेंगे। हमें एकजुट रहना होगा। 10 महीने पहले जब आंदोलन शुरू हुआ हमने सबको कहा कि संयुक्त किसान मोर्चा और सब इकट्ठा हो जाएं। दिल्ली की कॉल अलग-अलग मत दें। जब तक इकट्ठा नहीं होंगे तब तक दिल्ली से दूर रहना चाहिए। हमें जगजीत सिंह डल्लेवाल की चिंता है। हम प्रदर्शनकारियों के साथ हैं। " राकेश टिकैत ने कहा है कि सरकार को जल्द ही बात करनी चाहिए। बात सरकार को करना है, नफा नुक़्सान सरकार को देखना है। दिल्ली की तैयारी करनी है तो सभी लोगों को इकट्ठा होना होगा। सभी मोर्चे को इकट्ठा होकर बातचीत करनी चाहिए। गौरतलब है कि धरने पर बैठे किसानों ने संयुक्त किसान मोर्चा को आंदोलन को सहयोग व समर्थन देने सम्बन्धी चिट्ठी भी लिखी है।

पंजाब व हरियाणा के भी कई किसान संगठन, व्यापक किसान एकता की बात जोर शोर से करने लगे हैं। देर से ही सही परन्तु किसान नेताओं को अब यह समझ आने लगा है कि केंद्र सरकार 2020-21 के संगठित किसानों के आंदोलन को कमजोर व बदनाम करने के लिये कौन से हथकंडे नहीं अपना रही थी? फर्जी किसान संगठनों को खड़ा करने से लेकर किसान आंदोलन को बदनाम करने तक के लिए सरकार द्वारा कौन कौन से प्रोपेगण्डे नहीं किये गये? इन्हें आन्दोलनजीवी, खालिस्तानी, देशद्रोही न जाने क्या क्या कहा गया? आंदोलन के चरित्र पर सवाल खड़े किये गये। परन्तु इन सब आरोपों के बावजूद सरकार को इन्हीं तथाकथित 'आन्दोलनजीवी, खालिस्तानी व देशद्रोही' किसानों की मांगों के आगे घुटने भी टेकने पड़े। और स्वयं प्रधानमंत्री को सामने आकर कृषि कानून वापस लेने की घोषणा करते समय किसानों को संबोधित करना पड़ा। इसका कारण केवल एक था और वह था संयुक्त किसान मोर्चा के संयुक्त तत्वावधान में चलने वाला ऐतिहासिक किसान आंदोलन। अब डल्लेवाल के अनशन व 18 दिसंबर को किसानों द्वारा पंजाब में आहूत रेल रोको आंदोलन के बाद ऐसा लगता है कि किसान संगठनों के एकजुट होने की कवायद फिर से शुरू हो चुकी है।

संपादकीय

सदन में निरर्थक चर्चा

देश में संविधान के 75 वर्ष पूरे होने पर संसद के दोनों सदनों में सत्तारुढ़- गठबंधन और विपक्ष के बीच एक बार फिर टकराव, तीखी बहस और एक बार फिर टकराव देखने को मिला। इस ऐतिहासिक अवसर पर यदि दोनों पक्ष चाहते तो संविधान और उसके महत्त्व पर एक सार्थक बात हो सकती थी, लेकिन दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हुआ। विडंबना देखिए कि सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों संविधान की सर्वोच्चता में विश्वास प्रकट करते हैं, लेकिन दोनों ही उसे कमजोर करने का एक दूसरे पर आरोप लगाते रहे। लोक सभा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और सत्ता पक्ष के दूसरे नेताओं ने संविधान के प्रति पूरी निष्ठा प्रदर्शित की और कांग्रेस पार्टी पर संविधान को कुचलने और कमजोर करने का आरोप लगाया जबकि दूसरी ओर राहुल गांधी ने भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी पर संविधान, लोकतंत्र और संवैधानिक मूल्यों की अनदेखी का आरोप लगाया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में संविधान अनुच्छेद 370 सहित समान नागरिक कानून संहिता आदि मुद्दों पर चर्चा करते हुए गांधी परिवार को निशाना बनाया और पंडित जवाहरलाल नेहरू से लेकर समिति इंदिरा गांधी तक को संविधान पर कुठाराघात करने के लिए कठघरे में खड़ा किया। राज्य सभा में भी संविधान पर बहस के दौरान इसी तरह का दृश्य नजर आया। राज्य सभा में चर्चा के दौरान केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन के बीच तीखी बहस हुई। लोक सभा और राज्य सभा दोनों सदनों में वक्ताओं ने अपनी बात रखते हुए इतिहास और अतीत के पात्रों का सहारा लिया। जाहिर है ऐसे संवादों से प्रचारगत रणनीति का पलड़ा भले भारी हो सकता है, लेकिन इससे संविधान और लोकतंत्र का भला नहीं हो सकता। लोकतंत्र में संविधान एक ऐसा महत्त्वपूर्ण दस्तावेज है जो नागरिकों के अधिकारों का रक्षक माना जाता है। संविधान के इन 75 साल के इतिहास में कई अवसर ऐसे भी आए हैं जब अपनी कुर्सी और सत्ता के लिए इसका बेजा इस्तेमाल करने की कोशिश की। इंदिरा गांधी द्वारा 1975 में आपातकाल थोपना और उसके बाद संविधान का 42 वां संशोधन ऐसा ही अधिनायकवादी कृत्य था। बहस तो इस बात पर होनी चाहिए थी कि देश के गरीब नागरिकों को न्याय कैसे मिले, प्रशासनिक तंत्र को इतना पारदर्शी और न्यायपूर्ण कैसे बनाया जाए कि गरीब और अमीर के बीच भेद-भाव समाप्त हो। कहा जा सकता है कि संसद में संविधान पर चर्चा निरर्थक साबित हुई?

चिंतन-मनन

नदी और सागर

सुखदेव ऋषि के आश्रम में कई शिष्य रहते थे। उनमें अनुज नामक शिष्य काफी तेज था। धीरे-धीरे वह स्वयं को अन्य शिष्यों से श्रेष्ठ मानकर दूसरों को हीन समझने लगा। ऋषि उसके अंदर छिपे अहं को समझ गए और उसे एक दिन अपने साथ एक सागर के पास ले गए। विशालकाय सागर अत्यंत आकर्षक दिख रहा था। उसकी लहरें जब अठखेलियां करतीं तो मन प्रसन्न हो जाता। ऋषि ने अनुज से सागर का पानी पीने के लिए कहा। अनुज ने जैसे ही पानी मुंह में डाला, वैसे ही उसने बुरा सा मुंह बनाकर पानी बाहर निकाल दिया और बोला, गुरुजी, यह पानी तो खारा है। मेरा मुंह का स्वाद कसैला हो गया।

ऋषि उसकी बात सुनकर मुस्कराए। वह उसे अपने साथ लेकर आगे बढ़ते रहे। आगे एक छोटी सी नदी आई। नदी का जल शांत था। ऋषि ने अनुज से नदी का जल पीने के लिए कहा। अनुज ने जैसे ही जल मुंह में डाला, वैसे ही उसके मन को अत्यंत तृप्ति मिली। वह बोला, गुरुजी, नदी के जल ने मुंह का स्वाद बढ़ा दिया है। इतना ठंडा और मीठा जल बहुत कम देखने को मिलता है, जबकि इतने बड़े सागर का पानी एकदम खारा था।

उसके ऐसा ही कहते ही ऋषि बोले, पुत्र, देखा तुमने, छोटे-बडे से कुछ नहीं होता। हर व्यक्ति को अपने व्यवहार और सद्कार्यों से अपने लिए जगह बनानी पड़ती है। तुमने सागर के अहं को देखा। वह सब कुछ अपने में ही भरे रहता है। लेकिन इसका जल खारा होता है। जबकि छोटी सी नदी जो पाती है उसका अधिकांश बांटती है, इसलिए उसके जल में मिठास है।

व्यक्ति को बड़े होने पर भी अहं को अपने पास नहीं फटकने देना चाहिए अन्यथा उसका हाल भी सागर की तरह ही होता है। मेरे विचार में तुम मेरी बातों का अर्थ अच्छी तरह समझ गए हो। अनुज को अपनी गलती का अहसास हो गया। उसने अपने भीतर से अपना अहं निकाल फेंका।

भारत में दान करने की प्रथा से गरीब वर्ग का होता है कल्याण

प्रहलाद सबनानी

भारत में हिंदू सनातन संस्कृति के संस्कारों में दान दक्षिणा की प्रथा का अलग ही महत्व है। भारत में विभिन्न त्यौहारों एवं महापुरुषों के जन्म दिवस पर मठों मंदिरों, गुरुद्वारों एवं अन्य पूजा स्थलों पर समाज के सम्पन्न नागरिकों द्वारा दान करने की प्रथा अति प्राचीन एवं सामान्य प्रक्रिया है। गरीब वर्ग की मदद करना ईश्वर की सबसे बड़ी सेवा माना जाता है। समाज में आपस में मिल बांटकर खाने पीने की प्रथा भी भारत में ही पाई जाती है और यह प्रथा भारतीय समाज में बहुत आम है। परिवार में आई किसी भी खुशी की घटना को समाज में विभिन्न वर्गों के बीच आपस में बांटने की प्रथा भी भारत में ही पाई जाती है। इस उपलक्ष में कई बार तो बहुत बड़े स्तर पर सामाजिक एवं धार्मिक आयोजन भी किए जाते हैं। जैसे जन्म दिवस मनाना, परिवार में शादी के समारोह के पश्चात समाज में नाते रिश्तेदारों, दोस्तों एवं मिलने वालों को विशेष आयोजनों में आमंत्रित करना, आदि बहुत ही सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा हैं। एक अनुमान के अनुसार भारत के विभिन्न मठों, मंदिरों, गुरुद्वारों एवं अन्य पूजा स्थलों पर प्रतिदिन 10 करोड़ से अधिक नागरिकों को प्रसादी के रूप में भोजन वितरित किया जाता है।

साथ ही, पूरी दुनिया में भारत ही एक ऐसा देश है, जिसमें निवासरत नागरिक, चाहे वह कितना भी गरीब से गरीब क्यों न हो, अपनी कमाई में से कुछ राशि का दान तो जरूर करता है। भारतीय शास्त्रों में वर्णन मिलता है कि हिंदू सनातन संस्कृति के अनुरूप, महर्षि दधीच ने तो, देवताओं को असुरों पर विजय प्राप्त करने के उद्देश्य से, अपने शरीर को ही दान में दे दिया था, जिसे इतिहास में उच्चत्तम बलिदान की संज्ञा भी दी जाती है।

आज के युग में जब अर्थ को अत्यधिक महत्व प्रदान किया जा रहा है, तब अधिक से अधिक धनराशि का दान करना ही शुभ कार्य माना जा रहा है। इस दृष्टि से वैश्विक स्तर पर नजर डालने पर ध्यान में आता है कि दुनिया में सबसे बड़े दानदाता के रूप में आज भारत के टाटा उद्योग समूह के श्री रतन टाटा का नाम सबसे ऊपर उभर कर सामने आता है। इस सूची में टाटा समूह के संस्थापक श्री जमशेदजी टाटा का नाम भी बहुत सम्मान के साथ लिया जाता है, जिन्होंने अपने जीवन में शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में 8.29 लाख करोड़ रुपए की राशि का महादान किया था। इसी प्रकार, श्री रतन टाटा के नेतृत्व में टाटा समूह ने वर्ष 2021 तक 8.59 लाख करोड़ रुपए की राशि का महादान किया था। आप अपनी कमाई का बहुत बड़ा हिस्सा गरीब वर्ग की सहायतार्थ दान में दे देते थे। श्री रतन टाटा केवल भारत स्थित संस्थानों को ही दान नहीं देते थे बल्कि वैश्विक स्तर पर समाज की भलाई के लिए कार्य कर रहे संस्थानों को भी दान की राशि उपलब्ध कराते थे। आपने वर्ष 2008 के महामंदी के दौरान अमेरिका स्थित कार्नेल विश्वविद्यालय को 5 करोड़ अमेरिकी डॉलर का दान प्रदान किया था। श्री रतन टाटा ने आर्थिक समस्याओं से जूझ रहे छात्रों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जे. एन. टाटा एंडाउमेंट, सर रतन टाटा स्कॉलर्शिप एवं टाटा स्कॉलर्शिप की स्थापना कर दी थी। श्री रतन टाटा चूंकि अपनी कमाई का बहुत बड़ा भाग दान में दे देते थे, अतः उनका नाम कभी भी अमीरों की सूची में बहुत ऊपर उठकर नहीं आ पाया। इस सूची में आप सदैव नीचे ही बने रहे। श्री रतन टाटा जी के बारे में कहा जाता है कि उन्होंने अपने जीवन काल में इतनी बड़ी राशि का दान किया था कि आज विश्व के 2766 अरबपतियों के पास इतनी सम्पत्ति भी नहीं है।

यूं तो टाटा समूह ने भारत राष्ट्र के निर्माण में बहुत ही अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, परंतु कोरोना महामारी के खंडकाल में श्री रतन टाटा के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। जिस समय पूरा विश्व कोरोना महामारी से जूझ रहा था, उस समय श्री रतन टाटा ने न केवल भारत बल्कि विश्व के कई अन्य देशों को भी आर्थिक सहायता के साथ साथ वेंटिलेटर, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) किट, मास्क और दस्ताने आदि सामग्री उपलब्ध कराई। श्री रतन टाटा के निर्देशन में टाटा समूह ने इस खंडकाल में 1000 से अधिक वेंटिलेटर और रेस्पिरेटर, 4 लाख पीपीई किट, 35 लाख मास्क और दास्ताने और 3.50 लाख परीक्षण किट चीन, दक्षिणी कोरिया आदि देशों से भी आयात के भारत में उपलब्ध कराए थे।

श्री रतन टाटा के पूर्वज पारसी समुदाय से थे और ईरान से आकर भारत में रच बस गए थे। श्री रतन टाटा ने न केवल भारतीय हिंदू सनातन संस्कृति के संस्कारों को अपने जीवन में उतारा, बल्कि इन संस्कारों का अपने पूरे जीवनकाल में अक्षरशः अनुपालन भी किया। इन्हीं संस्कारों के चलते श्री रतन टाटा को आज पूरे विश्व में सबसे बड़े दानदाता के रूप में जाना जा रहा है।

टाटा समूह का वर्णन तो यहां केवल उदाहरण के रूप में किया जा रहा है। अन्यथा, भारत में ऐसे कई औद्योगिक घराने हैं जिन्होंने अपनी पूरी संपत्ति को ही ट्रस्ट के माध्यम से समाज के उत्थान एवं समाज की भलाई के लिए दान में दे दिया है। प्राचीन भारत में यह कार्य राजा महाराजाओं द्वारा किया जाता रहा हैं। हिंदू सनातन संस्कृति के विभिन्न शास्त्रों में यह वर्णन मिलता है कि ईश्वर ने जिसको सम्पन्न बनाया है, उसे समाज में गरीब वर्ग की भलाई के लिए कार्य करना चाहिए। यह सहायता गरीब वर्ग को सीधे ही उपलब्ध कराई जा सकती है अथवा ट्रस्ट की स्थापना कर भी गरीब वर्ग की मदद की जा सकती है। वर्तमान में तो निगमित सामाजिक दायित्व (सी एस आर - कोरपोरेट सोशल रेस्पॉन्सिबिलिटी) के सम्बंध में कानून की बना दिया गया है। जिन कम्पनियों की सम्पत्ति 500 करोड़ रुपए से अधिक है अथवा जिन कम्पनियों का वार्षिक व्यापार 1000 करोड़ रुपए से अधिक है अथवा जिन

कम्पनियों का वार्षिक शुद्ध लाभ 5 करोड़ से अधिक है, उन्हें इस कानून के अंतर्गत अपने वार्षिक शुद्ध लाभ के दो प्रतिशत की राशि का उपयोग समाज की भलाई के लिए चलाई जा रही परियोजनाओं पर खर्च करना आवश्यक होता है। इन विभिन्न मदों पर खर्च की जाने वाली राशि का प्रतिवर्ष अंकेक्षण भी कराना होता है, ताकि यह जानकारी प्राप्त की जा सके राशि का सदुपयोग समाज की भलाई के लिए किया गया है एवं इस राशि का किसी भी प्रकार से दुरुपयोग नहीं हुआ है।

भारत में गरीब वर्ग/परिवारों को गरीबी रेखा से ऊपर लाने में समाज में सम्पन्न वर्ग द्वारा किए जाने वाले दान आदि की राशि से भी बहुत मदद मिलती है। निगमित सामाजिक दायित्व (सी एस आर) योजना के अंतर्गत चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का सीधा लाभ भी समाज के गरीब वर्ग को ही मिलता है। अतः विश्व में शायद भारत ही एक ऐसा देश है जहां सरकार एवं समाज मिलकर गरीब वर्ग की भलाई हेतु कार्य करते हुए दिखाई देते हैं। इसीलिए ही अब यह कहा जा रहा है कि हिंदू सनातन संस्कृति का विस्तार यदि वैश्विक स्तर पर होता है तो, इससे पूरे विश्व का ही कल्याण हो सकता है एवं बहुत सम्भव है कि वैश्विक स्तर पर गरीबी का नाश होकर चहुं ओर खुशहाली फैलती दिखाई दे।

(सेवा निवृत्त उप महाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक)

एक देश एक चुनाव : दलगत राजनीति से उठें सियासी दल

अखिलेश आर्येन्दु

केंद्र सरकार की तरफ से कानून मंत्री अर्जुनदेव मेघवाल ने बहुप्रतीक्षित बिल एक देश एक चुनाव को लोक सभा में 17 दिसम्बर को पेश किया, लेकिन विपक्षी दलों के विरोध के चलते हो हंगामा हुआ। इसी के बीच इसकी चर्चा और पारित किए जाने को लेकर मतदान कराया गया। मतदान में बिल के पक्ष में 269 और विपक्ष में 198 मत पड़े। बिल को जेपीसी के पास भेज दिया गया है।

यह पहली बार है जब किसी बिल पर विपक्ष के विरोध की वजह से मत विभाजन कराया गया। विपक्ष इससे संविधान पर असर पड़ने की बात कर रहा है तो सरकार इस आशंका को निराधार बता रही है, लेकिन इतना तो इस बार हुआ कि विपक्ष की एक जुटना की वजह से सरकार ने इसे जेपीसी को भेजा, लेकिन सवाल यह है कि क्या वाकई में इससे संविधान पर असर पड़ेगा या यह विपक्ष का महज प्रोपोगंडा भर है। दो माह पहले केंद्रीय मंत्रिमंडल के जरिए 'एक राष्ट्र एक चुनाव' (ओएनओपी) को मंजूरी दिए जाने पर तमाम राजनीतिक दलों और राजनीति के जानकारों की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं आई थीं, लेकिन ज्यादातर लोगों ने निहित स्वार्थ से ऊपर उठकर इसका खैरमकदम किया। इस साल आम चुनाव में भाजपा ने ओएनओपी की प्रणाली चुनाव जीतने के बाद लागू करने का वादा किया था। यह उसी वादे को इस दिशा में अगला कदम है।

जानकारों का मानना है कि रिपोर्ट में लिखी गई बातें, सिफारिशें और नियम सभी राष्ट्र को मजबूत और विकसित राष्ट्र बनाने के अनुरूप हैं। हालांकि कुछ पार्टियां या बुद्धिजीवी कहे जाने वाले लोग इसे महज भाजपा का एक ध्यान हटाने का एजेंडा कह रहे हैं। यह उनकी सतही सोच का परिणाम ज्यादा लगता है। हकीकत से बहुत दूर। दरअसल, जब देशहित में कोई निर्णय केंद्र सरकार लेती है तो उस निर्णय का भविष्य में होने वाले सभी क्षेत्रों पर असर और समाज पर पड़ने वाले सकारात्मक और नकारात्मक असर पर भी गौर करती है। विपक्ष को यह नही भूलना चाहिए कि सबसे पहले देश है फिर कोई दल या मजहब। जो लोग ओएनओपी को विकास का मिशन बता रहे हैं उनके तर्क को भी बगैर दुराग्रह-आग्रह के समझा जाना चाहिए। तभी तो सोच और चिंतन निष्पक्ष माने जाएंगे। एक सकारात्मक तर्क इसके पक्ष में यह भी दिया जा रहा है कि इससे प्रशासनिक दक्षता बढ़ेगी और मतदान का प्रतिशत बढ़ सकता है, जो लोकतंत्र की मजबूती के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है। मिसाल के तोर पर चुनाव आयोग की रिपोर्ट बताती है कि 2019 के चुनावों के दौरान तकरीबन 60 हजार करोड़ रुपए की हैरान करने वाली राशि का उपयोग किया गया था। इसमें चुनावी प्रक्रिया में हिस्सा लेने वाली राजनीतिक पार्टियों के जरिए वहन की गई लागत और चुनावों के आयोजन में भारत के चुनाव आयोग का खर्च शामिल है। इसके अलावा सुरक्षाकर्मियों की बार-बार तैनाती और स्थानांतरण से जुड़ी पर्याप्त और जाहिर लागतें हैं। ओएनओपी ऐसा दूरगामी देश नवनिर्माण का मिशन होगा जिससे साल भर चलने वाले चुनावों से तकरीबन छुटकारा मिल जाएगा। जाहिर तौर पर बार-बार के चुनाव से जहां विकास और प्रगति में जबरदस्त रुकावट आती है वहीं पर धन-जन-संसाधनों की बेतहाशा बबार्दी को रोकने में मदद मिलेगी। चुनाव आयोग के पूर्व आयुक्त ओपी रावत कुछ सुझाव देते हैं। वे सरकार को इसके लिए चार काम करने की बात कहते हैं, जिसमें संविधान के उन अनुच्छेदों में संशोधन जरूरी होगा, विधान सभाओं के कार्यकाल और राष्ट्रपति शासन लगाने के प्रावधानों को बदलना होगा। निर्वाचन आयोग के मुताबिक जन प्रतिनिधित्व कानून और सदन में अविश्वास प्रस्ताव को लाने के नियमों को बदलना होगा। इसके लिए अविश्वास प्रस्ताव की जगह रचनात्मक विश्वास प्रस्ताव की व्यवस्था करनी होगी। यानी अविश्वास प्रस्ताव के साथ यह भी बताना होगा कि किसी सरकार को हटाकर कौन सी नई सरकार बनाई जाए, जिसमें सदन को विश्वास हो ताकि पुरानी सरकार गिरने के बाद नई सरकार के साथ विधान सभा या लोक सभा का कार्यकाल पांच साल तक चल सके। ऐसे भी सवाल उठाए जा रहे हैं कि इसके लागू होने के बाद केंद्र और राज्य सरकारों के बीच टकराहट बढ़ जाएगी। लोक सभा के पूर्व महासचिव पीडीटी आचारी का मानना है

कि एक देश एक चुनाव का मुद्दा व्यावहारिक नहीं है क्योंकि इसके लिए जरूरी है कि देश की सभी विधान सभाएं एक साथ भंग हों, जो संभव ही नहीं है।

वहीं पर पूर्व मुख्य चुनाव अयुक्त एस.वाई. कुरैशी का मानना है कि एक साथ चुनाव कराने का मतलब है आपको स्थानीय निकायों के चुनाव भी साथ कराने होंगे। ऐसे में जनता एक बार बटन दबाए या तीन बार दबाए, इससे ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। सवाल यह भी उठाया जा रहा है कि राज्य में चुनाव के बाद किसी एक दल या गठबंधन को बहुमत न मिले तो ऐसे हालात में राजनीतिक अस्थिरता खड़ी हो सकती है। ऐसे तमाम मुद्दों को लेकर एक राष्ट्र एक चुनाव पर सवाल किए जा रहे हैं। देखना यह है कि केंद्र सरकार ऐसा कौन सा रास्ता व कदम उठाती है जिससे सबकी सहमति हासिल हो जाए।

भारत के इस राज्य में है प्राचीन समय का अमूल्य खजाना

सनातन धर्म को प्रदर्शित करती मंदिर और मूर्तियां आकर्षण का केंद्र

छत्तीसगढ़ में पुरातात्विक महत्व के कई ऐतिहासिक और प्रसिद्ध स्थल हैं. उनमें से एक है सरगुजा का महेशपुर गांव, दुनिया की सबसे पुरानी थियेटर और शिलालेखों के लिए फेमस रामगढ़ के पास रेण नदी का तटीय क्षेत्र 8वीं शताब्दी से 13वीं शताब्दी के बीच कला और संस्कृति के अभूतपूर्व विकास का गवाह बना.

प्राचीन काल के टूटे-फूटे अवशेष सरगुजा जिले के महेशपुर और कलचा-देवगढ़ में फैले हुए हैं. शैव, वैष्णव और जैन धर्म से जुड़ी कलाकृतियों और प्राचीन टीलों की संख्या के लिहाज से महेशपुर आर्कियोलॉजिकल व्यू से बहुत महत्वपूर्ण है. छत्तीसगढ़ में प्राकृतिक सौंदर्य के साथ-साथ कई पुरातात्विक स्थल हैं. राज्य का प्राकृतिक स्वरूप और यहां छिपे हुए पुरातात्विक रहस्य लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं. इस जगह पत्थरों को तराश कर बनाई गई मंदिर और हजारों ऐसी मूर्तियां है जो सनातन धर्म को प्रदर्शित करती है.

अब तक आर्कियोलॉजिस्ट और आर्कियोलॉजिकल डिपार्टमेंट के द्वारा महेशपुर में चार टीलों की खुदाई की जा चुकी है. उन टीलों में कई मंदिरों और शिव-पार्वती की मूर्तियों के अवशेष मिले हैं. सरगुजा के उदयपुर क्षेत्र का रामगढ़, महेशपुर का इलाका भगवान राम के वन गमन और उनके वनवास के दिनों की यादों से जीवंत है. स्थानीय लोककथाओं के अनुसार जमदग्नि ऋषि की पत्नी रेणुका यहां रेण नदी के रूप में बहती हैं.

सरगुजा आने वाले सैलानियों के लिए ये स्थान आकर्षण का केंद्र हो सकता है, अंबिकापुर से रायपुर मार्ग से करीब 45 किलोमीटर की दूरी पर उदयपुर नाम का कस्बा है, इस कस्बे से ही महेशपुर जाने का मार्ग है. उदयपुर से करीब 12 किलोमीटर की दूरी तय करने के बाद आप महेशपुर पहुंच जायेंगे. पुरातत्व विभाग ने 2008-09 भी यहां खुदाई की थी, जिसमें अवशेषों का खजाना मिला था. इस स्थान पर पुरातत्व संग्रहालय भी बना है, लेकिन अवशेषों के संरक्षण की खास व्यवस्था नहीं है. साहित्यकार संतोष दास बताते है की उदयपुर से 12 किलोमीटर की दूरी पर महेशपुर नाम की जगह है, यहां 8 वीं से 13 वीं शताब्दी के पुरातात्विक अवशेष देखने को मिलते हैं, बहुत बड़ी संख्या में यहां पुरातात्विक अवशेष हैं, पर्यटकों के लिए ये काफी आकर्षक जगह है.

ग्रामीण बताते है की यहां अभी भी जमीन के नीचे हजारों की संख्या में अवशेष दबे हुए है, पुरातत्व विभाग को यहां फिर से खुदाई करानी चाहिये. सरकार को इस ओर ध्यान देना चाहिए की ये धरोहर संरक्षित हो सके और सरगुजा में पर्यटन की संभावना बढ़ सके.

कुम्भलगढ़ किला, जिसे 'राजस्थान का ग्रेट वॉल' भी कहा जाता है, कुम्भलगढ़ पहाड़ी पर स्थित है। यह किला 15वीं शताब्दी में राणा कुम्भा द्वारा बनवाया गया था और यह किला मेवाड़ साम्राज्य का एक महत्वपूर्ण किला था। राजस्थान का कुम्भलगढ़ किला भारतीय इतिहास और स्थापत्य कला का एक अद्वितीय उदाहरण है। यह किला राजस्थान के राजसमंद जिले में स्थित है और यह भारतीय किलों में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। कुम्भलगढ़ किला अपनी विशाल दीवारों, भव्य वास्तुकला और ऐतिहासिक महत्व के कारण प्रसिद्ध है। यह किला केवल एक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि राजस्थान की शाही धरोहर का प्रतीक भी है। कुम्भलगढ़ को यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल के रूप में भी मान्यता प्राप्त है। आइए, जानते हैं कुम्भलगढ़ के प्रमुख आकर्षण और इसके महत्व के बारे में।

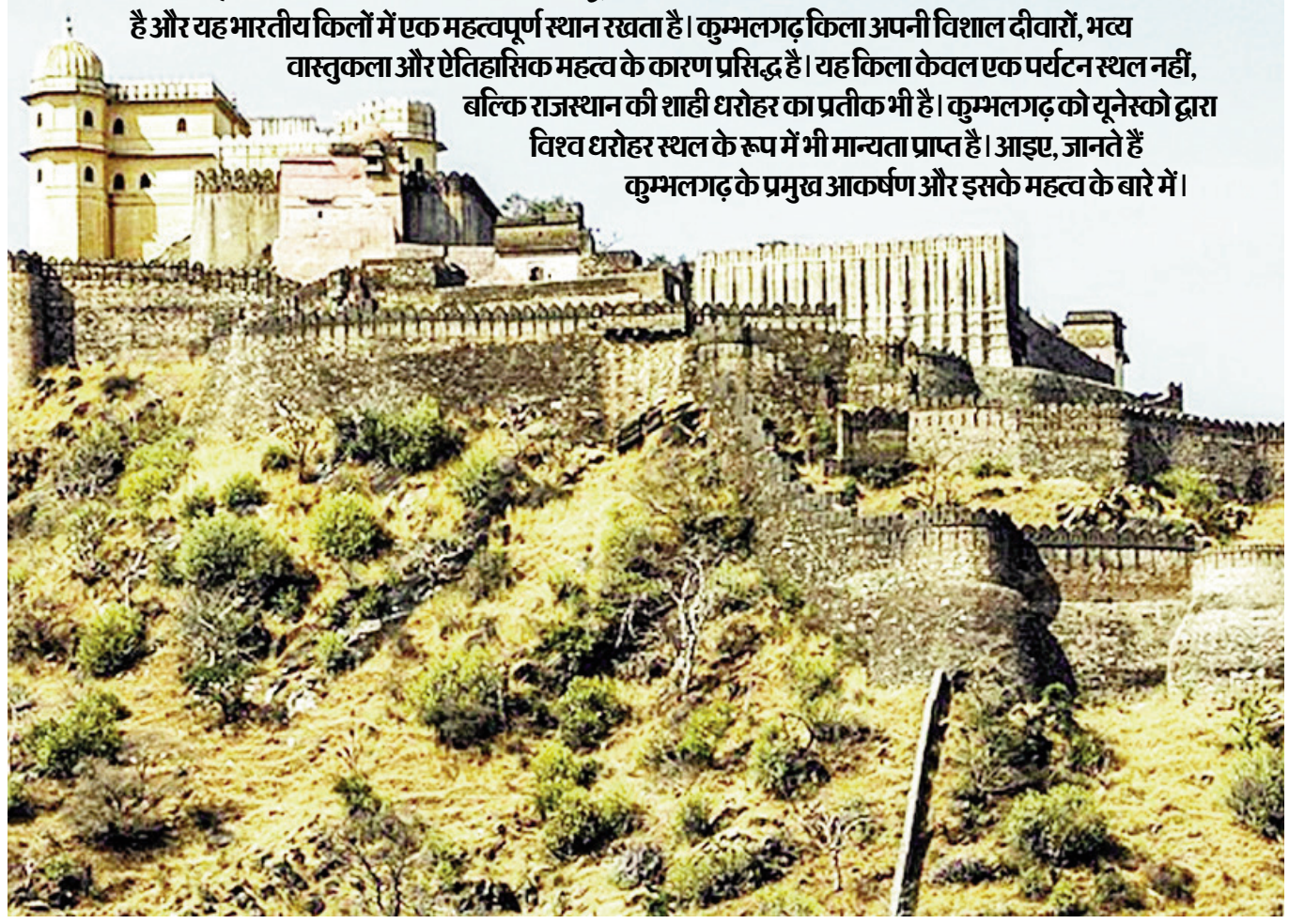

कुम्भलगढ़ पर्यटन स्थल : राजस्थान का ऐतिहासिक किला और धरोहर

1. कुम्भलगढ़ किला

कुम्भलगढ़ किला, जिसे 'राजस्थान का ग्रेट वॉल' भी कहा जाता है, कुम्भलगढ़ पहाड़ी पर स्थित है। यह किला 15वीं शताब्दी में राणा कुम्भा द्वारा बनवाया गया था और यह किला मेवाड़ साम्राज्य का एक महत्वपूर्ण किला था। किले की दीवारें लगभग 36 किलोमीटर लंबी हैं, जो इसे दुनिया की दूसरी सबसे लंबी किलावाली दीवार बनाती हैं, केवल चीन की दीवार के बाद। कुम्भलगढ़ किले का किला परिसर बहुत विशाल है और इसमें कई महल, मंदिर और जलाशय हैं। किले की दीवारों पर चढ़कर आप कुम्भलगढ़ और आसपास के क्षेत्र का शानदार दृश्य देख सकते हैं।

2. बड़ी सीढ़ियाँ

कुम्भलगढ़ किले की विशाल दीवारों के आसपास बड़ी सीढ़ियाँ हैं, जिन पर चढ़ते हुए पर्यटक किले के विभिन्न हिस्सों को देख सकते हैं। इन सीढ़ियों से किले के भीतर के अन्य महलों और संरचनाओं का दृश्य अद्भुत होता है। किले की दीवारों पर बनी मजबूत संरचना यह दर्शाती है कि किले का निर्माण युद्ध की दृष्टि से बहुत ही मजबूत और प्रभावशाली था।

3. कुम्भलगढ़ किला के महल

कुम्भलगढ़ किले में कई महल स्थित हैं, जिनमें सबसे प्रमुख महल राणा कुम्भा महल है। इस महल का वास्तुशिल्प राजपूत शैली का अद्भुत उदाहरण है। इस महल में राजपूत शाही परिवार के लिए शानदार कक्ष, जलाशय और स्विमिंग पूल भी बनाए गए थे। महल के अंदर एक संग्रहालय भी है, जहाँ कुम्भलगढ़ किले के इतिहास और यहां रहने वाले शासकों के बारे में जानकारी मिलती है।

4. कुम्भलगढ़ के मंदिर

कुम्भलगढ़ किले के भीतर कई मंदिर स्थित हैं, जो किले की ऐतिहासिकता और धार्मिक महत्व को दर्शाते हैं। इनमें से कुछ प्रसिद्ध मंदिरों में लक्ष्मी नारायण मंदिर और सिद्धनाथ मंदिर हैं। इन मंदिरों में प्राचीन मूर्तियों और शिल्पकला का अद्भुत उदाहरण देखने को मिलता है। ये मंदिर दर्शाते हैं कि कुम्भलगढ़ सिर्फ एक किला ही नहीं, बल्कि धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी एक महत्वपूर्ण स्थल था।

5. कुम्भलगढ़ वन्यजीव अभयारण्य

कुम्भलगढ़ किले के आसपास स्थित कुम्भलगढ़ वन्यजीव अभयारण्य, एक शांतिपूर्ण और प्राकृतिक स्थल है। यहाँ की घने जंगलों में विभिन्न प्रकार के जीव-जंतु और पक्षी पाए जाते हैं। पर्यटक यहाँ जैव विविधता का आनंद ले सकते हैं और जंगली जीवन के करीब जा सकते हैं। अभयारण्य में ट्रैकिंग और अन्य साहसिक गतिविधियाँ भी उपलब्ध हैं।

6. कुम्भलगढ़ किले का सूर्यास्त

कुम्भलगढ़ किला सूर्यास्त के समय बेहद सुंदर नजर आता है। किले की दीवारों पर चढ़कर सूर्यास्त का दृश्य देखना एक अद्भुत अनुभव होता है। यह दृश्य न केवल मनोहक है, बल्कि यह पर्यटकों को शांति और सुकून का अनुभव भी कराता है।

7. कुम्भलगढ़ में फेस्टिवल्स और इवेंट्स

कुम्भलगढ़ किले में समय-समय पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम, महोत्सव और प्रदर्शन आयोजित किए जाते हैं। यहाँ का कुम्भलगढ़ महोत्सव एक प्रमुख उत्सव है, जिसमें राजस्थान की पारंपरिक संगीत, नृत्य और शिल्पकला का प्रदर्शन किया जाता है। यह महोत्सव किले के ऐतिहासिक महत्व को फिर से जीवित करता है और पर्यटकों को एक शानदार सांस्कृतिक अनुभव प्रदान करता है।

कैसे पहुंचे कुम्भलगढ़?

हवाई मार्ग : कुम्भलगढ़ का निकटतम एयरपोर्ट उदयपुर में स्थित है, जो कुम्भलगढ़ से लगभग 85 किलोमीटर दूर है। उदयपुर से टैक्सी या बस द्वारा कुम्भलगढ़ पहुंचा जा सकता है।

रेल मार्ग : कुम्भलगढ़ का निकटतम रेलवे स्टेशन नाथद्वारा रेलवे स्टेशन है, जो कुम्भलगढ़ से लगभग 40 किलोमीटर दूर स्थित है। आप नाथद्वारा स्टेशन से कुम्भलगढ़ के लिए टैक्सी ले सकते हैं।

सड़क मार्ग : कुम्भलगढ़ सड़क मार्ग से भी अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। उदयपुर, राजसमंद और अन्य प्रमुख शहरों से कुम्भलगढ़ के लिए बसें और टैक्सियाँ उपलब्ध हैं।

सर्वोत्तम समय

कुम्भलगढ़ घूमने का सर्वोत्तम समय अक्टूबर से मार्च के बीच होता है, जब मौसम ठंडा और सुखद रहता है। गर्मियों में यहाँ का तापमान बहुत बढ़ सकता है, इसलिए इस मौसम में यात्रा करने से बचना चाहिए।सबसे अच्छे वेकेशन पैकेज कुम्भलगढ़ किला राजस्थान का एक अद्भुत पर्यटन स्थल है, जो ऐतिहासिकता, वास्तुकला, और प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर है। यहाँ का किला, मंदिर, वन्यजीव अभयारण्य और सूर्यास्त के दृश्य पर्यटकों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव प्रदान करते हैं। कुम्भलगढ़ ना सिर्फ एक ऐतिहासिक स्थल है, बल्कि यह शांति, सुंदरता और रोमांच का भी एक बेहतरीन मिश्रण है। अगर आप राजस्थान की समृद्ध धरोहर को जानने के इच्छुक हैं, तो कुम्भलगढ़ एक बेहतरीन यात्रा स्थल है।

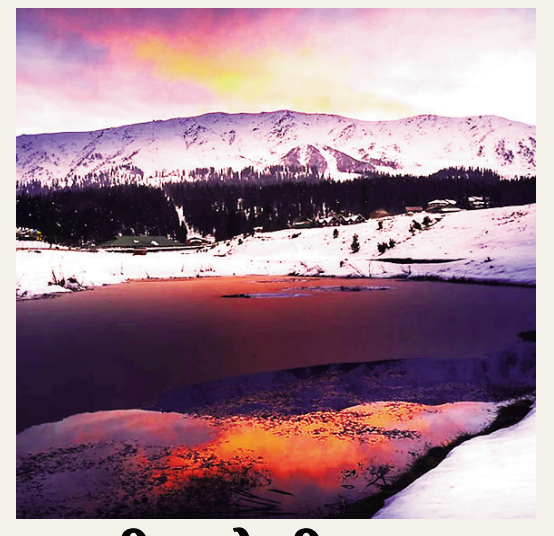

कश्मीर को भी टक्कर देती हैं भारत की ये शानदार जगहें

कश्मीर अपनी खूबसूरती के लिए पूरी दुनिया में फेमस है। लेकिन कश्मीर के अलावा हमारे देश में कई ऐसी जगहें मौजूद हैं, जिनको मिनी कश्मीर कहा जाता है। ऐसे में आप भी इन जगहों पर पहुंचकर जन्नत का दीदार कर सकते हैं।

जम्मू-कश्मीर को जन्नत कहा जाता है। ऐसे में अधिकतर लोग जन्नत यानी की जम्मू-कश्मीर के दीदार के लिए जाते हैं। खूबसूरती के मामले में यह जगह किसी हसीन जन्नत से कम नहीं है। इसलिए इस जगह पर सिर्फ भारत से ही नहीं बल्कि विदेशों से भी लोग मौज-मस्ती के लिए पहुंचते हैं। कश्मीर अपनी खूबसूरती के लिए पूरी दुनिया में फेमस है। लेकिन कश्मीर के अलावा हमारे देश में कई ऐसी जगहें मौजूद हैं, जिनको मिनी कश्मीर कहा जाता है।

ऐसे में आप भी इन जगहों पर पहुंचकर जन्नत का दीदार कर सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको भारत की ऐसी की कुछ अद्भुत और शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको मिनी कश्मीर के नाम से जाना जाता है। हिमाचल प्रदेश की हसीन वादियों में मौजूद तोष को भी कश्मीर नाम से जाना जाता है। हिमाचल के कुल्लु जिले में स्थित तोष में हर महीने हजारों की संख्या में पर्यटक घूमने के लिए आते हैं।

समुद्र तल से करीब 2 हजार मीटर से अधिक ऊंचाई पर मौजूद तोष गांव खूबसूरती के मामले में जम्मू-कश्मीर से कम नहीं है। बर्फबारी के दौरान यह जगह कश्मीर की तरह लगती है। बर्फबारी के दौरान यह गांव बर्फ की चादर से ढक जाता है।

औली

उत्तराखंड की हसीन वादियों में स्थिति औली एक ऐसी जगह है, जहां पर घूमने का सपना सभी का होता है। यहां पर बड़े-बड़े देवदार के पेड़, ऊंचे-ऊंचे पहाड़, झील-झरने और घास के मैदान औली की सुंदरता को बढ़ाने का काम करते हैं।

इस हिल स्टेशन की खूबसूरती और बर्फबारी इस कदर फेमस है कि इसको उत्तराखंड का कश्मीर भी कहा जाता है। इसको मिनी कश्मीर के नाम से जाना जाता है। औली में बर्फबारी के दौरान यहां पर काफी संख्या में पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं। यहां के नजारे बिलकुल कश्मीर की तरह लगते हैं। यहां पर एडवेंचर एक्टिविटी करने का अपना ही मजा होता है।

मेचुका वैली

सिर्फ उत्तराखंड या हिमाचल प्रदेश में ही खूबसूरत जगहें नहीं हैं, बल्कि आपको देश के नॉर्थ ईस्ट इंडिया में भी मनमोहक जगहें देखने को मिलती हैं। देश के इस हिस्से में कई अद्भुत और शानदार जगहें हैं, जो जम्मू-कश्मीर को भी टक्कर देने का काम करती हैं।

बता दें कि अरुणाचल प्रदेश में स्थित मेचुका वैली एक ऐसी शानदार जगह है, जिसको नॉर्थ ईस्ट का कश्मीर माना जाता है। यहां पर घास के मैदान, मनमोहक पहाड़ और झील-झरने इस जगह की खूबसूरती को बढ़ाने का काम करते हैं। मेचुका वैली में जब बर्फ पड़ती है, तो पूरी वैली सफेद रंग में रंगी दिखती है। यहां के नजारे कश्मीर से कम नहीं होते हैं।

मुनस्यारी

समुद्र तल से करीब 2 हजार मीटर से भी अधिक ऊंचाई पर स्थित मुनस्यारी बेहद खूबसूरत और मनमोहक जगह है। यह जगह उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में पड़ती है। यह उत्तराखंड के टॉप हिल स्टेशन्स में से एक है। यहां पर काफी संख्या में पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं।

मुनस्यारी अपनी खूबसूरती के लिए काफी फेमस है। इसको मिनी कश्मीर भी कहा जाता है। बर्फबारी के दौरान यह हिल स्टेशन बर्फ की चादर से ढक जाता है और यह इस दौरान यहां पर बर्फबारी का आनंद लेने के लिए काफी पर्यटक पहुंचते हैं। वहीं एडवेंचर प्रेमियों के लिए यह जगह किसी जन्नत से कम नहीं है। मुनस्यारी में स्नो ट्रैकिंग पूरे भारत में फेमस है।

पश्चिम बंगाल की खूबसूरती को बढ़ाती हैं ये समुद्र तटीय जगहें

पश्चिम बंगाल देश का एक ऐसा राज्य है, जो हिमालय पर्वत से लेकर बंगाल की खाड़ी तक फैला है। इसलिए यहां पर हर साल लाखों की संख्या में देसी और विदेशी पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं।

पश्चिम बंगाल देश का एक प्रमुख और बेहद खूबसूरत राज्य है। यह भारत का चौथा और सबसे ज्यादा आबादी वाला राज्य है। क्षेत्रफल के हिसाब से यह देश का 13वां सबसे बड़ा राज्य माना जाता है। यह देश का एक ऐसा राज्य है, जो हिमालय पर्वत से लेकर बंगाल की खाड़ी तक फैला है। इसलिए यहां पर हर साल लाखों की संख्या में देसी और विदेशी पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं। पश्चिम बंगाल में सैमसिंग, सिलीगुड़ी, दार्जिलिंग, संदक्फू और कलिम्पोंग जैसे हिल स्टेशन्स के बारे में तो हर कोई जानता है।

लेकिन पश्चिम बंगाल में मौजूद खूबसूरत समुद्र तटीय जगहों के बारे में बहुत कम लोगों को मालूम है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको पश्चिम बंगाल में स्थित समुद्र तटीय जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। जो राज्य की खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करती है। ऐसे में आप भी इन जगहों पर घूमने के लिए पहुंच सकते हैं।

दीघा

अगर पश्चिम बंगाल में किसी शानदार और फेमस समुद्र तटीय जगहों पर घूमने की बात होती है, तो लोग सबसे पहले दीघा पहुंचते हैं। यह जगह कोलकाता से करीब 164 किमी दूर बंगाल के टॉप डेस्टिनेशन में शामिल है।

दीघा बीच को समुद्र की हसीन लहरों के लिए जाना जाता है। यहां पर हर दिन हजारों की संख्या में सैलानी पहुंचते हैं। इस बीच की खूबसूरती मुंबई या गोवा बीच से कम नहीं है। यहां पर विदेशी पर्यटक भी पहुंचते हैं। इस बीच पर आप सूर्योदय और सुर्यास्त के भी मनमोहक नजारे देख सकते हैं।

शंकरपुर

बंगाल की खाड़ी के पास स्थित शंकरपुर राज्य का छिपा हुआ खजाना माना जाता है। दीघा से करीब 15 किमी की दूरी पर यह खूबसूरत जगह स्थित है।

बता दें कि यह बेहद शांत जगह है, जहां पर आप सुकून के दो पल बिता सकते हैं। यह बंगाल के सबसे साफ-सुथरे बीचेज में से एक माना जाता है। शंकरपुर में एक तरफ समुद्र की लहरें और दूसरी तरफ सफेद रेत देखने को मिलेगी। इसके साथ ही आप यहां पर शानदार और मजेदार वॉटर स्पोर्ट्स का भी लुत्फ उठा सकते हैं।

ताजपुर

पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता से करीब 172 किमी दूर ताजपुर एक बेहद खूबसूरत और फेमस समुद्र तटीय जगह है। यह बेहद खूबसूरत जगह राज्य के मंदारमणि और शंकरपुर के बीच स्थित है।

सैलानियों को ताजपुर बीच सबस ज्यादा आकर्षिक करता है। आप इस बीच से राज्य की खूबसूरती को करीब से निहार सकते हैं। ताजपुर में भारत की सबसे डीप सी बंदरगाह का निर्माण किया जा रहा है। आपको यहां का सनसेट और सनराइज का बेहद शानदार नजारा मिस नहीं करना चाहिए।

मंदारमणि

बता दें कि कोलकाता से करीब 171 किमी और दीघा से 30 किमी दूर मंदारमणि गांव स्थित है। यहां पर भारी संख्या में पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं।

इस गांव में मंदारमणि बीच राज्य के सबसे ट्रेंडी बीच रिट्रीट में से एक माना जाता है। यहां का शांत माहौल और मनमोहक नजारा पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। यहां पर आप वॉटर एक्टिविटी का भी लुत्फ उठा सकते हैं। सर्दियों में घूमने के लिहाज से यह एक बेस्ट जगह है।

बिनोद बाबू के सपनों का झारखंड बनाने के लिए हमारा संघर्ष अनवरत जारी रहेगा : सुदेश

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड आंदोलन के प्रणेता धरतीपुत्र बिनोद बिहारी महतो के सपनो का झारखंड बनाने के लिए हमारा संघर्ष अनवरत जारी रहेगा। उनकी सोच और परिकल्पना के आधार पर संगठित, शिक्षित, स्वाभिमानी समाज के निर्माण के लिए काम करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

उक्त बातें पार्टी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने स्व. बिनोद बिहारी महतो की पुण्यतिथि पर बलियापुर स्थित उनकी समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कही।

बाबू बिनोद बिहारी महतो की दूरदर्शिता, उनकी समाज को जोड़ने की अपार क्षमता, और राजनैतिक सीमाओं से आगे बढ़ने के उनके दृष्टिकोण ने झारखंड को नई पहचान और दिशा दी है। हम उनके आदर्शों का अनुसरण करते हुए उनके सपनों का प्रदेश बनाने का संकल्प लेते हैं।

इस मौके पर उन्होंने बिनोद बाबू के संघर्ष को याद करते हुए कहा कि झारखंड आंदोलन को एक नई रफ्तार देने, समाज की बुराइयों को दूर करने, लोगों को शिक्षित करने और विस्थापितों को न्याय दिलाने के लिए वे अजीवन संघर्षशील रहें। उनके नेतृत्व में ही झारखंड अलग राज्य आंदोलन मजबूत हुआ जिसे आजसू पार्टी ने मुकाम तक पहुँचाने का काम किया था। वे एक ऐसे नेता थे जिन्होंने सभी वर्ग व समुदाय को एकजुट कर झारखंड आंदोलन मजबूत करने का काम किया। वो किसी खास समाज के नहीं बल्कि जन जन के नेता थे।

आजसू पार्टी के कार्यकताओं द्वारा आज राज्यभर में बाबू बिनोद बिहारी महतो की पुण्यतिथि श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर उनके चित्रों और प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें उनके सामाजिक और ऊर्जस्वित राजनैतिक जीवन के लिए स्मरण किया गया। उनका सर्वाधिक लोकप्रिय नारा, लड़ना है तो पढ़ना है आज भी समाज को प्रेरित करता है।

इस अवसर पर नव-निर्वाचित विधायक निर्मल महतो, पूर्व विधायक लंबोदर महतो, बाबू बिनोद बिहारी महतो के पोते राहुल महतो और पार्टी के सैकड़ों कार्यकर्ता भी उपस्थित थे।

बालू घाट पर छापेमारी करने गये सीओ को बालू माफियाओं ने 3 घंटे तक बनाया बंधक

बिभा संवाददाता

गोड्डा : जिले में एक सीओ को बालू माफियाओं ने 3 घंटे तक बंधक बनाकर रखा। मामला सुंदरपहाड़ी थाना क्षेत्र के धमनी के निकट का है। जहां बालू घाट पर छापेमारी को गए अंचलाधिकारी को बालू माफियाओं ने बंधक बना लिया था। पुलिस को जब इसकी जानकारी तो पुलिस पहुंची और सीओ को मुक्त कराया। सीओ की पहचान प्रकाश बेसरा के रूप में हुई है। उन्होंने सुंदरपहाड़ी थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। इसमें छह लोगों को नामजद किया गया है वहीं 40 अज्ञात पर सरकारी काम में बाधा और मारपीट का आरोप लगाया गया है।

घटना को लेकर बताया जा रहा है कि मंगलवार की दोपहर 12 बजे सुंदरपहाड़ी सीओ प्रकाश बेसरा अवैध बालू कारोबार के खिलाफ छापेमारी कर रहे थे। धमनी नदी में चार बालू ट्रैक्टरों को पकड़ा गया था। इस बीच वहां बालू माफियाओं ने हंगामा करते हुए जब्त ट्रैक्टरों को छुड़ा लिया। ग्रामीणों को आरोप है कि अंचलाधिकारी ने जब्त ट्रैक्टरों को जानबूझ कर छोड़ दिया। ग्रामीणों ने कहा कि यह सब सेटिंग-गेटिंग का खेल है। इसकी गहराई से जांच होनी चाहिए।

संक्षिप्त खबरें

चाईबासा में जिला स्तर पर जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का हुआ आयोजन

चाईबासा(बिभा) : महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक महोदय झारखण्ड के मार्गदर्शन में नागरिकों के शिकायतों का त्वरित एवं प्रभावकारी ढंग से निवारण हेतु पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा जिला में जिला स्तर पर जन शिकायत समाधान कार्यक्रम पिल्लाई हॉल, चाईबासा में आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम में मॉनिटरिंग हेतु पुलिस मुख्यालय के आदेशानुसार श्री मनोज रतन चौथे (भा०पु०से०), पुलिस उप-महानिरीक्षक, सिंहभूम (कोल्हान) क्षेत्र, चाईबासा महोदय उपस्थित रहे। साथ ही श्री आशुतोष शेखर, (भा०पु०से०), पुलिस अधीक्षक, पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा, सहायक पुलिस अधीक्षक (परीक्ष्यमान), चाईबासा, अनुमंडल पदाधिकारी, सदर, चाईबासा, पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय), चाईबासा, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर / चक्रधरपुर एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी, सदर के साथ-साथ सहित अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। जन शिकायत समाधान कार्यक्रमश का आरंभ मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलित करते हुए विभिन्न विषयों पर जागरूकता हेतु चर्चा की गई। पुलिस अधीक्षक, पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा एवं मुख्य अतिथि पुलिस उप-महानिरीक्षक, सिंहभूम (कोल्हान) क्षेत्र, चाईबासा महोदय द्वारा भी आमजनों को सम्बोधन के पश्चात शिकातयों की सुनवाई एवं पंजीकरण आरंभ किया गया। आज इस कार्यक्रम में समस्त चाईबासा जिला से प्राप्त शिकायत को पंजीकरण करते हुए प्राप्ति रसीद दिया गया तथा त्वरित कार्रवाई हेतु संबंधित थाना प्रभारी एवं वरीय पदाधिकारी को निर्देशित किया गया। मुख्य कार्यक्रम स्थल पिल्लाई हॉल, चाईबासा में जन शिकायतों का पंजीकरण हेतु 04 स्टॉल लगाये गये।

देखरेख की श्रेणी वाले बच्चों को स्पॉन्सरशिप योजना से जोड़ें:डीसी

दुमका(बिभा) : उपायुक्त आंजनेयुलु दोड्डे की अध्यक्षता में प्रायोजन एवं पालन पोषण देखरेख अनुमोदन समिति की बैठक आयोजित की गई। अनाथ,एकल अभिभावक, गंभीर बीमारी से पीड़ित बच्चों को स्पॉन्सरशिप स्कीम से आच्छादित किए जाने वाले कुल 61 आवेदनों में से 58 आवेदन सही पाए जाने पर एसएफसीएसी कमिटी के द्वारा अनुमोदित किया गया। उपायुक्त ने आदेश दिया कि सभी बच्चों का नामांकन विद्यालय में कराया जाए ।साथ ही उन्होंने आदेश दिया कि बच्चों के परिवार को सामर्थ्य करने हेतु अन्य योजनाओं से भी जोड़ें। बैठक में कमेटी के बाल कल्याण समिति के सदस्य रंजन कुमार सिन्हा, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी प्रकाश चंद्र, एडॉप्शन सेंटर के मैनेजर तारिक अनवर, शकुन्तला दुबे उपस्थित थीं।

जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन,समाधान की दी सलाह दी

चैनपुर(बिभा): पुलिस अधीक्षक गुमला के आदेशानुसार चैनपुर थाना परिसर में बुधवार को जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में ग्रामीणों की काफी भीड़ उमड़ी। कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार के मामले जैसे जमीन विवाद, प्रेम प्रसंग, और पैसे के लेन-देन से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं।कार्यक्रम में सर्किल इंपेक्ट महेंद्र कुमार करमाली, थाना प्रभारी कुंदन चौधरी, एसई अशोक कुमार, सीई मुनेश्वर सिंह,जिप सदस्य मेरी लकड़ा, मुखिया शोभा देवी, पोलीदोर एक्का, दीपक खलखो सहित चैनपुर प्रखंड के कई जनप्रतिनिधि और ग्रामीण उपस्थित थे।इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों की समस्याओं को सुनना और उनका त्वरित समाधान करना था। ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं को खुलकर व्यक्त किया, जिससे पुलिस और प्रशासन को जनसुनवाई के दौरान आवश्यक कदम उठाने का अवसर मिला।इस पहल से स्थानीय लोगों में प्रशासन के प्रति विश्वास बढ़ा है और उन्हें अपनी समस्याओं के समाधान की उम्मीद बंधी है।

चैनपुर थाना क्षेत्र में प्रतिबंधित मांस के साथ एक गिरफ्तार,सामग्री बरामद

चैनपुर(बिभा): चैनपुर थाना क्षेत्र के रहमत नगर में पुलिस ने प्रतिबंधित मांस के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार, अजबुल खान (45 वर्ष) अपने घर के पास प्रतिबंधित मांस काटकर बेच रहा था। गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए चैनपुर थाना प्रभारी कुंदन चौधरी ने एक टीम गठित की और घटना स्थल पर पहुंचे। वहां पुलिस ने 20 किलोग्राम मांस, तराजू और काटने की सामग्री बरामद की।पुलिस को देख अजबुल खान और उसके ग्राहक भागने लगे, लेकिन अजबुल खान को पुलिस ने पकड़ लिया। पूछताछ के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।इस कार्रवाई में चैनपुर थाना प्रभारी कुंदन चौधरी, एएसई नन्द किशोर और अन्य पुलिस जवान मौजूद थे।

मारवाड़ी ने योगदा कॉलेज को दी मात, जेएन कॉलेज को मिला वॉकओवर

रांची(बिभा) : रांची विश्वविद्यालय अंतर कॉलेज क्रिकेट प्रतियोगिता 2024-25 में बुधवार को मारवाड़ी कॉलेज ने योगदा कॉलेज को 5 विकेट से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया. वहीं जेएन कॉलेज को बिरसा कॉलेज खूंटी के खिलाफ वॉकओवर मिला. बीएस कॉलेज लोहरदगा में मारवाड़ी कॉलेज और योगदा कॉलेज के बीच मुकाबला खेला गया. टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए योगदा कॉलेज ने 10 विकेट खोकर 140 रन बनाए. टीम की ओर से आशीष ने 52 रन की पारी खेली. वहीं मारवाड़ी कॉलेज के रोशन ने 3 विकेट झटके. लक्ष्य का पीछा करने उतरी मारवाड़ी कॉलेज की टीम ने 19.3 ओवर में 5 विकेट खोकर 141 रन बनाकर मुकाबले को जीत लिया. टीम की ओर से सर्वेश सिंह ने 50 रन की पारी खेली.

राज्य में नागरिकों के शिकायतों पर त्वरित एवं प्रभावी निवारण के लिए जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का हुआ आयोजन

बिभा संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन द्वारा दिये गये निर्देश एवं श्री अनुराग गुप्ता, पुलिस महानिदेशक, झारखंड के नेतृत्व में आज दिनांक 18.12.2024 को राज्य के सभी जिलों (राँची को छोड़कर) में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम के बेहतर प्रचार प्रसार हेतु सभी जरूरी संसाधनों यथा- प्रचार वाहन, पोस्टर, पंपलेट सहित स्थानीय अखबार एवं सोशल मीडिया के माध्यम से नागरिकों को सूचित किया गया था। मुख्यमंत्री, झारखंड सरकार श्री हेमन्त सोरेन की इस सोच को जिसमें नागरिकों की किसी प्रकार की कोई समस्या, चाहे वह जमीन से संबंधित हो, अपराध/अपराधियों से संबंधित हो या महिलाओं के विरुद्ध किसी प्रकार का कोई अपराध हो या अन्य किसी तरह के अपराध से पीड़ित हो, किसी पीड़ित को दर-दर नहीं भटकना पड़े, हेतु जन शिकायत समाधान कार्यक्रम के माध्यम से नई शुरूआत की गयी है। मुख्यमंत्री की इस सोच को पुलिस महानिदेशक, झारखंड श्री अनुराग गुप्ता के नेतृत्व में धरातल पर उतारने की दिशा में एक प्रभावी शुरूआत की गयी। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के पीड़ित व्यक्तियों/आम जनताओं को थाने में पहुंचने पर तत्काल सहज रूप से समाधान उपलब्ध हो तथा उनके प्रति थाना के कर्मियों का व्यवहार अच्छा हो, ताकि उन्हें अपनापन महसूस हो और अपनी समस्याओं को निर्भीक होकर रख सकें।

भारतीय देव संस्कृति एक अनमोल धरोहर है, महत्व समझें लाभ उठाएं : त्रिलोचन

बिभा संवाददाता

रांची : अखिल विश्व गायत्री परिवार शान्तिकुञ्ज हरिद्वार मार्गदर्शन में संचालित दिव्य ज्योति कलश रथ-दर्शन यात्रा आयोजन रांची शहर में संपन्न हुआ। इस दौरान शान्तिकुञ्ज प्रतिनिधि त्रिलोचन साहुजी ने बताया कि ऋषियों की महान परम्परा, ईश्वर और धर्म के प्रति आस्था एक महान विभूति है। यह आस्था व्यक्ति को सद्?गुणी, संस्कारवान बनाती है, व्यक्ति की अंतर्निहित उन विशेषताओं को उभारती है, जिनके कारण मनुष्य को सृष्टि का मुकुटमणि, ईश्वर का राजकुमार बनने का अवसर मिला है। मानवीय आस्था ही भारतीय देव संस्कृति की जननी है एक अनमोल धरोहर है ,मनुष्य में देवत्व का उदय और धरती पर स्वर्ग का अवतरण करने वाली दिव्य सम्पदा है। सम्बोधन में गायत्री परिवार शान्तिकुञ्ज हरिद्वार के प्रतिनिधि नायक त्रिलोचन साहु ने दिव्य ज्योति कलश रथ-दर्शन यात्रा दौरान रथ यात्रा के उद्देश्य, योजना ,अभियान पर कार्यक्रम में उपस्थित गायत्री परिवार कार्यकताओं ,नये सदस्यगणों और दर्शकों को बताया।रांची शहर में 4 से 18 दिसम्बर तक संचालित अनेक क्षेत्रों के बाद आज हटिया व डोरण्डा में कई कार्यक्रम आयोजन के साथ शहरी कार्यक्रम प्रथम चरण में संपन्न हुए। इसके साथ ही अखंड दीपक की ज्योति प्रज्वलन दिवस और गुरुमाता भगवती देवी के जन्म अवतरण दिवस का एक साथ होने के महत्व, महिमा, प्रभाव, जीवन वृतांत और भविष्य के क्रिया-कलाप पर प्रकाश डालकर बताया ।

गुरुदेव वेदमूर्ति-तपोनिष्ठ पण्डित श्रीराम शर्मा आचार्य के जीवन-क्रम,

पीछले तीन जन्मों के विवरण के साथ चौथा इस जीवन के क्रिया-कलाप, जपतपव्रत अनुष्ठान, पुरश्चक्रण अनुष्ठान, ऋषि परम्परा का निर्वाह, कीलित गायत्री महामंत्र का अभिशाप उत्कीलन, गायत्री मंत्र दीक्षा,सबके लिए सर्वसुलभ करना, भारतीय संस्कृति के निमार्ता, यज्ञ पिता गायत्री माता, नव युग सृजन योजना, विचार क्रांति अभियान ,21 वी सदी उज्जवल भविष्य एवं नारी सदी, हमारी वसीयत और विरासत, महाशक्ति की लोक यात्रा,आप हमारा काम करो, हम तुम्हारा काम करेगें, अध्यात्म एक नगद धर्म है आदि अनेक गुह्य विवरण पर प्रकाश डालकर दीपयज्ञ विधान के साथ कार्यक्रम संपन्न हुए।

ज्योति कलश रथ-दर्शन भ्रमण यात्रा कार्यक्रम दौरान सैकड़ों श्रद्धालु व नये भक्तों ने इस का उद्देश्य महिमा उपयोगिता लाभ समझकर अपने परिवार के लिए देव स्थापना कराये।

प्रान्तीय जोन समन्वयक ने बताया कि यह कलश रथ-दर्शन यात्रा कार्यक्रम रांची जिला के प्रखंडों के साथ साथ पूरे झारखंड में भ्रमण कर जन-जन को एक वर्ष तक शान्तिकुञ्ज का कार्यक्रम व संदेश पहुंचाया जाएगा।

यह रथ-दर्शन भ्रमण यात्रा झारखंड सहित पूरे भारत में एक वर्ष तक संचालित होगा।

लहू बोलेगा संगठन को झारखंड अल्पसंख्यक आयोग ने किया सम्मानित

रांची : विश्व अल्पसंख्यक अधिकार दिवस पर झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग और झारखंड राज्य सुन्नी वक़्फ़ बोर्ड ने संयुक्त रूप से चर्चा और सम्मान समारोह,हज हॉउस, रांची में आयोजित किया था जिसके कार्यक्रम संयोजक सह अध्यक्ष जनाब हिदायतुल्लाह खान के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग और झारखंड राज्य सुन्नी वक़्फ़ बोर्ड के द्वारा पहली बार इस तरह का कार्यक्रम संयुक्त रूप से हुआ,जिसके झारखंड सरकार के तीन मंत्री उपस्थित थे जिसमें मुख्य अतिथि मंत्री हफिजूल हसन(अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री), मंत्री स्वास्थ्य इरफान अंसारी, मंत्री नगर विकास सुदीप कुमार सोनू, राज्य सभा सांसद सह अध्यक्ष सुन्नी वक़्फ़ बोर्ड,अध्यक्ष अल्पसंख्यक आयोग हिदायतुल्लाह खान के हाथों स्वैच्छिक रक्तदान संगठन लहू बोलेगा के संस्थापक नदीम खान को प्रशंसा पत्र एवं शॉल पहनाकर सम्मानित किया गया।

अन्नपूर्णा सेवा मे 440 लोगों ने किया भोजन

बिभा संवाददाता

रांची : जिला मारवाड़ी सम्मेलन के द्वारा संचालित पहाड़ी मंदिर रोड स्थित श्री लक्ष्मी वेंकटेश्वर अन्नपूर्णा सेवा 230 लोगों ने भोजन प्राप्त किया। आज की इस अन्नपूर्णा सेवा स्व० राजकिशोर मोदी एवं स्व० चंदा देवी मोदी देवी की पुण्य स्मृति में उनके पुत्रों द्वारा किया गया। रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के द्वारा संचालित पुरुलिया रोड स्थित स्वर्णभूमि अन्नपूर्णा सेवा केंद्र में 210 लाभुकों ने भोजन प्राप्त किया। दोनों अन्नपूर्णा सेवा मे 440 लोगों ने भोजन किया। इस अवसर पर अन्नपूर्णा सेवा के संयोजक सुरेश चंद्र अग्रवाल ने कहा की माता अन्नपूर्णा लोगों को इसी प्रकार सेवा करने की प्रेरणा प्रदान करें और प्रभु की कृपा सदैव सबों के परिवार पर बनी रहे। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए अन्नपूर्णा सेवा निरंतर चलती रहेगी। दोनों अन्नपूर्णा सेवा विगत 33 माह से प्रतिदिन निरंतर सफलतापूर्वक चलाया जा रहा है।

इस अवसर पर- मारवाड़ी सम्मेलन के जिला अध्यक्ष ललित कुमार पोद्दार, महामंत्री विनोद कुमार जैन, प्रमोद अग्रवाल, पुरुषोत्तम विजयवर्गीय, प्रदीप नारसरिया,मनोज रुइया, द्वारका प्रसाद अग्रवाल, निर्भय शंकर हरित, सांवरमल बुधिया, राजेंद्र अग्रवाल, रमेश बंका, संजय सर्राफ, सहित कई सदस्य उपस्थित थे। रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के संयुक्त महामंत्री सह प्रवक्ता संजय सर्राफ ने कहा कि दोनों अन्नपूर्णा सेवा स्व. सत्यनारायण नारसरिया एवं स्व. शारदा देवी नारसरिया की स्मृति में एवं रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के द्वारा संचालित है।

अल्पसंख्यकों से जुड़ें 32 सुत्री मांग पत्र मंत्री को सौपा

बिभा संवाददाता

रांची: विश्व अल्पसंख्यक अधिकार दिवस के अवसर पर हज हाउस रांची में झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग द्वारा आयोजित कार्यक्रम के दौरान आमया संगठन के द्वारा अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री हफीजुल हसन अंसारी को 32 सुत्री मांग पत्र सौपा गया।

जिसमें 10 जून 2022 रांची गोलीकांड में पीड़ित परिवार को न्याय देने, मॉबलीचिंग रोकने हेतु कानून बनाने, 4401 उर्दू सहायक शिक्षक के बैकलॉग 3712 पद को अल्पसंख्यक आयोग आदेशवाद संख्या 174/2015 के अनुसार भरने, 543 उर्दू स्कूल जिनका उर्दू स्टेटस और जुमा की सप्ताहिक छुट्टी समाप्त कर दी गई उन स्कूलो में पुना स्टेटस बहाल करने, मदरसा आलिम फाजिल की परीक्षा विश्विद्यालय स्थापित कर करवाने, अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में +2 विधालय की स्थापना करने, अल्पसंख्यकों के लिए बजट में बढ़ोतरी करने, अल्पसंख्यक छात्रों को प्री मैट्रिक छात्रवृति देने, अल्पसंख्यक युवको स्किल्ड ट्रेनिंग देने, यूपीएस, जेपीएससी, जेएससीए के लिए अल्पसंख्यक कोचिंग संस्थान चालू करने, अल्पसंख्यक निदेशालय का गठन करने, बुनकरों एवं ट्रेलरिंग पेशा से जुड़े अल्पसंख्यकों को सरकारी कार्य आवंटित करने, अल्पसंख्यक भूमिहीन को जमीन आवंटन करने, अल्पसंख्यक किसानों के लिए योजना शुरू करने, अल्पसंख्यक संवेदक व सप्लायर को कार्य आवंटित करने, उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश के तर्ज पर झारखंड में भैंस वंसीय पशुओं के स्लॉटर की अनुमति देने आदि प्रमुख मांग रखा गया, जिसपर मंत्री ने मांगों पर कार्रवाई का भरोसा दिया।

इस मौके पर आमया संगठन के अध्यक्ष एस अली, समाजसेवी तनवीर अहमद, मो बाबर, मुस्लिम अंसारी, मौलान जियाउल होदा, इस्मे आजम आदि शामिल थे।

एसएस मेमोरियल कॉलेज में इंजोत युवा महोत्सव का हुआ शुभारंभ

बिभा संवाददाता

रांची : एसएस मेमोरियल कॉलेज में इंजोत युवा महोत्सव 2024 का शुभारंभ हुआ। इसका उद्घाटन कॉलेज के प्राचार्य डॉ बीपी वर्मा ने किया और इस अवसर पर डॉ वर्मा ने कहा कि कॉलेज के विद्यार्थियों को पढ़ाई लिखाई व खेल कूद के साथ सांस्कृतिक क्षेत्र में भी ध्यान देने की आवश्यकता है क्योंकि आज के युवा ही संस्कृति के वाहक होंगे ।

आज के युवाओं को एक सुलभ अवसर प्रदान करने का कार्य कॉलेज हमेशा से करता रहा है ।

इस इंजोत युवा महोत्सव 2024 में विद्यार्थियों ने खूब बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया ।

आज के प्रतियोगिता में भाषण, वाद विवाद निबंध , क्वीज , रंगोली , पेंटिंग, मिट्टी कला (क्ले),लघु नाटिका , मिमिक्री , माइम अभिनय , काव्य पाठ, कोलाज , बेस्ट आऊट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता आदि ।

सभी प्रतियोगिता में कॉलेज के बाहर से एक एक विशेषज्ञ आमंत्रित किये गये थे ।

सभी प्रतियोगिताओं का रिजल्ट एक्सपर्ट द्वारा तैयार कर लिया गया है 20 को सामापन समारोह के दिन विजयी प्रतिभागियों को अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया जायेगा ।

इन तीन प्रतियोगिता माइम , मिमिक्री व लघु नाटिका में बहुत कम मात्रा में विद्यार्थीयों ने भाग लिया, जिस कारण कोई भी विद्यार्थी का सेलेक्शन (क्वालीफाई) नहीं हो पाया । और 20 /12/24 को प्रथम पाली में होने वाला प्रतियोगिता निम्न हैं :- गीत प्रतियोगिता :- सोलो

२) सेमी क्लासिक और क्लासिकल

२) नृत्य प्रतियोगिता : पारंपरिक और क्लासिकल ।

फोटोग्राफी प्रतियोगिता आदि ।

कॉलेज के प्राचार्य डॉ वर्मा का कॉलेज के विद्यार्थियों से अपील की आप इंजोत युवा महोत्सव 2024 में अवश्य भाग लें और अपनी प्रतिभा को निखारें।

इंजोत युवा महोत्सव 2024 के प्रथम दिवस कार्यक्रम में कॉलेज के निम्न शिक्षक गण उपस्थित रहे - डॉ समर सिंह , प्रो राजेश कुजूर, डॉ सावित्री बड़ाईक, डॉ राजश्री महतो, डॉ आर एन सिंह ,डॉ अनिल बीरेन्द्र कुल्लू, डॉ मंजु सिंकु,डॉ प्रेमा कुमारी, डॉ रणजीत चौधरी ,डॉ अनीता गुप्ता, डॉ रवि कुमार दास, डॉ बी के अखोरी, डॉ ऐनके पाण्डे, डॉ मुकेश ऊराव, डॉ राजश्री इंदवार ,डॉ लक्ष्मी कुमारी ,डॉ उषा कीड़ो, डॉ त्रिभुवन साही, डॉ सुबास साहु , डॉ रीना कुमारी, डॉ अभिषेक कुमार गुप्ता , डॉ लक्ष्मी कुमारी, डॉ संजय सरंगी , डॉ जेबा, डॉ नेहा टोप्पो, डॉ रुकैया,डॉ प्रांजल कुमारी,डॉ रागिनी सहित कई शिक्षक गण उपस्थित रहे ।

तिरूपति मंदिर में तीस दिवसीय धनुर्मास - महोत्सव के तीसरे दिन के तरूप्पावै पाशुर मे त्रिविक्रम - वामन भगवान का मंगलाशासन किया गया

बिभा संवाददाता

रांची : झारखंड प्रदेश का हृदय स्थल रांची नगर के सुविख्यात श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर (तिरुपति बालाजी) मंदिर में तीस दिवसीय धनुर्मास - महोत्सव में 18 दिसंबर बुधवार को श्रीगोदम्बा देवी के द्वारा अनुष्ठित व्रत के तीसरे दिन के तरूप्पावै पाशुर मे त्रिविक्रम -वामन भगवान का मंगलाशासन किया गया। सम्पूर्ण विधि से नित्याराधन हुआ। पोंगल ,चटनी और फल का वाल भोग लगा। भगवान को 'ओंगि युलगलंद' नाम वाला पोषाक धारण कराया,औषध का पान और गरम शॉल ओढ़ाया गया। अनेकानेक प्रकार से स्तुति पूर्वक विनत भाव से स्तवन हुआ।

सौरमास, चांद्रमास, नाक्षत्रमास और सावन मास यही मांस के चार भेद हैं। सौरमास का आरंभ सूर्य की संक्रांति से होता है। सूर्य की एक संक्रांति से दूसरी संक्रांति का समय सौर मास है । इसी प्रकार 16 दिसंबर को सूर्य के धनु राशि में प्रवेश करने से धनुर्मास कहा गया और 14 जनवरी से मकर राशि में संक्रमण करने के पश्चात मकरमास होगा। दक्षिण भारत में राशि के नाम से ही मासों का नाम होता है तथा सौरमास को माना जाता है। उत्तर भारत में विशेषतः चांद्रमास की मान्यता है , यह दो तरह का होता है। शुक्ल प्रतिपदा से आरंभ होकर अमावस्या को पूर्ण होने वाला तथा दूसरा कृष्ण प्रतिपदा से पूर्णिया तक पूर्ण होने वाला । ज्यादातर कृष्ण प्रतिपदा से पूर्णिया तक पूर्ण होने वाले मास को ही माना जाता है। इस प्रकार दक्षिण भारत और उत्तर भारत के मानक मास में कुछ दिनों का अंतर होता है। दक्षिण भारत का मानक मास पीछे हो जाता है तथा दक्षिण में धनुर्मास को मार्गलि या मार्गशीर्ष कहा जाता है । गोदा देवी वटपत्रशायि भगवान् श्रीरंगनाथ के उपासना के लिए खास-मास धनुर्मास को चुना है ।

टाटा प्रोजेक्ट्स के आईपीओ का अभी और करना होगा इंतजार

कंपनी अगले 12 से 18 महीनों में लेकर आ सकती है आईपीओ

नई दिल्ली ।

टाटा प्रोजेक्ट्स के आईपीओ के लिए अभी और इंतजार करना पड़ सकता है। ऐसी उम्मीद की जा रही है कि आने वाले एक से डेढ़ साल के अंदर यह पब्लिक इश्यू आ सकता है। दरअसल ईटी की रिपोर्ट के अनुसार कंपनी के सीईओ ने यह जानकारी दी है। इससे पहले पिछले साल टाटा टेक्नोलॉजी का आईपीओ आया था, जिसे निवेशकों का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था और लिस्टिंग पर इसने तगड़ा गेन दिया था। खास बात है कि अगर टाटा प्रोजेक्ट्स का आईपीओ तय समय सीमा पर आता है तो यह 2 साल के अंदर टाटा ग्रुप की किसी कंपनी का दूसरा पब्लिक इश्यू होगा। टाटा टेक्नोलॉजी का आईपीओ 19 साल बाद टीसीएस के पब्लिक इश्यू के बाद आया था। टाटा प्रोजेक्टस के सीईओ ने कहा कि कंपनी अगले 12 से 18 महीनों में आईपीओ लेकर आ सकती है। हालांकि, यह तब ही संभव है जब कंपनी लगातार कैश जनरेट कर पाएगी। टाटा प्रोजेक्ट्स, कंस्ट्रक्शन कारोबार में एक बड़ा नाम है। मौजूदा वक्त में कंपनी की ऑर्डर बुक 40000 करोड़ रुपये है। कंपनी के ऐतिहासिक प्रोजेक्ट्स में दिल्ली में स्थित नया संसद भवन और मुंबई में अटल सेतु शामिल हैं। खास बात है कि

यह कंपनी 20 फीसदी से अधिक परियोजनाएं टाटा समूह की कंपनियों जैसे टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टाटा पावर, इंडियन होटल्स, टाटा स्टील और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स से हासिल करती है।

स्मार्टफोन निर्यात के मामले में एप्पल का शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली ।

एप्पल कंपनी ने नवंबर महीने में स्मार्टफोन निर्यात के मामले में शानदार प्रदर्शन किया। इंडस्ट्री के आंकड़ों के अनुसार, नवंबर में स्मार्टफोन निर्यात 20,300 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो पिछले साल की समान अवधि से 90 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि है।

भारत में स्मार्टफोन निर्यात ने इस साल नवंबर में नया कीर्तिमान स्थापित किया है, जो पहली बार 20,000 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गया। पिछले साल नवंबर में स्मार्टफोन निर्यात 10,600 करोड़ रुपये से अधिक था। इस माह निर्यात में एप्पल सबसे आगे रहा, इसके बाद सैमसंग का स्थान था। भारत का स्मार्टफोन निर्यात लगातार बढ़ रहा है, और यह एक संकेत है कि देश के उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत स्मार्टफोन विनिर्माण में बड़ी सफलता मिल रही है। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस उपलब्धि को स्मार्टफोन पीएलआई योजना के लिए एक मील का पत्थर बताया। मंत्री ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट करते हुए कहा, एप्पल द्वारा 10 बिलियन डॉलर के आईफोन का उत्पादन और 7 बिलियन डॉलर का निर्यात हुआ है। भारत से कुल स्मार्टफोन निर्यात 7 महीनों में 10.6 बिलियन डॉलर को पार कर गया। इसके अलावा, भारत में प्रीमियम, 5जी और एआई स्मार्टफोन की मजबूत मांग के कारण इस वर्ष 7-8 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान है। वित्त वर्ष 2030 तक 500 बिलियन डॉलर के लोकल इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निर्यात वृद्धि को प्राथमिकता देने की आवश्यकता है।

इंडिया सेलुलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) के आंकड़ों के अनुसार, 2014-15 में मोबाइल फोन का उत्पादन 18,900 करोड़ रुपये से बढ़कर 2024 में अनुमानित 4.10 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो पीएलआई योजना के कारण 2,000 प्रतिशत की भारी वृद्धि दर्शाता है। सरकार की पीएलआई योजना के कारण, एप्पल के आईफोन का उत्पादन वित्त वर्ष 2025 के सात महीनों में 10 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जिसमें अकेले 7 बिलियन डॉलर का निर्यात हुआ। यह एक रिकॉर्ड है, जो भारत में स्मार्टफोन उत्पादन और निर्यात में मजबूती की दिशा में एक बड़ा कदम है।

मोदी सरकार ने छूट क्या दी.....लोगों ने खूब खरीदा सोना, बन गया रिकॉर्ड

नई दिल्ली ।

शादी और त्यौहारों के सीजन में लोगों ने इतना सोना खरीदा की रिकॉर्ड ही बन गया। इसके पीछे बड़ी वजह ये है कि मोदी सरकार ने सोने पर आयात शुल्क में ढील दे दी थी। इससे सोना मंगाना और बेचना सस्ता हो गया। वहीं शादी और त्यौहारों का सीजन होने की वजह से जमकर खरीदारी हुई। इसकारण नवंबर माह में ही देश में सोने का आयात चार गुना बढ़कर 14.86 अरब अमेरिकी डॉलर (करीब 1.26 लाख करोड़ रुपये) के रिकॉर्ड उच्चस्तर पर पहुंच गया। केंद्रीय वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, मुख्य रूप से त्यौहारी सीजन और शादी-विवाह की मांग के कारण सोने का आयात बढ़ा है। इसके पहले नवंबर, 2023 में सोने का आयात 3.44 अरब डॉलर रहा था। कुल मिलाकर चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-नवंबर के दौरान आयात 49 प्रतिशत बढ़कर 49 अरब डॉलर हो गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 32.93 अरब डॉलर था। मंत्रालय के अनुसार, करीब 25 प्रतिशत औसत वार्षिक रिटर्न के साथ सोना 2024 (नवंबर तक) में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाली संपत्तियों में से एक है। आंकड़े बताते हैं कि दिल्ली में इस साल 2024 में अब तक सोने की कीमतें 23 प्रतिशत बढ़कर 78,350 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई हैं। बजट में मोदी सरकार ने सोने के आयात पर शुल्क को 15 प्रतिशत से घटाकर छह प्रतिशत किया था। इसके बाद विदेश से सोना मंगाना सस्ता हो गया और घरेलू बाजार में भी कीमतों में करीब 6 हजार रुपये की गिरावट आई। इस कारण भारत का सोना आयात 2023-24 में 30 प्रतिशत बढ़कर 45.54 अरब डॉलर हो गया था। अगर देश में आयात की बात की जाए, तब स्विट्जरलैंड सोने के आयात का सबसे बड़ा स्रोत है, जिसकी हिस्सेदारी हमारे कुल आयात में लगभग 40 प्रतिशत है। इसके बाद संयुक्त अरब अमीरात (16 प्रतिशत से अधिक) और दक्षिण अफ्रीका (लगभग 10 प्रतिशत) का नंबर आता है।

क्रिप्टोकरेंसी से होने वाले मुनाफे पर देश में अब टैक्स लगेगा

- क्रिप्टोकरेंसी को अब कैपिटल एसेट के रूप में माना जाएगा

जयपुर ।

जोधपुर के आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण (आईटीएटी) ने भारत में क्रिप्टोकरेंसी पर टैक्स को लेकर एक महत्वपूर्ण फैसला किया है, जिससे देश में क्रिप्टोकरेंसी से होने वाले मुनाफे पर टैक्स लगने वाला है। इस ऐतिहासिक निर्णय के साथ क्रिप्टोकरेंसी को अब कैपिटल एसेट के रूप में माना जाएगा और इससे मुनाफे पर टैक्स किस प्रकार लगाया जाएगा, यह स्पष्ट हो गया है। इस निर्णय के मुताबिक क्रिप्टोकरेंसी से होने वाला मुनाफा हाई इनकम टैक्स स्लैब के बजाय कैपिटल गेन टैक्स माना जाएगा।

यह फैसला ऐसे निवेशकों के लिए बड़ा समाचार है जो क्रिप्टोकरेंसी में लेनदेन करते हैं। उन्हें अब लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन की केटेगरी में ही टैक्स की दरें चुकानी होंगी, जिससे उन्हें कम

टैक्स देने होंगे। इस निर्णय ने निवेशकों को स्पष्टता दी है कि क्रिप्टोकरेंसी में विशिष्ट नियम पेश करने से पहले हुए ट्रांसक्शन्स को लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन के रूप में समझा जा सकता है। इससे निवेशकों को अधिक जानकारी और सुरक्षा मिलेगी और वे अपने निवेश को बेहतर ढंग से प्रबंधित कर सकेंगे।

देश में 40 फीसदी लोग ही करते हैं यूपीआई का उपयोग: रिपोर्ट

- यूपीआई प्रणाली को अधिकांश लोग नहीं करते पसंद

नई दिल्ली ।

भारत के ग्रामीण और कस्बाई इलाकों में वित्तीय लेनदेन के लिए एकीकृत भुगतान प्रणाली (यूपीआई) का अधिकांश लोगों द्वारा अनदेखा किया जा रहा है, जैसा कि ईवाई और सीआईआई की संयुक्त रिपोर्ट में प्रकट हुआ है। मान्यताओं के अनुसार इस प्रणाली को 40 करोड़ से अधिक लोगों द्वारा उपयोग किया जाता है, लेकिन केवल चार लोग ही इसे लेनदेन का पसंदीदा तरीका मानते हैं। रिपोर्ट में 11 फीसदी प्रतिभागी ने ग्रामीण और कस्बाई इलाकों में यूपीआई को भुगतान के रूप में वरीयता नहीं दी है। इस सर्वेक्षण के अनुसार महिलाएं और ग्रामीण क्षेत्रों से लोग अधिकतर थे। सीआईआई इंडिया के पार्टनर वित्तीय सेवाओं के प्रमुख ने इस स्थिति पर टिप्पणी करते हुए कहा कि हमारी रिपोर्ट वित्तीय संस्थानों के लिए ग्रामीण और कस्बाई भारत में विशेष बचत और निवेश समाधान प्रस्तुत करने के लिए एक नई दिशा प्रदान करती है। इस स्थिति में उचित जागरूकता और शिक्षा के माध्यम से यूपीआई प्रणाली के फायदों को ग्रामीण और

कस्बाई क्षेत्रों तक पहुंचाना अवश्यक है ताकि इसका उपयोग विस्तार से हो सके।

विशाल मेगा मार्ट का शेयर बाजार में सूचीबद्ध

शेयर का मूल्य बीएसई पर 41 प्रतिशत बढ़त के साथ 110 रुपये पर तय किया गया

नई दिल्ली । घरेलू सामानों के लिए बड़ी-बड़ी दुकानें चलाने वाली विशाल मेगा मार्ट ने बुधवार को अपने निर्गम मूल्य में बढ़ोतरी के साथ बाजार में सूचीबद्ध हो गया है। इसमें शेयर का मूल्य बीएसई पर 78 रुपये से 41 प्रतिशत की बढ़त के साथ 110 रुपये पर तय किया गया है। यह बढ़ोतरी दर्शाती है कि बाजार में कंपनी को उम्मीदवारों की अच्छी प्रतिध्वनि मिली है। एनएसई पर भी शेयर का मूल्य 33.33 प्रतिशत की बढ़त के साथ 104 रुपये पर शुरू हुआ था। विशाल मेगा मार्ट की आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) बेहद सफल रही थी और शेयर बिक्री के अंतिम दिन गत शुक्रवार को 27.28 गुना अभिदान मिला था। कंपनी ने 8,000 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 74-78 रुपये प्रति शेयर रखा था। इस बढ़ोतरी के बाद, कंपनी का बाजार मूल्यांकन 48,644.57 करोड़ रुपये हो गया है। जिस तेजी से विशाल मेगा मार्ट का शेयर मांग में उछल रहा है, वह बाजार के लिए एक सकारात्मक संकेत हो सकता है। उम्मीद है कि कंपनी इस सफलता की श्रुतांत को बनाये रखने में सफल रहेगी और उसके शेयरहोल्डर्स को और अधिक लाभ प्रदान करेगी।

वन मोबिक्विक सिस्टम्स का शेयर 58 प्रतिशत बढ़कर सूचीबद्ध

शेयर 87.81 प्रतिशत उछाल के साथ 524 रुपये पर पहुंच गए

नई दिल्ली । वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी वन मोबिक्विक सिस्टम्स लिमिटेड ने बुधवार को बाजार में उछाल बनाई जब उसके शेयर अपने निर्गम मूल्य 279 रुपये से 58 प्रतिशत से अधिक चढ़कर सूचीबद्ध हुए। बीएसई पर शेयर 58.51 प्रतिशत चढ़कर 442.25 रुपये पर संकलित हो गए। इसके बाद वन मोबिक्विक सिस्टम्स लिमिटेड के शेयर 87.81 प्रतिशत उछाल के साथ 524 रुपये पर पहुंच गए। कंपनी की बाजार मूल्यांकन 3,435.68 करोड़ रुपये के पार पहुंची। एनएसई पर उनके शेयर ने 57.70 प्रतिशत के उछाल के साथ 440 रुपये पर शुरुआत की। वन मोबिक्विक सिस्टम्स लिमिटेड की आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की आखिरी दिन को 119.38 गुना अभिदान मिला था। कंपनी ने अपनी 572 करोड़ रुपये के आईपीओ को 265-279 रुपये प्रति शेयर के दायरे में बोली थी। वन मोबिक्विक सिस्टम्स लिमिटेड की आईपीओ की कामयाबी ने बाजार में चर्चा उत्पन्न की और निवेशकों की ध्यान आकर्षित किया।

झारखंड सरकार ने कोयला बकाया वसूलने के लिए कानूनी कार्रवाई शुरू की

कानूनी प्रक्रिया शुरू करने से पहले अधिसूचना जारी की गई थी

रांची । झारखंड सरकार ने केंद्र से 1.36 लाख करोड़ रुपये का कोयला बकाया वसूलने के लिए कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस प्रक्रिया का पहला कदम राजस्व, पंजीकरण और भूमि सुधार सचिव को अधिकृत करने वाले अधिसूचना की जारी करना था। पिछले महीने झारखंड की नई सरकार ने मंत्रिमंडल की पहली बैठक में बकाया वसूलने के लिए कानूनी कार्रवाई करने की घोषणा की थी। उसके बाद एक अधिसूचना जारी की गई जिसमें कहा गया, राजस्व, पंजीकरण और भूमि सुधार सचिव को केंद्र से 1.36 लाख करोड़ रुपये का बकाया वसूलने के लिए तत्काल कानूनी कार्रवाई शुरू करने के लिए नोडल अधिकारी के रूप में नामित किया गया है। केन्द्रीय कोयला राज्यमंत्री ने कहा था कि झारखंड का केंद से कोई बकाया नहीं है, लेकिन झामुमो के महासचिव ने इसका खंडन किया और कहा कि अगर कोयले की रॉयल्टी 15 दिनों के अंदर नहीं दी जाती है तो राज्य से कोयला नहीं जाएगा। इसके साथ ही, कोयला कंपनी के अधिकारियों को चेतावनी दी गई कि कोयला ढुलाई बंद कर दी जाएगी।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक से पहले सहमे बाजार, बुधवार को पांचवें दिन लाल रहा बाजार

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को लगातार पांचवें ट्रेडिंग सेशन में गिरकर बंद हुआ। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक से पहले विदेशी निवेशक जोखिम नहीं ले रहे हैं और अमेरिकी शेयरों में निवेश के चलते भारतीय इक्विटी बेच रहे हैं। साथ ही किसी भी प्रमुख घरेलू ट्रिगर नहीं होने की वजह से बाजार बुधवार को गिरकर बंद हुआ। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स बुधवार को मामूली गिरावट के साथ 80,666.26 अंक पर खुला। पिछले ट्रेडिंग सेशन में यह 80,684.45 के स्तर पर बंद हुआ था। अंत में सेंसेक्स 502.25 अंक की गिरावट लेकर 80,182.20 पर बंद हुआ। इसतरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 भी गिरावट लेकर 24,300 के नीचे खुला। इसके बाद में इसमें गिरावट बढ़ गई। अंत में यह 155.05 अंक फिसलकर 24,180.95 पर बंद हुआ। बुधवार को बाजार में सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा मोटर्स का शेयर 2.75 प्रतिशत गिरकर बंद हुआ। पावर ग्रिड, एनटीपीसी, अदाणी पोर्ट्स, जेएसडब्ल्यू स्टील, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक, एलएंडटी, बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, भारती एयरटेल, एशियन पेंट्स के शेयर प्रमुख रूप से गिरावट में रहे। वहीं दूसरी तरफ, टीसीएस (टीसीएस) का शेयर सबसे ज्यादा चढ़कर बंद हुआ। इसके अलावा इंडेक्स हैवी वेट रिलायंस इंडस्ट्रीज और सनफार्मा, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इंफोसिस और आईटीसी के शेयर हरे निशान में रहे। वहीं बाजार जानकारों का मानना है कि दिन के अंत में अमेरिकी केंद्रीय बैंक के नीतिगत निर्णय से पहले निवेशक सतर्क दिख रहे हैं। निवेशकों का अनुमान है कि फेडरल रिजर्व ब्याज दरों में 25 बेसिस पॉइंट की कटौती कर सकता है। हालांकि, निवेशकों का ज्यादा ध्यान इस बात पर रहेगा कि फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल बैठक के बाद क्या कहते हैं।

वैश्विक बाजारों का क्या हाल ?

एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, हांगकांग का हैंगसेंग तथा चीन का शंघाई कम्पोजिट फायदे में रहे जबकि जापान का निक्की नुकसान में दिखाई दिया। वहीं, अमेरिकी शेयर बाजार मंगलवार को नकारात्मक रुख के साथ बंद हुए थे।

विशाल मेगा मार्ट आईपीओ की जोरदार लिस्टिंग

विशाल मेगा मार्ट आईपीओ के शेयरों की बुधवार को शेयर बाजार में शानदार एंट्री हुई। एनएसई पर आईपीओ 104 रुपये पर लिस्ट हुआ, जो इसके इश्यू प्राइस 78 से 33.33 प्रतिशत ज्यादा है। वहीं, बीएसई पर यह 110 रुपये के भाव पर लिस्ट हुआ, जो आईपीओ प्राइस से 41 प्रतिशत ऊपर है। इसतरह डिजिटल पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर वन मोबिक्विक सिस्टम के शेयरों की बाजार में धमाकेदार एंट्री हुई। एनएसई पर वन मोबिक्विक सिस्टम का आईपीओ 440 रुपये पर लिस्ट हुआ, जो इसके इश्यू प्राइस 279 से 57.70 प्रतिशत अधिक है। वहीं, बीएसई पर यह रुपये पर 442.25 रुपये लिस्ट हुआ, जो आईपीओ प्राइस बैंड के अपर एंड से 58 प्रतिशत ज्यादा है।

साई लाइफ साइंसेज का शेयर 20 फीसदी बढ़त पर सूचीबद्ध

कंपनी ने आईपीओ में 950 करोड़ और 2,092 करोड़ के 3.81 करोड़ शेयर की बिक्री पेश की थी

नई दिल्ली । साई लाइफ साइंसेज के शेयर ने बुधवार को बाजार में धूम मचाई। यह इसके निर्गम मूल्य 549 रुपये से 20 प्रतिशत अधिक उछाल के साथ उच्चतम स्तर पर सूचीबद्ध हुआ। शेयर ने बीएसई पर 20.21 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 660 रुपये पर सूचीबद्ध किया गया, जो बाद में 27.86 प्रतिशत उछाल के साथ 702 रुपये पर पहुंच गया। इसके अतिरिक्त एनएसई पर शेयर ने 18.39 प्रतिशत की बढ़त के साथ 650 रुपये पर शुरूआत की। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 14,493.75 करोड़ रुपये था। साई लाइफ साइंसेज के आरम्भिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को शेयर बिक्री के तीसरे और अंतिम दिन तक 10.26 गुना अभिदान मिला था। कंपनी ने आईपीओ में 950 करोड़ रुपये के नए शेयर और 2,092 करोड़ रुपये के 3.81 करोड़ शेयर की बिक्री पेश की थी। इसके लिए मूल्य दायरा 522-549 रुपये प्रति शेयर था।

सेबी ने ओडीआई के लिए खुलासा अनिवार्य किया

- नए नियमों के अनुसार अलग पंजीकरण के माध्यम से ही ओडीआई इश्यू कर सकेंगे

नई दिल्ली । सेबी ने ऑफ शोर डेरिवेटिव इंस्ट्रूमेंट (ओडीआई) के लिए नए नियमों की घोषणा की। इससे स्पष्ट हुआ कि ओडीआई को स्वामित्व और आर्थिक हित से जुड़े खुलासे अनिवार्य होंगे। राजधानी बाजार नियामक ने ओडीआई को पहले पार्टिसिपेटरी नोट्स के रूप में जाना जाता था, जिनका प्रयोग हेज फंडों द्वारा भारतीय प्रतिभूतियों में निवेश के लिए किया जाता था। नए नियमों के अनुसार वे एक अलग पंजीकरण के माध्यम से ही ओडीआई इश्यू कर सकेंगे, जिसमें कोई मालिकाना निवेश नहीं होगा। सेबी ने जिन एफपीआई के पास ओडीआई बकाया है, उन्हें एक साल के अंदर अलग से पंजीकरण करने का निर्देश दिया है। नए नियमों के तहत, डेरिवेटिव के साथ ओडीआई इश्यू करने पर प्रतिबंध लगाया गया है, जो उनके मौजूदा भुगतानों को भी शामिल करेगा। सेबी ने इसके साथ ही डेरिवेटिव आधारित मौजूदा ओडीआई को भुनाने के लिए एक वर्ष की संवैधानिक सुविधा भी प्रदान की है। यह नए नियम ऑफशोर डेरिवेटिव इंस्ट्रूमेंट के सुरक्षित और निष्पक्ष उपयोग को सुनिश्चित करने की दिशा में बड़ा कदम है। इससे निवेशकों को अधिक सुरक्षित माहौल में निवेश करने का अवसर मिलेगा, जिससे वित्तीय बाजार में विश्वास और स्थायिता बढ़ सकेगी।

नवंबर में इक्विटी फंडों की नकदी घटकर 4 महीने के निचले स्तर पर

इक्विटी योजनाओं में नकदी में 5.4 प्रतिशत की गिरावट आई

नई दिल्ली । इक्विटी म्युचुअल फंडों की नकदी स्तरों में नवंबर में मामूली गिरावट देखी गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार इक्विटी योजनाओं में नकदी में 5.4 प्रतिशत की गिरावट आई है, जो चार महीने की सबसे कम है। यह गिरावट अक्टूबर से आ रहे कमी का परिणाम हो सकती है। पीपीएफएएस म्युचुअल फंड के पास सर्वाधिक 21.5 प्रतिशत की नकदी थी, जबकि अन्य फंड हाउसों के पास छह महीने की उच्चतम गिरावट में 14 प्रतिशत की मासिक गिरावट थी। यह गतिविधि बाजार में उतार-चढ़ाव के चलते हो रही है, हालांकि फंड अधिकारियों का लक्ष्य पूर्ण निवेश बनाए रखना है। नकदी स्थिति अनिश्चितता या महंगे मूल्यांकन के दौरान इन योजनाओं में नकदी रखने की आवश्यकता को दर्शाती है। नवंबर में ऐक्टिव योजनाओं में पूंजी निवेश कम आया था, जिसकी वजह एकमुश्त निवेश और नई फंड पेशकशों के संग्रह में गिरावट की गई थी। इससे तो यह स्पष्ट है कि बाजार में नकदी स्तरों में बदलाव के साथ आए गिरावट की वजह से इक्विटी योजनाओं की प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियों में गिरावट भी देखने को मिल रही है।

इंडियाज बेस्ट डांसर में चैंपियन्स का टशन पर हनी सिंह के साथ ग्रूव कीजिए

मुंबई : सोनी टीवी का बहुचर्चित फॉर्मेट, इंडियाज बेस्ट डांसर वर्सेस सुपर डांसर: चैंपियन्स का टशन इस क्रिसमस सीजन में खास मेहमान दिग्गज यो यो हनी सिंह, रेमो डिसूजा, मलायका अरोड़ा, गीता कपूर और मेजबान हर्ष लिंबाचिया के साथ प्रतियोगियों को चीयर करेंगे। जहां सांता क्लॉज दमदार एन्ट्री लेंगे, और अपने गिफ्ट बैग से, कुछ अनूठी चुनौतियां पेश करेंगे जो टीमों की रचनात्मकता, कौशल और टीम वर्क की परीक्षा लेंगे। चुनौतियों में शामिल हैं: बेस्ट फुट फॉरवर्ड, जिसमें अर्शिया और अनुराधा को अपनी क्षमता का प्रदर्शन करना होगा; अदला बदली, जिसमें परी + फ्लोरिना और विवेक + अकीना की टीमों को भूमिकाएं बदलना और एक विपरीत स्टाइल को अपनाना होगा; और डांस ऑफ, जिसमें टीम एसडी से चुने गए रूपसा और वर्तिका, और टीम आईबीडी से चुने गए शिवांशु और अनिकेत के बीच डांस बैटल होगी, वह भी किसी अतिरिक्त एलिमेंट को जोड़े बिना। अकीना और अर्शिया के बीच की फाइनल बैटल हाई-एनर्जी परफॉर्मेंस होगा, जिसे जरूर देखना चाहिए।

कल्पतरु प्रोजेक्ट्स इंटरनेशनल ने क्यूआईपी के जरिये 1,000 करोड़ जुटाए

धन का उपयोग केपीआईएल की वित्तीय स्थिति सुधारने में किया जाएगा

नई दिल्ली । कल्पतरु प्रोजेक्ट्स इंटरनेशनल (केपीआईएल) ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पांच संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के जरिये 1,000 करोड़ रुपये जुटा लिए हैं। कम्पनी ने कहा कि यह उनके विविधीकृत व्यवसायिक खंड में निवेशकों के भरोसे की पुष्टि करता है। इस धन का उपयोग केपीआईएल के बही-खाते को सुदृढ़ बनाने, वित्तीय स्थिति में सुधार करने और वृद्धि योजनाओं को पूरा करने के लिए किया जाएगा। जनसाधारण के लिए यह एक अच्छी खबर है क्योंकि केपीआईएल वर्तमान में 30 से अधिक देशों में परियोजनाएं संचालित कर रही है और 75 देशों में उपस्थित है। इसका मतलब यह है कि कंपनी ने अपने क्षेत्र में व्यापक उपस्थिति बनाए रखा है और अपने विश्व स्तरीय परियोजनाओं के माध्यम से विकास में योगदान देने के लिए अग्रसर है। केपीआईएल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि क्यूआईपी के माध्यम से जुटाए गए वित्तीय संसाधन ने उनकी कंपनी को मजबूती प्रदान की है और उनके विकास की योजनाओं को गति देने में मदद करेगा। इस आधार पर यह निश्चित रूप से एक बड़ी सफलता की घोषणा है जो क्षेत्र में नवाचार और विकास को बढ़ावा देगी।

बारिश के कारण भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरा टेस्ट मैच हुआ ड्रा

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले गये तीसरे टेस्ट मैच को पांचवें दिन बुधवार को भारत की दूसरी पारी में शुरु हुई बारिश के कारण ड्रा घोषित कर दिया गया। ट्रैविस हेड को उनके शानदार खेल के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' से नवजा गया। पांच मैचों की श्रृंखला में दोनों टीमें एक-एक मैच जीत कर बराबरी पर है।

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी के आधार पर मिली 185 रनों की बढ़त के बाद दूसरी पारी सात विकेट पर 89 रन पर घोषित कर भारत को जीत के लिए 275 रनों का लक्ष्य दिया था।

ऑस्ट्रेलिया के 275 रनों के लक्ष्य के जवाब में दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 2.1 ओवर में बिना कोई विकेट खोए आठ रन बनाये थे कि तेज बारिश शुरु हो गई। चायकाल के समाप्त होने बावजूद हो रही हल्की बारिश के कारण अम्पायरों ने मैच को ड्रा घोषित कर दिया। यशस्वी जायसवाल (नाबाद चार) और के एल राहुल (नाबाद चार) रन क्रीज पर थे।

भारत ने सुबह के सत्र में आज नौ विकेट पर 252 रनों से आगे खेलना शुरु किया। अभी टीम के स्कोर में आठ रन और जुड़े थे कि ट्रैविस हेड ने आकाश दीप को विकेटकीपर कैरी के हाथों कैच आउट कराकर 260 के स्कोर पर भारतीय पारी का अंत कर दिया। आकाश दीप ने 44 गेंदों में दो चौके और एक छक्का लगाते हुए 31 रनों की पारी खेली। वहीं जसप्रीत बुमराह 10 रन बनाकर नाबाद रहे। ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी के स्कोर के आधार पर 185 रनों की बढ़त मिली।

इसके बाद दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम तेजी से रन बनाने के प्रयास में लगातार अपने विकेट खोती रही। उस्मान ख्वाजा (आठ), मार्नस लाबुशेन (एक) को बुमराह ने अपना शिकार बनाया। नेथन मैकस्वीनी (चार), मिचेल मार्श (दो) को आकाश दीप ने आउट किया। ट्रैविस हेड (17) और स्टीव स्मिथ (चार) को मोहम्मद सिराज ने आउट किया। 18वें ओवर में बुमराह ने ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस (22) को आउट कर भारत को सातवीं सफलता दिलाई। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने 89 रन पर अपनी दूसरी पारी घोषित कर दी। भारत की ओर जसप्रीत बुमराह ने तीन, आकाश दीप और मोहम्मद सिराज ने दो-दो विकेट लिये। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 445 रन बनाये थे।

ऑस्ट्रेलिया टीम ने अश्विन को दी स्पैशल टीशर्ट, कमिंस बोले- वह बेहतरीन खिलाड़ी है

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस नहीं मानते कि यहां तीसरा टेस्ट मैच ड्रॉ रहने के बाद 5 मैच की श्रृंखला में लय भारत के पक्ष में बन गई है और उन्हें इस बात की खुशी है कि उनकी टीम ने बल्लेबाजी के लिए अनुकूल परिस्थितियों में पहली पारी में भारतीय टीम को बड़ा स्कोर नहीं बनाने दिया। तीसरे टेस्ट मैच में अधिकतर समय अपना पलड़ा भारी रखने वाले ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को यहां अपनी दूसरी पारी 7 विकेट पर 89 रन पर समाप्त घोषित करके भारत के सामने 275 रन का लक्ष्य रखा था लेकिन बारिश के कारण आखिर में यह मैच ड्रॉ रहा। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के सभी सदस्यों ने अश्विन को एक विशेष जर्सी भेंट की जिसपर सभी क्रिकेटरों के हस्ताक्षर थे।

कमिंस ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मैं यह नहीं कह सकता कि मैं कभी लय को लेकर परेशान रहा। वास्तव में मैं इसकी कभी परवाह नहीं करता। मुझे लगता है कि इस सप्ताह के अपने प्रदर्शन से हम काफी कुछ हासिल कर सकते हैं। हमारे बल्लेबाजों ने दो शानदार साझेदारियां निभाई। हमने नए विकेट पर बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर 450 (445) रन बनाए और जब विकेट से बल्लेबाजों को थोड़ा मदद मिल रही थी तब भारत को 250 (260) रन पर आउट करने में सफल रहे। अपने इस प्रदर्शन से हम काफी प्रेरणा दे सकते हैं।

अब जबकि श्रृंखला 1-1 से बराबर है तब भारत के स्टार ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने संन्यास की घोषणा करके सबको चौंका दिया, जिनमें कमिंस भी शामिल हैं।

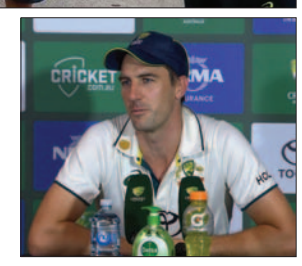

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान ने कहा कि निश्चित तौर पर यह थोड़ा चौंकाने वाला रहा। वह निश्चित तौर पर बेहतरीन खिलाड़ी है। ऐसे बहुत कम ऑफ स्पिनर हैं जिन्होंने इतने लंबे समय तक अपनी छाप छोड़ी। इसकी गणना सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में की जाएगी। उन्होंने कहा कि वह हमेशा शानदार प्रतिस्पर्धी रहा। ऑस्ट्रेलिया और भारत में हमारे और उसके बीच काफी रोचक प्रतिस्पर्धा हुई। हमारी टीम उसका बहुत सम्मान करती है।

कमिंस ने बारिश के कारण ड्रॉ रहे तीसरे टेस्ट मैच को निराशाजनक बताया क्योंकि खिलाड़ियों को कई बार अंदर बाहर होना पड़ा। उन्होंने कहा कि हमें कई बार अंदर बाहर होना पड़ा। मुझे याद नहीं कि अतीत में कभी ऐसा हुआ होगा। यह निराशाजनक था। कमिंस ने इसके साथ ही कहा कि तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड चोटिल होने के कारण श्रृंखला में आगे नहीं खेल पाएंगे लेकिन उन्हें उम्मीद है कि ट्रैविस हेड अगले मैच तक फिट हो जाएंगे जिनकी मांसपेशियों में खिंचाव आ गया है। उन्होंने कहा कि जोश आगे श्रृंखला में नहीं खेल पाएंगे जो कि निराशाजनक है। जहां तक ट्रैविस का सवाल है तो वह जल्द ही फिट हो जाएगा। उसकी मांसपेशियों में खिंचाव आ गया है लेकिन वह मेलबर्न टेस्ट (26 दिसंबर से) तक फिट हो जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका ने आगामी पाकिस्तान सीरीज के लिए टेस्ट टीम की घोषणा की

केप टाउन (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका ने बुधवार को अपनी आगामी पाकिस्तान सीरीज के लिए टेस्ट टीम की घोषणा कर दी है। अनकैप्ड कॉर्बिन बॉश को टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। बॉश के पास 40 से अधिक की प्रथम श्रेणी बल्लेबाजी औसत और 36.75 की गेंदबाजी औसत के साथ एक ऑल-राउंड संभावना है, और पुरुष अंडर-19 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करने वाले उभरते

हुए तेज गेंदबाज क्वेना मफाका को शामिल किया है। दो मैचों की टेस्ट सीरीज 26 दिसंबर को सेंचुरियन में शुरू होगी। सीरीज का दूसरा और अंतिम मैच 3 जनवरी से केपटाउन में खेला जाएगा।

वियान मुल्डर, जो इस सीजन की शुरुआत में श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट से चूक गए थे, को भी टीम में शामिल किया गया है क्योंकि वह अपनी उंगली में फ्रैक्चर से उबरने के अंतिम चरण को पूरा कर रहे हैं। अगर ऑलराउंडर को पहले टेस्ट के लिए चुना जाता है, तो बल्लेबाज मैथ्यू ब्रीट्ज़के को टीम से बाहर कर दिया जाएगा। पाकिस्तान के खिलाफ पहले वनडे से पूर्व कमर में गंभीर खिंचाव वाले स्पिनर केशव महाराज भी टीम में हैं, लेकिन उन्हें आगे के परीक्षणों से गुजरना होगा। दक्षिण अफ्रीका के रेड-बॉल कोच शुकरी कॉनराड ने कहा कि उनकी टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल को देखते हुए सकारात्मक परिणाम हासिल करने पर केंद्रित है। फिलहाल दक्षिण अफ्रीका स्टैंडिंग में सबसे आगे है। आईसीसी ने शुकरी कॉनराड के हवाले से कहा, %हम इस सीरीज में स्पष्ट लक्ष्य के साथ उतरेंगे, जिसमें विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में जगह बनाना होगा। हमने ऐसी टीम चुनी है जो हमें इसे हासिल करने का सबसे अच्छा मौका देती है। यह दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट के लिए एक रोमांचक समय है और हम विशेष रूप से पाकिस्तान के खिलाफ इस मुकाबले का इंतजार कर रहे हैं। वे हमेशा अपने प्रतिभाशाली तेज गेंदबाजों के साथ एक मजबूत चुनौती पेश करते हैं और मुझे उम्मीद है कि इस बार भी ऐसा ही होगा।''

दक्षिण अफ्रीका टीम

टेम्बा बावुमा (कप्तान), डेविड बेडिंघम, कॉर्बिन बॉश, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, टोनी डी ज़ोरज़ी, मार्को जेनसन, केशव महाराज, क्वेना मफाका, एडेन मार्कराम, वियान मुल्डर, सेनुरन मुथुसामी, डेन पैटरसन, कागिसो रबाडा, रयान रिकेल्टन, ट्रिस्टन स्टब्स और काइल वेरिन।

आर अश्विन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को कहा अलविदा

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। भारत के दिग्गज स्पिन गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन ने बुधवार को क्रिकेट के तीनों प्रारूपों से संन्यास ले लिया। आज यहां अश्विन ने गाबा टेस्ट के बाद संवाददाता सम्मेलन में अपने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की। इस दौरान कप्तान रोहित शर्मा भी उनके साथ थे। संन्यास से पहले अश्विन ड्रेसिंग रूम में विराट कोहली के साथ बैठे नजर आए थे। इस दौरान कोहली ने उन्हें गले भी लगाया था। अश्विन एडिलेड डे नाइट टेस्ट में टीम इंडिया का हिस्सा रहे थे।

अश्विन ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, ÷एक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर के तौर पर सभी प्रारूपों में ये मेरा आखिरी मैच था। मेरे अंदर अभी भी क्रिकेट शेष है, लेकिन वो अब मैं क्लब स्तर क्रिकेट में दिखाना चाहूंगा। मैंने क्रिकेट का भरपूर आनंद लिया। रोहित और बाकी खिलाड़ियों के साथ काफी यादे है। मैं बीसीसीआई और साथी खिलाड़ियों का धन्यवाद करना चाहूंगा। कुछ लोगों के नाम भी लेना चाहूंगा। सभी कोच जो इस यात्रा का हिस्सा रहे। रोहित, विराट, रहाणे, जिन्होंने कई सारे कैच पकड़े और मुझे मेरे विकेटों को लेने में मदद की। ऑस्ट्रेलियन क्रिकेट टीम को भी धन्यवाद, मैंने उनके खिलाफ खेलना हमेशा एंजॉय किया।÷

अश्विन ने क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में 287 मैच खेले और 765 विकेट लिए। अश्विन भारत के दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उनसे आगे सिर्फ अनिल कुंबले हैं, जिन्होंने 953 विकेट लिए हैं। आर अश्विन ने टेस्ट क्रिकेट में 106 मैचों में 537 विकेट लिए है। उन्होंने 37 बार पांच विकेट और आठ बार उन्होंने मैच में 10 विकेट लिए। अश्विन ने 116 एकदिवसीय मैचों में 156 विकेट लिये। वहीं 65 टी-20 मैचों में 72 विकेट चटकाए। अश्विन ने बतौर बल्लेबाज टेस्ट क्रिकेट में 3503 रन बनाए और उन्होंने कुल छह टेस्ट शतक लगाए। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उनके नाम कुल आठ शतक रहे। एकदिवसीय क्रिकेट में 707 रन और टी-20 में उनके नाम 184 रन हैं।

वेस्टइंडीज ने भारत को 9 विकेट से हराया, महिला टी20 सीरीज 1-1 से बराबर

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज महिला टीम ने कप्तान हेले मैथ्यूज की शानदार पारी की बदौलत भारत को 9 विकेट से हराकर टी20 सीरीज 1-1 से बराबर कर ली है। यह मुकाबला नवी मुंबई के डॉ. डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स अकादमी में खेला गया। मैथ्यूज ने 47 गेंदों में 85 रनों की विस्फोटक पारी खेली और अपनी टीम को आसान जीत दिलाई। उनके इस प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में मामूली स्कोर बनाया, जिसे वेस्टइंडीज ने आसानी से एक विकेट खोकर हासिल कर लिया। हार के बाद भारतीय कप्तान स्मृति मंधाना ने स्वीकार किया कि उनकी टीम अपनी योजनाओं को सही ढंग से लागू नहीं कर सकी। उन्होंने कहा कि टी20 क्रिकेट में ऐसा होता है। परिस्थितियां हमारे पक्ष में नहीं थीं और पिच पर नमी थी, लेकिन यह कोई बहाना नहीं हो सकता। हमें गेंदबाजी में अपनी रणनीति बेहतर करनी होगी। ओस की वजह से चुनौतियां थीं, लेकिन हमें अगले मुकाबले में मजबूत वापसी करनी होगी। वहीं, वेस्टइंडीज की कप्तान हेले मैथ्यूज ने अपनी टीम के प्रदर्शन पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि पिछले मैच में हमारा प्रदर्शन निराशाजनक था, इसलिए आज हमें बेहतर करना जरूरी था। हमने खेल पर नियंत्रण रखा और यह तय किया कि हम इसे मजबूती से खत्म करना है। भारत को सीमित स्कोर पर रोककर हमें लगा कि लक्ष्य आसानी से हासिल किया जा सकता है। विंडीज की ऑलराउंडर डिआंड्रा डॉटिन ने भी टीम की तारीफ की। उन्होंने कहा कि यह जीत हमारे दृढ़ संकल्प और बुनियादी क्रिकेट पर टिके रहने का नतीजा है।

रोहित अगर रन नहीं बनाते है तो कप्तानी छोड़ सकते है : सुनील गावस्कर

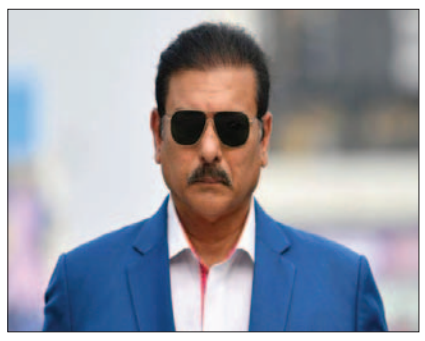

ब्रिसबेन । भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सुनील गावस्कर ने कहा कि मुझे लगता है कि आगामी मैचों में अगर कप्तान रोहित शर्मा की खराब फॉर्म जारी रही तो वह कप्तान छोड़ देंगे। बुधवार को यहां एक खेल चैनल से गावस्कर ने कहा, 'मुझे लगता है कि रोहित को निश्चित रूप से अगले कुछ मैचों में खेलने का मौका मिलेगा, यह पक्का है। लेकिन सीरीज के अंत में अगर वह रन नहीं बना पाए तो मुझे ऐसा लग रहा है कि रोहित कुछ फैसला करेंगे। वह बहुत ही कर्तव्यनिष्ठ क्रिकेटर है, वह टीम पर बोझ नहीं बनना चाहेगा। उन्हें शीर्ष स्तर के खिलाड़ियों द्वारा सामना किए जाने वाले दबावों की गहरी समझ है।' उन्होंने कहा, 'वह एक ऐसा क्रिकेटर है जो भारतीय क्रिकेट की बहुत परवाह करता है। इसलिए अगर वह अगले कुछ मैचों में रन नहीं बनाता है, तो मुझे लगता है कि वह खुद ही पद छोड़ देंगे।' उल्लेखनीय है कि रोहित एडिलेड टेस्ट में भारतीय टीम से जुड़े। इस टेस्ट में उन्होंने 23 गेंदों पर तीन रन और 26 गेंदों पर नौ रन बनाकर आउट हुए। रोहित ने तीसरे टेस्ट में भी मध्यक्रम में ही उतरने का फैसला किया। तीसरे दिन बारिश के कारण रोहित को ज्यादा देर क्रीज पर समय बिताने का मौका नहीं मिला। चौथे दिन मंगलवार को रोहित 10 रन बनाकर आउट हुए थे। रोहित इस साल प्रदर्शन खराब रहा है और उन्होंने इस साल अब तक 24 पारियों में 26.39 के औसत से 607 रन बनाए हैं।

टाटा स्टील ग्रुप और पीजीटीआई करेंगे टाटा स्टील टूर चैंपियनशिप का आयोजन

बिभा संवाददाता

जमशेदपुरः टाटा स्टील ग्रुप और पीजीटीआई 19 से 22 दिसंबर 2024 तक जमशेदपुर के प्रतिष्ठित बेल्डीह और गोलमुरी गोल्फ कोर्स पर टाटा स्टील टूर चैंपियनशिप का आयोजन करेंगे। यह टूर्नामेंट ?3 करोड़ की भव्य इनामी राशि के साथ पीजीटीआई का सबसे प्रतिष्ठित और बड़ा आयोजन है। इसमें 62 शीर्ष पेशेवर खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

टाटा स्टील टूर चैंपियनशिप, 2024 टाटा स्टील पीजीटीआई सीजन का समापन कार्यक्रम है। यह 72-होल की स्ट्रोक-प्ले चैंपियनशिप होगी, जिसमें सभी खिलाड़ियों के लिए निश्चित इनामी राशि तय की गई है, और कोई कट ऑफ लागू नहीं होगा। टूर्नामेंट से पहले 17 दिसंबर को प्रो-एएम इवेंट का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता का प्रारूप बेहद रोमांचक होगाः सभी चार राउंड्स में खिलाड़ियों को दो समूहों में बांटा जाएगा। एक समूह पहले नौ होल गोलमुरी में और अगले नौ होल बेल्डीह में खेलेगा, जबकि दूसरा समूह पहले नौ होल बेल्डीह में और अगले नौ होल गोलमुरी में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेगा। दूसरे राउंड से लेकर अंतिम राउंड तक, स्कोरबोर्ड में अग्रणी खिलाड़ी (शीर्ष स्थान पर रहने वाले समूह) पहले नौ होल गोलमुरी और अगले नौ होल बेल्डीह में खेलेंगे। प्रतियोगिता का समापन और पुरस्कार वितरण समारोह रविवार, 22 दिसंबर को बेल्डीह गोल्फ क्लब में आयोजित किया जाएगा, जहां

विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा।

इस टूर्नामेंट में भारतीय गोल्फ के दिग्गज खिलाड़ियों की दमदार उपस्थिति देखने को मिलेगी, जिनमें डिफेंडिंग चैंपियन गगनजीत भुल्लर (2020 और 2023 के विजेता), एसएसपी चौरसिया, 2023 टाटा स्टील पीजीटीआई रैंकिंग चैंपियन ओम प्रकाश चौहान, 2024 टाटा स्टील पीजीटीआई रैंकिंग लीडर वीर अहलावत, पूर्व चैंपियन उदयन माने (2019 और 2021 के विजेता), राहिल गंगजी, मनु गंडास और युवराज संधू जैसे बड़े नाम शामिल हैं।

2024 टाटा स्टील पीजीटीआई रैंकिंग चैंपियन की घोषणा टूर्नामेंट के समापन पर की जाएगी। 2024 पीजीटीआई के नंबर 1 खिलाड़ी को डीपी वर्ल्ड टूर के 2024 सीजन के लिए पूर्ण सदस्यता (फुल कार्ड) का सम्मान मिलेगा, जो उनके करियर में एक नया आयाम जोड़ते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने का सुनहरा अवसर प्रदान करेगा।

उत्तम सिंह मुंडे, सीईओ, पीजीटीआई ने कहा, ₹हम टाटा स्टील के निरंतर और अडिग समर्थन के प्रति आभारी हैं, जो उन्होंने पीजीटीआई के प्रारंभ से ही दिया है। टाटा स्टील टूर चैंपियनशिप 2024, इस सीजन का सबसे बड़ा और प्रमुख आयोजन है, जिसमें वर्तमान ऑर्डर ऑफ मेरिट के शीर्ष 60 खिलाड़ी और आमंत्रित प्रतिभागी शामिल होंगे। यह प्रतियोगिता एक और रोमांचक सप्ताह का वादा करती है, जहां गोल्फ की बेहतरीन प्रतिभाएं जमशेदपुर के प्रतिष्ठित बेल्डीह और गोलमुरी गोल्फ कोर्स पर एक साथ उतरकर सीजन के सबसे बड़े इनामी राशि के लिए मुकाबला करेंगी। यह इवेंट देशभर के गोल्फ प्रेमियों के बीच और भी अधिक उत्साह और दिलचस्पी पैदा करेगा, क्योंकि यही टूर्नामेंट 2024 टाटा स्टील पीजीटीआई रैंकिंग चैंपियन का फैसला भी करेगा। हम सभी खिलाड़ियों को ढेर सारी शुभकामनाएं देते हैं। बेल्डीह और गोलमुरी गोल्फ कोर्स दोनों ही हरे-भरे, खूबसूरत और शानदार तरीके से संरक्षित हैं, जिनके पीछे दालमा पहाड़ियों की मनमोहक छवि है। जहां बेल्डीह गोल्फ कोर्स अपनी लंबी फेयरवेज के लिए जाना जाता है, वहीं गोलमुरी गोल्फ कोर्स एक छोटा, हरा-भरा और विशेष डिजाइन वाला कोर्स है, जो गोल्फरों को कोई भी गलती करने का मौका नहीं देता है।

गूगल बुमराह का दीवाना, पोस्ट में लिखा- मैं जस्सी भाई पर यकीन करता हूं

-दक्षिण अफ्रीका में जसप्रीत को सिराज ने दिया था जस्सी भाई नाम

नई दिल्ली, । ऑस्ट्रेलिया के ब्रिस्बेन में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी (बीजीटी) का चौथा दिन टीम इंडिया के लिए संघर्ष भरा था। भारतीय गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह और आकाश दीप ने पांचवें दिन ऑस्ट्रेलियाई टीम को फॉलोऑन न देकर संभावित और शर्मनाक पारी की हार को टाल दिया। फॉलो-ऑन और संभावित पारी की हार से बचने की चुनौती के साथ, केएल राहुल और रवींद्र जडेजा के अर्धशतकों के साथ-साथ बुमराह और आकाश दीप के बीच साझेदारी ने भारत को चौथे दिन का अंत 252/9 पर करने में मदद की। इन पारियों ने भारत को टेस्ट में लड़ने का मौका दिया। ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी में 76 रन देकर छह विकेट लेने के बाद फैंस बुमराह के रनों का शुक्रिया अदा नहीं कर सके। आभार में शामिल होते हुए गूगल इंडिया ने भी बुमराह के लिए एक प्रशंसा पोस्ट साझा की, जिसे प्यार से जस्सी भाई कहा जाता है। गूगल इंडिया की एक पोस्ट में लिखा है- मैं केवल जस्सी भाई पर विश्वास करता हूं। एक्स पर पोस्ट में एक ट्विटर उपयोगकर्ता के पोस्ट को उद्धृत करता है, जिसने बुमराह के पहले पोस्ट मैच कॉन्फ्रेंस वीडियो को कैप्शन के साथ साझा किया था। गूगल इट से बेहतर वापसी का नाम बताएं। बता दें कम लोगों को ही पता है कि बुमराह को जस्सी भाई नाम सबसे पहले मोहम्मद सिराज ने दिया था। दक्षिण अफ्रीका में भारत की टी20 विश्व कप जीत के बाद, सिराज ने आंखों में आंसू लेकर कहा था- मुझे पता था कि केवल जस्सी भाई ही भारत के लिए ऐसा कर सकते हैं और उन्होंने हमारे लिए यह किया।

ओलंपिक की बात करते थे तो मजाक बनाते थे : योगेश्वर दत्त

नई दिल्ली। पूर्व रेसलर योगेश्वर दत्त ने बताया कि जब वह ओलंपिक की बात करते थे तो लोग उनका मजाक बनाते थे। योगेश्वर दत्त ने साल 2012 में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। हाल ही में एक चैनल की समिट में पूर्व रेसलर भी शामिल हुए। इस दौरान

उन्होंने अपने संघर्ष पर बात की। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस ने कुश्ती की इमेज खराब की। ओलंपिक मेडलिस्ट ने कहा,' कुश्ती में मेडल जीतने के लिए मैं बता नहीं सकता कि मैंने कितना संघर्ष किया है। हमें इतनी ज्यादा इंजरी हुई है। हम ये गिन गिनते भी भूल जाते हैं। हम दिन भर के 7-8 घंटे मेहनत करते थे। राजनीति भी मुश्किल है। हर खिलाड़ी चाहते हैं कि वे मेडल जीते लेकिन जिसकी किस्मत अच्छी होती है वो वहीं ओलंपिक में मेडल जीतता है।' दत्त ने आगे कहा,'जब आप किसी दूसरे के हाथ में खेलने लग जाते हो तो ऐसा ही होता है। पहलवानों ने आंदोलन किया। उन्होंने बृजभूषण पर केस किया। आरोप लगाए। मैं मानता हूं कि जो दोषी हो उसे सजी मिलनी चाहिए। लेकिन पहलवानों ने कुश्ती को बदनाम किया। कांग्रेस ने ये सब किया। बाद में सच भी सामने आ गया कि यहां कौन गलता था।' ' योगेश्वर दत्त ने आगे कहा, ' मैं और सुशील कुमार एक साथ आए हैं जब हम ओलंपिक की बात करते थे तो लोग हमारा मजाक बनाते थे। जब हमारे कोच कहते थे कि हम मेडल लेकर आएंगे तो लोगों को लगता था कि ये झूठ बोल रहे वे मजाक बनाते थे। हमने मेहनत की और मेडल जीता। लड़कियां भी कुश्ती में अच्छा कर रही हैं वो जहां भी जा रही मेडल जीतकर आ रही है।' बता दें कि योगेश्वर दत्त को 2013 में भारत सरकार द्वारा पद्म श्री से सम्मानित किया गया था। योगेश्वर दत्त ने सितंबर 2019 में भारतीय जनता पार्टी ज्वाइन की थी। 2012 के ओलंपिक में उन्होंने 60 किलोग्राम वर्ग में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। उन्होंने 2010 और 2014 के कॉमनवेल्थ गेम्स में भी मेडल जीते थे।

आईसीसी रैंकिंग : जो रूट ने एक हफ्ते में हैरी ब्रूक से छीनी टेस्ट की बादशाहत, ये खिलाड़ी बना नंबर वन टी20 गेंदबाज

दुबई (एजेंसी)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने बुधवार को टेस्ट और टी20 प्लेयर्स की ताजा रैंकिंग जारी की है। इंग्लैंड के दिग्गज क्रिकेटर जो रूट फिर से नंबर 1 टेस्ट बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने एक हफ्ते में हमवतन हैरी ब्रूक से बादशाहत छीन ली। रूट के खाते में फिलहाल 895 रेटिंग अंक हैं। उन्होंने हाल ही में इंग्लैंड वर्सेस न्यूजीलैंड तीसरे टेस्ट में 54 और 32 रन की पारी खेली थी। वहीं ब्रूक का बल्ला पूरी तरह खामोश रहा। उन्होंने मैच में महज एक रन बनाया। उनका पहली पारी में खाता नहीं खुला था। ब्रुक 876 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गए हैं। उन्हें 22 अंकों का नुकसान हुआ।

न्यूजीलैंड के स्टार बल्लेबाज केन विलियमसन तीसरे पायदान पर हैं। उन्होंने तीसरे टेस्ट में शानदार शतक जमाया था और न्यूजीलैंड ने 434 रनों से विशाल जीत दर्ज की। विलियमनस 33वीं टेस्ट सेंचुरी ठोकने के बाद रूट से 28 रेटिंग अंक पीछे हैं। उनके 867 अंक हैं। टॉप-10 में भारत के दो बल्लेबाज हैं। यशस्वी जायसवाल चौथे और ऋषभ पंत नौवें नंबर पर हैं। भारत के खिलाफ गाबा टेस्ट में सेंचुरी मारने वाले ट्रैविस हेड पांचवें नंबर पर हैं। भात के धाकड़ बल्लेबाज विराट कोहली 20वें और कप्तान रोहित शर्मा 30वें स्थान पर मौजूद हैं।

अकील हुसैन बने टी20 के नंबर 1 गेंदबाज

वहीं वेस्टइंडीज के स्पिनर अकील हुसैन टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट के नए नंबर वन गेंदबाज बन गए हैं। उनके 707 अंक हो गए हैं। वह इंग्लैंड के आदिल रशीद को पछाड़कर टॉप पर पहुंचे हैं। रशीद के खाते में 701 अंक हैं और अब दूसरे नंबर पर हैं। अकील ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले टी20 मैच में 13 रन देकर 2 विकेट चटकाए थे। हालांकि, वेस्टइंडीज को बांग्लादेश के हाथों 7 रन से हार का सामना करना पड़ा था। श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा तीसरे और ऑस्ट्रेलिया के एडम जम्पा चौथे स्थान पर खिसक गए हैं। टी20 गेंदबाजों की टॉप-10 रैंकिंग में अर्शदीप सिंह एकमात्र भारतीय हैं। वह 657 अंकों के साथ आठवें पायदान पर हैं।

संक्षिप्त खबरें

सैकड़ो कांग्रेसी कार्यकर्ता राजभवन मार्च में हुए शामिल

हजारीबाग/बिभा संवाददाता। गौतम अडानी और उनके सहयोगियों द्वारा किए गये भ्रष्टाचार तथा मणिपुर में हुई हिंसा एंव व्यापक अराजकता के विरोध में झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के अह्वान पर जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार यादव के नेतृत्व मे राज्यव्यापी एक दिवसीय राजभवन मार्च में शामिल हुए। राज्यव्यापी एक दिवसीय राजभवन मार्च में आवास बोर्ड के अध्यक्ष संजय लाल पासवान धार्मिक न्यास बोर्ड के अध्यक्ष जय शंकर पाठक एसी सेल के अध्यक्ष केदार पासवान प्रदेश महासचिव बिनोद कुशवाहा महानगर अध्यक्ष मनोज नारायण भगत जिला उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता निसार खान प्रदेश सचिव अवधेश कुमार सिंह, शशि मोहन सिंह, विरेन्द्र कुमार सिंह, संजय तिवारी, दिगम्बर प्रसाद मेहता, प्रखंड अध्यक्षों में अजीत कुमार सिंह, सत्यनारायण प्रसाद, मो. नौशाद, सिबू प्रसाद सोनी, बैजू गलहोत, अब्दुल मनान वारसी, विजय कुमार, लाल मोहन रविदास, गौतम मेहता, सुनिल कुमार ओझा, सरयु यादव, मुकेश पासवान, राजीव कुमार मेहता, कैलाश पति देव, मकसुद आलम, दिलदार अंसारी, शारदा रंजन दुबे, बेबी देवी, कोमल कुमारी, पूनम यादव, कृष्णा किशोर प्रसाद, परवेज अहमद, गुड्डु सिंह, असगर अली, अनिल भुईयां, चंदन गुप्ता, मुस्ताक अंसारी, मनोज मेहता, कृष्णा कुशवाहा, रोहन ठाकुर, राजू साव के अतिरिक्त सैकड़ो कांग्रेसी कार्यकर्ता शामिल हुए ।

शीत ऋतु में महत्वपूर्ण खाद्य पदार्थ पर संगोष्ठी

हजारीबाग/बिभा संवाददाता। ज्ञान ज्योति कॉलेज, हजारीबाग में शीत ऋतु में उपभोग किए जाने वाले महत्वपूर्ण खाद्य पदार्थो पर संगोष्ठी आयोजित किया गया। जिसमें 11वीं के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया इस कार्यक्रम का आयोजन भूगोल विभागाध्यक्ष दीपेंद्र कुमार के निर्देशन में आयोजित किया गया साथ ही इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय प्राचार्य शंभू कुमार महाविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक रंजन कुमार, भूगोल विभाग के पूर्व विभाग अध्यक्ष रियाज अहमद साथ ही साथ विभिन्न विभाग के शिक्षक उपस्थित थे। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य शंभू कुमार ने कहा कि बदलते मौसम के साथ खानपान में भी परिवर्तन करना अति आवश्यक है जिससे इस कड़कड़ाती ठंड में शरीर को गर्म रखा जा सके। एवं सर्दियों में होने वाले विभिन्न बीमारियों से शरीर को सुरक्षा प्रदान किया जा सकता है साथ ही साथ प्राचार्य महोदय ने बच्चों को कहा कि यह सेमिनार सिर्फ वार्तालाप तक सीमित ना रहे इसे आप लोग अपने जीवन में उतारिएगा तभी इस शरद ऋतु में आप स्वस्थ रह पाएंगे। इस कार्यक्रम में विभिन्न विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया जिसमें कोमल कुमारी और अंशु कुमारी प्रथम स्थान पर रहे। प्रगति सिंह,संजना रानी द्वितीय स्थान पर रहे। जबकि सुजल दास और खुशनुद राजा तृतीय स्थान पर रहे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में विभिन्न विभागीय शिक्षकों का सराहनीय योगदान रहा।

विश्व अल्पसंख्यक दिवस के अवसर पर जिला कल्याण कार्यालय ने किया सेमिनार का आयोजन

हजारीबाग/बिभा संवाददाता। विश्व अल्पसंख्यक दिवस के अवसर पर आज 18 दिसंबर को जिला कल्याण कार्यालय में अल्पसंख्यक समुदाय के लोगो को उनके अधिकारों व कर्तव्यों के प्रति जागरूकता लाने हेतु एक सेमिनार का आयोजन किया गया।इस दौरान जिला कल्याण पदाधिकारी श्री सुभाष कुमार ने राज्य सरकार द्वारा संचालित कल्याण विभाग की विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों को संबोधित करते हुए बताया कि ओबीसी,एसटी/एससी व अल्पसंख्यक वर्ग के लिए कल्याण विभाग में कई योजनाएं चलाई जाती हैं जो विशेष कर इन समुदायों के आर्थिक उत्थान के लिए सहायक होती है। उन्होंने उपस्थित सभी नागरिकों को कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ लेने की प्रक्रियाओं से अवगत कराया तथा योजना का लाभ लेने में आ रही किसी भी प्रकार की समस्याओं को उन तक अवगत कराने को भी कहा। आपको बता दें हर वर्ष 18 दिसंबर को विश्व अल्पसंख्यक दिवस के रूप में मनाया जाता है।

अभाविप के 25 वें प्रदेश अधिवेशन का हुआ पोस्टर विमोचन

धनबाद/बिभा संवाददाता। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का 25वाँ प्रदेश अधिवेशन आगामी 03 जनवरी 2025 को कोयला नगरी धनबाद में आयोजित होगा। अभाविप के अधिवेशन का पोस्टर विमोचन प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दीपनारायण जायसवाल, राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद के विशेष आमंत्रित सदस्य डॉ.पंकज कुमार , राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य शुभम पुरोहित, केंद्रीय कार्यसमिति सदस्य दिशा दित्या, प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक आनंद कुमार , प्रदेश मीडिया संयोजक गुड्डू राय द्वारा किया गया। उल्लेखनीय है कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के तीन दिवसीय प्रदेश अधिवेशन में राज्य के प्रत्येक जिले एवं शैक्षणिक संस्थानों से 1000 छात्र , छात्राएं , शिक्षाविद एवं प्राध्यापक कार्यकर्ता सहभागी होने धनबाद पहुंचेंगे।

हेमंत सोरेन के निर्देश पर जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन

शिविर प्रशासन और जनता के बीच संवाद का सफल मंच

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश और डीजीपी अनुराग गुप्ता के नेतृत्व में झारखंड के 23 जिलों में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का भव्य रूप से आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आम जनता की समस्याओं को त्वरित और प्रभावी तरीके से सुलझाना है। रांची को छोड़कर राज्य के अन्य जिलों में यह शिविर आयोजित किए गए, जहां सुबह 11 बजे से ही फरियादी अपनी समस्याओं के समाधान के लिए पहुंचने लगे। हजारीबाग जिले में आयोजित शिविर में बड़ी संख्या में लोग आवेदन लेकर पहुंचे। इस कार्यक्रम में आईजी ए विजयलक्ष्मी और जिले के वरीय पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। फरियादियों ने अपनी समस्याओं को सीधे हजारीबाग पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह के समक्ष प्रस्तुत किया। सभी समस्याओं को सूचीबद्ध कर उनके त्वरित समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी गई। इस कार्यक्रम के दौरान कुछ समस्याओं का ऑन-द-स्पॉट समाधान किया गया। सबसे खास मामला एक पति-पत्नी के विवाद का रहा। अधिकारियों ने दोनों पक्षों से अलग-अलग बातचीत की और फिर दोनों को साथ बैठाकर काउंसलिंग की। अधिकारियों के प्रयास से दोनों अपनी समस्या का समाधान करने और साथ रहने के लिए सहमत हो गए।

पिछले अनुभव और जनता का उत्साह

हजारीबाग एसपी अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि यह दूसरी बार है जब जिले में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा, पिछली बार भी लोगों में इस शिविर के प्रति काफी उत्साह देखा गया था। करीब 500 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से अधिकांश का समाधान कर दिया गया। इस बार भी बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे हैं। सभी की शिकायतों पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है।

एक मंच पर समाधान का प्रयास

इस शिविर की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि फरियादियों को एक ही मंच पर जिले के सभी वरीय अधिकारियों से मिलने और अपनी समस्याएं बताने का अवसर मिला। ऐसे शिविरों के आयोजन से प्रशासन और जनता के बीच की दूरी कम होती है और समस्याओं का समाधान तेजी से किया जा सकता है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की यह पहल आम जनता के लिए एक बड़ी राहत साबित हो रही है। लोगों का कहना है कि इससे उन्हें अपनी समस्याओं को सीधे अधिकारियों तक पहुंचाने और उनका समाधान पाने का भरोसा बढ़ा है। इस तरह के शिविरों के आयोजन से जनता और प्रशासन के बीच विश्वास बढ़ता है और राज्य में सुशासन की स्थापना में मदद मिलती है। जन शिकायत समाधान कार्यक्रम ने जनता के जीवन में एक नई उम्मीद जगाई है। यह पहल न केवल सरकार की जनहितैषी सोच को दर्शाती है, बल्कि आम नागरिकों के प्रति उनकी जवाबदेही को भी मजबूत करती है।

दिव्यांग फरियादी की समस्या पर तुरंत कार्रवाई

शिविर में एक दृष्टिहीन दिव्यांग फरियादी को उनके परिजनों ने ऑटो से लाकर पहुंचाया। उनकी समस्या जमीन विवाद से जुड़ी थी। फरियादी के परिजनों ने बताया कि दिव्यांग होने के कारण आसपास के दबंग लोग उनकी जमीन पर अवैध कब्जा कर रहे हैं। पहले भी इस संबंध में कई बार शिकायत की गई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इस शिविर के माध्यम से फरियादी को अपनी बात रखने का मौका मिला। अधिकारियों ने उनकी समस्या पर तुरंत संज्ञान लिया और संबंधित फाइल को जांच के लिए अग्रसारित किया।

हस्तशिल्प विकास संस्थान ने किया एक प्रदर्शनी-सह-मेला का आयोजन

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। सात दिवसीय एक भव्य प्रदर्शनी-सह-मेला का आयोजन किया है, जहां आप भारत की समृद्ध हथकरघा और हस्तशिल्प कला को न केवल देख सकते हैं बल्कि खास ऑफर्स के साथ खरीद भी सकते हैं। अगर आप आने वाले त्योहारी सीजन या शादी के मौसम के लिए साड़ी, ड्रेस मटेरियल, स्टोल, दुपट्टा, कुर्ता, बंडी या शॉल की तलाश कर रहे हैं, तो यहाँ आपको सबकुछ मिलेगा! इस प्रदर्शनी में कपड़ों से लेकर हस्तशिल्प तक, ढेरों विविधताएं मौजूद हैं। प्रदर्शनी में ढोकरा, लाह, बेंत और बांस, लकड़ी के शिल्प, टेराकोटा, और आर्टिफिशियल गहनों का शानदार कलेक्शन भी देखने को मिल रहा है। इसके अलावा, पुरुषों के लिए भी सूती, रेशम और ब्रोकेड से बने एथनिक परिधान उपलब्ध हैं। इस प्रदर्शनी में 50 से अधिक स्टाल लगाए हैं, इस प्रदर्शनी की एक खासियत यह भी है कि यहाँ भारत की विभिन्न क्षेत्रों की पारंपरिक कला जैसे मधुबनी, कलमकारी, सोहराई, पैठकर, कारपेट, जादुपतिया और सौरा जैसी हाथ से बनाई गई कलाकृतियों का भी प्रदर्शन किया गया है। इसके साथ ही, ब्लॉक प्रिंटिंग और बाटिक कला का बेहतरीन संग्रह भी यहां उपलब्ध है। तो इंतजार किस बात का? यह एक बेहतरीन मौका है भारत की पारंपरिक कला और शिल्प को करीब से देखने और उन्हें अपने जीवन का हिस्सा बनाने का। स्थान होमगार्ड चौक, अर्बन हाट, सिंदूर, हजारीबाग, 16 दिसम्बर से 22 दिसम्बर 2024 तक, सुबह 11 बजे से रात 8 बजे तक। आइए, और इस अनोखी प्रदर्शनी का हिस्सा बनिए।

90 दिवसीय आउटरीच कार्यक्रम का शुभारंभ

धनबाद/बिभा संवाददाता। झारखंड राज्य विधिक प्राधिकरण के निर्देश पर लोगों में कानूनी साक्षरता और जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 90 दिवसीय व्यापक आउटरीच कार्यक्रम का शुभारंभ बुधवार को प्रभात फेरी निकाल कर किया गया। प्रभात फेरी प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष डालसा वीरेंद्र कुमार तिवारी के नेतृत्व में सिविल कोर्ट धनबाद से निकलकर रणधीर वर्मा चौक, सिटी सेंटर चौक तक गई , न्यायाधीश ने वहां महात्मा गांधी के प्रतिमा पर माल्यार्पण किया ।नुक्कड़ नाटक की टीम के द्वारा नाटक का मंचन कर लोगों में कानूनी जागरूकता फैलाने का काम किया गया। जिसके बाद प्रभात फेरी वहां से वापस सिविल कोर्ट आई। इस दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए न्यायाधीश ने कहा कि 90 दिनों तक न्यायिक पदाधिकारी के नेतृत्व में गठित टीम हर एक क्षेत्र में जाकर कानूनी जागरूकता फैलाएगी उन्होंने बताया कि नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100, डायन बिसाही मामले को लेकर हेल्पलाइन नंबर 181 सहित अन्य हेल्पलाइन नंबर के विषय में लोगों को बताया जाएगा।

हुटुक टुंगरी में बन रहे स्वास्थ्य केंद्र का कार्य गुणवत्तापूर्ण है : ग्रामीण

बिभा संवाददाता

धनबाद। तोपचांची प्रखंड अंतर्गत हुटुक टुंगरी में बन रहे स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण ग्रामीणों के अनुरोध पर उप प्रमुख हेमलाल महतो ने पुनः पहुंच कर और वहां की ग्रामीणों से भी मिले वहां के ग्रामीणों का कहना था कि विगत दिनों किसी आसामाजिक तत्वों ने निर्माण हो रहे स्वास्थ्य केंद्र का दिवाल गलत भावना से लात मार कर तोड़ दिया था। जिसके क्रम में दीवाल में दरार आ गया था और संवेदक को ब्लैकमेल करने हेतु साजिश किया जा रहा है। जिसका ग्रामीणों ने पुरजोर विरोध किया और उप प्रमुख को अवगत कराया कि यहां कार्य सरकारी अभियंताओं के देखरेख में हो रहा है। और गुणवंता में कहीं कोई कमी नहीं है। वहीं उप प्रमुख ने भी अपने बयान को वापस लेते हुए कहा कि कार्य का गुणवत्ता बहुत ही अच्छा है और कार्य काफी तीव्र गति से हो रहा है। जो आमजन हेतु एक सकारात्मक विषय प्रतीत होता है। इससे आम जनता को काफी राहत पहुंचेगी। ग्रामीणों में संतोष साहू, जुगल महतो, महक महतो, पिंटू महतो, कुदूस अंसारी, जाकिर अंसारी ,मुकेश महतो , असगर अंसारी आदि लोग उपस्थित थे।

मंजीत यादव व उदय साव हत्याकांड का पुलिस ने किया खुलासा, आपसी द्वेष में की गई हत्या

बिभा संवाददाता

हज़ारीबाग़। 29 अक्टूबर को खिरगांव सिरका निवासी मंजीत यादव को अज्ञात अपराधकर्मियों द्वारा गोली मारकर हत्या कर दिया गया था। मृतक मंजीत यादव की पत्नि सुनिता देवी के द्वारा लिखित आवेदन में राजकुमार गुप्ता, गंगा साव, विवेक कुमार सोनी, आनन्द वर्मा, रामा सोनी और हेमन्त महतो विरूध इनके पति को साजिस के तहत हत्या करवाने का आरोप लगा है। इस संदर्भ में मामला दर्ज किया गया है, इस काण्ड के मुख्य आरोपी राजकुमार गुप्ता एवं हेमन्त महतो के विरूध वारंट प्राप्त किया गया है। यह काण्ड मुख्य रूप से आपसी द्ववेश के कारण हुआ है। अज्ञात अपराधकर्मियों द्वारा कोलपट्टी स्थित सरस्वती कुंज अपार्टमेन्ट के पास रोड पर गोली मार दिया गया था। जहाँ ईलाज के क्रम में डॉक्टरों के द्वारा उदय साव को मृत घोषित कर दिया गया था। दोनों काण्डों का यथाशीघ्र उदभेद्न एवं काण्ड मे शामिल अपराधकर्मियों की त्वरित छापामारी एवं गिरफ्तारी हेतू अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर हजारीबाग के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम के द्वारा काण्ड के उदभेद्न के दौरान मंजीत यादव के हत्याकाण्ड मे शामिल रेकी करने वाले राहुल पासवान एवं निरंजन यादव को विधिवत गिरफ्तार किया गया। पुछ ताछ दौरान राहुल पासवान द्वारा उदय साव हत्याकाण्ड मे भी रेकी करने एवं उदय हत्याकाण्ड के साजिशकर्ता संतोष मेहता के बारे में बताया। जिसके आधार पर उदय साव हत्याकाण्ड के मुख्य साजिसकर्ता संतोष कुमार मेहता को गिरफ्तार किया गया एवं संतोष मेहता के निशानदेही पर 68 (अडसठ) पीस साईन किया हुआ चेक, जिसकी कुल रकम 01 करोड 31 लाख रूपये, एक ब्लैंक चेक हस्ताक्षर किया हुआ तथा रेकी के दौरान प्रयोग में लाया गया राहुल पासवान का अपाची मोटरसाईकिल जप्त किया गया। अन्य अभियुक्तो के गिरफ्तारी हेतू छापामारी जारी है।

डेंटल कॉलेज के छात्रों ने किया वार्षिक शैक्षणिक भ्रमण, एडवेंचर का उठाया आनंद

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेस एंड होस्पिटल के द्वारा अध्ययनरत बीडीएस के प्रथम वर्ष के छात्रों ने पतरातु स्पॉट एवं अंतिम वर्ष के छात्रों ने पूरी स्पॉट का वार्षिक शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। जहां बीडीएस के प्रथम वर्ष के छात्रों ने पतरातू डैम की प्राकृतिक छटा, लेक रिसोर्ट की सुंदरता देखने के साथ साथ जल संपदा, ताप विद्युत केंद्र और पर्यावरण के बारे में जानकारी प्राप्त किया। शैक्षणिक भ्रमण के दौरान छात्र- छात्राओं ने पठन पाठन के ज्ञान में वृद्धि के अलावे जीवन में बाहरी दूनिया की जानकारी के साथ एडवेंचर स्पोर्टस का भी आनंद उठाया। वहीं बीडीएस के अंतिम वर्ष के छात्रों ने पूरी में विश्व प्रसिद्ध श्रीजगन्नाथ मंदिर में हिंदू धर्म के चार धामों का अनुसरण किया। पुरी में सबसे लंबा गोल्डन बीच सहित कई प्रमुख स्थानों का भ्रमण किया एवं आनंद उठाया। छात्रों का पठन पाठन के ज्ञान में वृद्धि हुआ। प्रोफेसर डॉ. राजन कुमार, डॉ. पारुल प्रिया, डॉ. रघु रंजन और डॉ. स्वाति के नेतृत्व में शैक्षणिक भ्रमण कराया गया।मौके हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेस एंड होस्पिटल के सचिव डॉ प्रवीण श्रीनिवास ने कहा कि शैक्षिक भ्रमण से छात्रों के जीवन में नए अनुभव सीखने के लिए महत्वपूर्ण है इससे उन्हें कई चीजों के बारे में सीखने में मदद मिलती है। पठन- पाठन के साथ शैक्षणिक भ्रमण से ज्ञान में वृद्धि होता है। सामाजिक और भावनात्मक विकास को बढ़ावा मिलता और छात्रों को वास्तविक जीवन की स्थितियों से परिचित में शैक्षणिक भ्रमण काफी मददगार साबित होता है। यह हर वर्ष छात्रों को शैक्षणिक भ्रमण करवाया जाता है।

शिक्षण संस्थानों के 100 गज के दायरे में तम्बाकू उत्पाद बेचने पर लगेगा जुर्माना

बिभा संवाददाता

धनबाद। जिले के सभी शिक्षण संस्थानों को तम्बाकू मुक्त बनाने तथा तम्बाकू मुक्त युवा अभियान 2.0 के लिए आज स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखण्ड सरकार द्वारा सोशियो इकोनॉमिक एण्ड एजुकेशनल डेवलॉपमेंट सोसाईटी (सीड्स) के तकनीकी सहयोग से सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस जिला+2 स्कूल के सभागार में एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन जिला शिक्षा पदाधिकारी निशु कुमारी के आदेशानुसार किया गया। कार्यक्रम में अतिरिक्त जिला कार्यक्रम पदाधिकारी आशीष कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि तम्बाकू सेवन की आदत जनस्वास्थ्य के लिए एक बड़ी समस्या के रुप में वैश्विक स्तर पर उभर रही है। इसलिए तंबाकू सेवन के दुष्परिणाम के प्रति अवयस्क और युवा वर्ग में जागरूकता फैलाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हम सब की जिम्मेदारी है कि अपने आनेवाले भविष्य की चिंता करते हुए युवाओं और अवयस्कों को तम्बाकू की लत से दूर रखा जाये। उन्होंने बताया कि स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखण्ड सरकार के मार्गदर्शन में सोशिओ इकोनॉमिक एण्ड एजुकेशनल डेवलपमेंट सोसायटी (सीड्स) झारखण्ड द्वारा "तम्बाकू मुक्त शैक्षणिक संस्थान के दिशा-निर्देशों के अनुरूप क्रियान्वयन हेतु साकारात्मक प्रयास किये जा रहे हैं।

राजभवन घेराव को लेकर कांग्रेस कमेटी के सैकड़ो कार्यकर्ता रांची प्रस्थान

धनबाद। जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह के नेतृत्व में बुधवार को धनबाद की पुटकी के प्रभु चौक से जिला कांग्रेस कमिटी के सैकड़ो कार्यकताओ और नेताओ को ने रांची राजभवन घेराव कार्यक्रम के लिए प्रस्थान किया। है बताते चले की कांग्रेस कमेटी में सैकड़ो कार्यकताओ ने पुटकी प्रभु चौक पर एकत्रित हुए और राजभवन घेराव कार्यक्रम की ओर रवाना हो गए कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह ने कहा कि गौतम अडानी और उनके सहयोगियों के ऊपर अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा लगाए गए आरोप भ्रष्टाचार धोखाधड़ी छल कथित जाल साजी का पर्दाफाश किया है। इन आरोपों ने रिश्वतखोरी मनीलॉन्ड्रिंग और बाजार में हेर फेर एक परेशान करने वाला पैटर्न को उजागर किया है।

हजारीबाग यूथ विंग ने समाजसेवा की मिसाल पेश की, चौक-चौराहों पर अलाव की व्यापक व्यवस्था

हमारी उद्देश्य समाज के कमजोर वर्गों को राहत पहुंचाना : जैन

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग यूथ विंग ने कड़ाके की ठंड में जरूरतमंदों की मदद के लिए समाजसेवा की अद्भुत मिसाल पेश की है। संस्था ने शहर के चौक-चौराहों पर अलाव की व्यवस्था कर ठंड से राहत देने का सराहनीय कार्य किया है। यह पहल सर्दियों के दौरान हर साल कमजोर वर्गों को मदद पहुंचाने के उद्देश्य से की जाती है। संस्था के संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन ने अपने विचार साझा करते हुए कहा, हमारी संस्था का उद्देश्य समाज के कमजोर वर्गों को राहत पहुंचाना है। सर्दी के मौसम में गरीब और बेघर लोगों को सबसे ज्यादा तकलीफ का सामना करना पड़ता है। ऐसे में अलाव जलाना हमारी जिम्मेदारी है। यह न केवल उनका सहारा बनता है, बल्कि समाज के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। हजारीबाग यूथ विंग के सदस्यों ने सर्दी के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए शहर के चौक-चौराहों का दौरा किया और उन स्थानों को चिन्हित किया, जहां अलाव की सबसे अधिक आवश्यकता थी। तत्पश्चात, टीम ने तुरंत कार्यवाही करते हुए अलाव जलाने की व्यवस्था की। इस पहल की पूरे शहर में सराहना हो रही है। स्थानीय निवासी चंदन सिंह ने कहा, हजारीबाग यूथ विंग का यह कदम समाज के लिए एक प्रेरणा है। इस सर्दी में यह अलाव जरूरतमंदों के लिए किसी वरदान से कम नहीं हैं। संस्था ने घोषणा की है कि वह आने वाले दिनों में भी इस अभियान को जारी रखेगी। अन्य इलाकों में अलाव की व्यवस्था के साथ-साथ जरूरतमंदों को कंबल भी बांटे जा रहे है। मौके पर संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन, सचिव संजय कुमार, सहसचिव डॉक्टर बी वेंकटेश, उपाध्यक्ष विकास केसरी कोषाध्यक्ष रितेश खण्डेलवाल, कार्यकारिणी सदस्य विकाश तिवारी, शम्पा बाला, गुंजन मद्धेशिया, कुल्तार सिंह, सनी सिंह सलूजा, अख्तर हुसैन, मो.नौशाद अंसारी, संतोष चौधरी, सिद्धार्थ कुमार उर्फ सिद्दू, सूरज वर्मा सहित कई लोग मौजूद थे।

जन शिकायत समाधान शिविर में सैकड़ो मामले हुये निष्पादित

बिभा संवाददाता

कतरास। राज्य के पुलिस महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक झारखंड के निर्देशानुसार बाघमारा अनुमंडल के सभी 17 थाना ओ पी के ग्रामीणों की जन समस्याओं का समाधान कतरास के राजस्थानी समाज धर्मशाला में ऑन द स्पॉट समाधान किया गया।जिसका उद्घाटन बाघमारा एसडीपीओ,चिकित्सक डॉक्टर उमा शंकर सिंह,डॉक्टर मधुबाला, कतरास थानेदार असीत कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। जन शिकायत समाधान को संबोधित करते हुये धनबाद सिटी एस पी अजित कुमार ने कहा कि जो समस्या आयी है उसका तत्काल ऑन द स्पॉट समाधान किया गया,कुछ मामले को तत्काल निष्पादित किया जायेगा। शिविर में जमीन के सबसे ज्यादा मामले आये जिसे सम्बंधित अधिकारियों से संपर्क कर समाधान किया जायेगा। शिविर में बाघमारा एस डी पी ओ पुरषोत्तम सिंह, डॉक्टर उमा शंकर सिंह, डॉक्टर मधुबाला, नगर निगम के अधिकारी, कतरास थानेदार असीत कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। शिविर में सबसे ज्यादा जमीन विवाद का आवेदन प्राप्त हुआ। राम कनाली ओ पी के कुम्हार टोला में परियोजना विस्तार के लिये कुम्हारों पर होने वाले खतरे को लेकर अपनी आवेदन दिया।

संक्षिप्त खबरें

तोपचांची थाना उड़ाने समेत 54 नक्सली वारदातों में शामिल रहे कुख्यात नक्सली से एनआईए कर रही पूछताछ

रांची(बिभा): तोपचांची थाना उड़ाने समेत 54 नक्सली वारदातों में शामिल रहे कुख्यात नक्सली रामदयाल महतो से एनआईए पूछताछ कर रही है. एनआईए ब्रांच रांची ने रामदयाल महतो को चार दिनों की रिमांड पर लिया है और उससे पूछताछ शुरू कर दी है. रामदयाल महतो ने इस साल 28 सितंबर को आधिकारिक रूप से गिरिडीह पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया था. पीरटांड़ थाना क्षेत्र के पीपराडीह निवासी रामदयाल महतो उर्फ बच्चन धनबाद के तोपचांची थाना उड़ाने एवं एसएलआर सहित लगभग 07-08 हथियार को लूटने के मामले में अहम भूमिकी निभाई थी. इसके अलावा साल 2022 में रामदयाल की अगुवाई में ही डुमरी थाना के तेलियाबहियार गांव में उप मुखिया असलम अंसारी को पुलिस मुखबिर घोषित कर गोली मारकर हत्या की गई थी.रामदयाल के विरुद्ध झारखण्ड में लंबा आपराधिक इतिहास रहा है. गिरिडीह व धनबाद जिले के 54 नक्सली वारदातों में वह शामिल रहा है. गिरिडीह जिले के 43 कांड एवं धनबाद जिले के 11 कांडों में पुलिस को रामदयाल की तलाश थी.

मुख्य राज्य आयुक्त शिव कुमार प्रसाद ने धनबाद स्काउट डेन का गहन का किया निरीक्षण

धनबाद(बिभा): ईस्ट सेंट्रल रेलवे स्काउट्स एंड गाइड्स के राज्य मुख्यालय हाजीपुर से मुख्य राज्य आयुक्त सह प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक पूर्व मध्य रेल, हाजीपुर शिव कुमार प्रसाद जिला संघ धनबाद के स्काउट- गाइड गतिविधियों एवं आधारभूत संरचनाओं की समीक्षा हेतु पधारें जिनका धनबाद जिला संघ द्वारा भव्य स्वागत किया गया। मुख्य राज्य आयुक्त द्वारा धनबाद स्काउट डेन का गहन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अपर मंडल रेल प्रबंधक (इन्फ्रा) सह मुख्य जिला आयुक्त (स्काउट), वरीय मंडल कार्मिक अधिकारी सह जिला आयुक्त (स्काउट), वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक उपस्थित थें मुख्य राज्य आयुक्त ने उपलब्ध संरचनाओ के उन्नयन एवं विकास पर बल दिया तथा स्काउटिंग गतिविधियों को बढ़ावा देने का आह्वान किया। समीक्षा बैठक में जिला संघ धनबाद के पदाधिकारियों द्वारा चालू वर्ष में की गई स्काउटिंग गतिविधियों पर प्रेजेंटेशन दिया गया। मौके पर उपस्थित अधिकारियों ने स्काउट्स संगठन के विकास हेतु सभी उपाय किए जाने पर सहमति दी। इस पुरे कार्यक्रम में कमल किशोर सिन्हा, मंडल रेल प्रबंधक सह अध्यक्ष, भारत स्काउट्स एंड गाइड्स, अमित कुमार (अपर मंडल रेल प्रबंधक, इन्फ्रा), विनीत कुमार (अपर मंडल रेल प्रबंधक, ओपी), अजित कुमार (वरीय मंडल कार्मिक अधिकारी), अमरेश कुमार (वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक), प्रभात कुमार (सहायक कार्मिक अधिकारी) सह सहायक राज्य सचिव, पूर्व मध्य रेल हाजीपुर एवं अन्य शाखा अधिकारी उपस्थित थे।

धनबाद से नासिक रोड के लिए स्पेशल ट्रेन का परिचालन 20 से

धनबाद(बिभा) : यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर उनके सुगम आवागमन हेतु धनबाद और नासिक रोड के मध्य एक स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया गया है । गाड़ी संख्या 03397, धनबाद-नासिक रोड स्पेशल (कतरासगढ़- चन्द्रपुरा- बोकारो थर्मल- गोमिया- रांची रोड- बरकाकाना- पतरातू- खलारी- टोरी- लातेहार- बरवाडीह- डाल्टनगंज- गढ़वा रोड- रेणुकुट- चोपन- सिंगरौली के रास्ते) - दिनांक 20.12.24 से 31.12.24 तक प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को धनबाद से 23.00 बजे खुलकर गुरुवार एवं रविवार को 09.00 बजे नासिक रोड पहुंचेगी । गाड़ी संख्या 03398, नासिक रोड- धनबाद स्पेशल (सिंगरौली- चोपन- रेणुकुट- गढ़वा रोड- डाल्टनगंज- बरवाडीह- लातेहार- टोरी- खलारी- पतरातू- बरकाकाना- रांची रोड- गोमिया- बोकारो थर्मल- चन्द्रपुरा- कतरासगढ़ के रास्ते) - दिनांक 22.12.24 से 02.01.25 तक प्रत्येक गुरुवार एवं रविवार को नासिक रोड से 11.00 बजे खुलकर शुक्रवार एवं सोमवार को 21.00 बजे धनबाद पहुंचेगी। यह ट्रेन पूरी तरह से वातानुकूलित है एवं इससे लोगों को किफयिती सफर करने का मौका मिलेगा। इस ट्रेन के लिए टिकट बुकिंग आज से ही शुरू कर दी गई है। यह गाड़ी देश के विभिन्न राज्यों (जैसे झारखण्ड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र) को जोड़ती है तथा विभिन्न मुख्य शहरों (जैसे- धनबाद, बरकाकाना, डाल्टनगंज, सिंगरौली, जबलपुर, नासिक रोड) में रूकती है। इससे न केवल लोगों को आवागमन की सुविधा बल्कि पर्यटन को भी बढ़ावा मिलता है। इस मार्ग से लोग को महत्वपूर्ण तीर्थ स्थानों जैसे त्रयंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग जाने में भी सुविधा होगी।

कोडरमा-गोमो-धनबाद-बोकारो के रास्ते गया और रांची के मध्य परीक्षा स्पेशल ट्रेन का परिचालन

हाजीपुर(बिभा) : रेलवे भर्ती बोर्ड द्वारा टेकनीशियन पद हेतु आयोजित की जा रही परीक्षा के मद्देनजर कोडरमा-गोमो-धनबाद-बोकारो स्टील सिटी-मुरी के रास्ते गया और रांची के मध्य एक जोड़ी परीक्षा स्पेशल ट्रेन 03640/03639 का परिचालन किया जाएगा । इस स्पेशल में साधारण श्रेणी के 14 कोच होंगे । गाड़ी संख्या 03640 गया-रांची परीक्षा स्पेशल दिनांक 19, 22, 23, 25, 26, 27, 28 एवं 29 दिसंबर, 2024 को गया से 14.45 बजे खुलकर 15.55 बजे कोडरमा, 16.28 बजे हजारीबाग रोड, 16.50 बजे पारसनाथ, 17.30 बजे नेसुब गोमो, 18.30 बजे धनबाद, 19.15 बजे कतरासगढ़, 19.58 बजे चन्द्रपुरा, 20.35 बजे बोकारो स्टील सिटी एवं 21.40 बजे मुरी रूकते हुए 23.00 बजे रांची पहुंचेगी । वापसी में, गाड़ी संख्या 03639 रांची-गया परीक्षा स्पेशल दिनांक 21, 23, 24, 26, 27, 28, 29 एवं 31 दिसंबर, 2024 को रांची से 00.30 बजे खुलकर 01.30 बजे मुरी, 02.50 बजे बोकारो स्टील सिटी, 03.35 बजे चन्द्रपुरा, 04.10 बजे कतरासगढ़, 04.50 बजे धनबाद, 05.35 बजे नेसुब गोमो, 05.55 बजे पारसनाथ, 06.18 बजे हजारीबाग रोड एवं 06.50 बजे कोडरमा रूकते हुए 08.30 बजे गया पहुंचेगी ।

उपायुक्त ने की मनरेगा और अबुवा आवास योजना की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा निर्देश

मनरेगा के तहत अधिक से अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध कराए: उपायुक्त

बिभा संवाददाता

देवघर : उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी विशाल सागर की अध्यक्षता में जिला अन्तर्गत चल रहे मनरेगा एवं अबुवा आवास योजना की समीक्षा बैठक का आयोजन समाहरणालय सभागार में किया गया। इस दौरान उपायुक्त ने मनरेगा के तहत संचालित विभिन्न विकास से संबंधित योजनाओं में गति लाने का निदेश संबंधित जिला व प्रखण्ड स्तर के अधिकारियों को दिया गया। आगे उपायुक्त ने पुरानी योजनाओं को जल्द से जल्द पूर्ण करने का निदेश अधिकारियों को दिया।

इसके अलावे बैठक के दौरान उपायुक्त मनरेगा के तहत अधिक से अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने, अधिक से अधिक महिलाओं को रोजगार से जोड़ने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया। साथ ही उन्होंने मनरेगा के तहत 100 दिवस का कार्य करने वाले परिवारों को ज्यादा से ज्यादा जोड़े, ताकि 100 दिन का रोजगार पूरा करने वाले मनरेगा पर आश्रित ऐसे श्रमिकों के कौशल विकास से जोड़ते हुए आत्मनिर्भर बनाया जा सके। आगे उपायुक्त ने जिले के सभी प्रखण्डों के दस स्कूल एवं दस आंगनबाड़ी केन्द्रों में वर्षा जल संचयन की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निदेश प्रखण्डों के प्रखण्ड विकास पदाधिकारियों को दिया गया। आगे उपायुक्त ने अबुआ आवास, मनरेगा के तहत बिरसा कूप संवर्धन योजना, डोभा, आंगनबाड़ी की प्रगति, बिरसा हरित ग्राम, बागवानी योजना, की प्रगति की समीक्षा करते हुए चल रही योजनाओं की प्रगति में कम काम करने वाले प्रखंडों पर नाराजगी जाहिर करते हुए दस दिनों के भीतर कार्यों में प्रगति लाने का निदेश दिया। साथ हीं बैठक के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों के माध्यम से सभी रोजगार सेवक, पंचायत सचिव, बीपीओ को मनरेगा के कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया है। वहीं लक्ष्य के अनुसार कार्य प्रदर्शन नहीं करने वाले अधिकारियों को कड़ी चेतावनी देते हुए ससमय लक्ष्य को पूर्ण करने का निर्देश दिया।

समीक्षा बैठक के दौरान उपायुक्त विशाल सागर ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए ग्राम विकास से जुड़ी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का निदेश संबंधित अधिकारियों को दिया, ताकि अधिक से अधिक लोगों को इनसे जोड़कर रोजगार उपलब्ध कराएं। साथ ही उपायुक्त ने विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में मानव दिवस सृजन में अपेक्षित प्रगति नहीं पाये जाने पर सभी बीडीओ, बीपीओ को शत प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति का निदेश दिया। इसके अलावे मनरेगा के तहत कम से कम 5 योजना प्रत्येक गांव में संचालित किए जाने, सभी पंचायतों में मानव बल को रोजगार उपलब्ध कराने एवं पुरानी योजना को प्राथमिकता के साथ जल्द से जल्द बंद करने का निदेश संबंधित प्रखण्ड विकास पदाधिकारियों दिया गया। आगे उपायुक्त ने 75 फीसदी से ऊपर व्यय वाली योजनाओं को यथाशीघ्र पूर्ण करने के साथ क्षेत्र भ्रमण करते हुए ससमय योजनाओं को पूर्ण करने का निदेश संबंधित अधिकारियों को दिया।

इस दौरान उपरोक्त के अलावे उप विकास आयुक्त नवीन कुमार, जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी राहुल कुमार भारती, सभी प्रखण्डों के प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, बीपीओ, सहायक जनसम्पर्क पदाधिकारी रोहित कुमार विद्यार्थी, डीएमएफटी की टीम व संबंधित योजनाओं के को-ओर्डिनेटर, विभाग के अधिकारी आदि उपस्थित थे।

वैसे दंपति जो अनाथ बच्चों को गोद लेना चाहते है, जिला प्रशासन वैसे परिवारों को हर संभव सहयोग प्रदान करेगा: विशाल सागर

देवघर : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी विशाल सागर ने जानकारी दी है कि देवघर जिला अंतर्गत वैसे दंपति जो बच्चों को गोद लेना चाहते है, जिला प्रशासन वैसे परिवारों को हर संभव सहयोग प्रदान करेगा। साथ ही अनाथ बच्चों को गोद लेना चाहने वालों को प्रशासनिक स्तर पर पूरा सहयोग किया जाएगा। इस कड़ी में आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण करने के पश्चात आज तीन परिवारों द्वारा तीन बच्चों को गोद लिया गया है। इन सभी बच्चों को सीडब्लूसी के तहत सभी नियमों व प्रक्रियाओं को पूर्ण रूप से पालन करते हुए गोद लेने की अनुमति प्रदान की गई है, जिसमें दो बच्चें भारत में और एक को विदेशी परिजनों गोद लेंगें। इसके अलावा उपायुक्त श्री विशाल सागर ने अपील करते हुए कहा है कि ऐसे दंपति जो बच्चे को गोद लेना चाहते हैं, वह आगे आएं व ऐसे बच्चों को गोद ले सकते हैं, ताकि इन बच्चों को भी समाज के मुख्यधारा से जोड़ते हुए बेहतर भविष्य, बेहतर शिक्षा एवं बेहतर कल प्रदान किया जा सके। आप अनाथ बच्चों को गोद लेना चाहते है, तो दत्तक ग्रहण विनियम 2022 के प्रावधानों के तहत सभी आवश्यक प्रक्रिया का पालन करते हुए वे अनाथ बच्चा को गोद ले सकते हैं। जिला प्रशासन द्वारा उपायुक्त के निर्देश पर दत्तक ग्रहण का अंतिम आदेश पारित किया गया। इस आदेश के परिणामस्वरूप अनाथ और परित्यक्त बच्चों को एक स्नेहिल परिवार (माता -पिता) मिलता है।

नगर आयुक्त के निर्देश पर बाजार क्षेत्र में चलाया गया अतिक्रमण हटाओ अभियान

पलामू(बिभा) : मेदिनीनगर नगर आयुक्त जावेद हुसैन के निर्देश पर बुधवार को सहायक नगर आयुक्त विश्वजीत महतो एवं सिटी मैनेजर कुमार अनुराग के नेतृत्व में नगर निगम प्रशासन द्वारा छः मुहाँन से पंच मुहाँन तक संपूर्ण बाजार क्षेत्र में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया।इस दौरान जिन दुकानों के बाहर तय सिमा से अधिक क्षेत्रफल में दुकानों को लगाया गया था उन्हें बुलडोजर से ध्वस्त किया गया। अतिक्रमण हटाये जाने को लेकर नगर आयुक्त जावेद हुसैन ने कहा कि अतिक्रमण हटाकर शहर को जाम मुक्त करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि सरकारी भूमि पर किसी को भी कब्जा करने का अधिकार नहीं है।उन्होंने कहा कि अतिक्रमण मुक्त के पश्चात सड़कें चौड़ी हो जाने से आम राहगीरों को काफी राहत मिलेगा।उन्होंने शहरवासियों से अपील करते हुए कहा कि शहर को जाममुक्त करने में आप सभी निगम प्रशासन का सहयोग करें। इस संबंध में मेदिनीनगर नगर आयुक्त जावेद हुसैन ने बताया कि दिनांक 19 दिसंबर को भी पूरे बाजार क्षेत्र एवं साहित्य समाज चौक के समीप अतिक्रमण हटाया जाएगा।इस विषय को लेकर आज दुकानदारों के बीच अतिक्रमण हटाए जाने को लेकर जानकरी भी दी गयी है ताकि वे स्वयं भी अपने स्तर से अतिक्रमण हटा लें नहीं तो नगर निगम प्रशासन के द्वारा यह कार्य जारी रहेगा।उन्होंने कहा कि अतिक्रमण के वजह से शहर में अनावश्यक जाम की स्थिति बनी रहती है।उन्होंने कहा कि अतिक्रमण हटाओ अभियान में किसी व्यक्ति के द्वारा अनावश्यक बाधा पहुंचाने की कोशिश होती है, तो संबंधित के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

प्रशासन गांव की ओर अभियान आज से

सिमडेगा(बिभा): भारत सरकार के कार्मिक,लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय के निदेश के आलोक में उपायुक्त सिमडेगा श्री अजय कुमार सिंह के आदेश से सुशासन सप्ताह 2024 अंतर्गत ₹प्रशासन गांव की ओर₹ अभियान का आयोजन दिनांक 19 दिसंबर 2024 से 24 दिसंबर 2024 तक किया जाना है। प्रशासन गांव की ओर 2024 अभियान के अंतर्गत जिला में सप्ताह भर कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।इस अभियान का उद्देश्य केंद्र और राज्य सरकार के विभागों की सक्रिय भागीदारी और समर्थन से जनशिकायतों का समाधान कर सुशासन को बढ़ावा देना है। सुशासन सप्ताह 2024 अभियान का शुभारंभ प्रखंड स्तर से किया जाएगा। इस अभियान में आम जनों के शिकायतों का निष्पादन किया जाएगा। इसके लिए जिला स्तर पर नोडल पदाधिकारी के रूप में पवन कुमार महतो को नामित किया गया है।

जिले में धान अधिप्राप्ति कार्य की डीडीसी ने की समीक्षा

किसी प्रकार की कोई कोताही बर्दाश्त नहीं की जायेगी:डीडीसी

बिभा संवाददाता

पलामू : जिले के निबंधित 41 पैक्सों में 15 दिसंबर से ही किसानों से धान की अधिप्राप्ति प्रारंभ है।उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद ने बुधवार को समाहरणालय के सभागार में आयोजित बैठक में धान अधिप्राप्ति कार्यों की समीक्षा की।इस दौरान उन्होंने सभी से कहा कि विभिन्न समाचार पत्रों में कई केंद्रों पर धान अधिप्राप्ति कार्य प्रारंभ नहीं किये जाने से संबंधित खबरों का आना चिंताजनक है।उन्होंने कहा कि ऐसी खबरों से जिला प्रशासन की छवि धूमिल होती है।

बैठक में उन्होंने सर्वप्रथम एक-एक कर सभी पैक्सों में धान अधिप्राप्ति कार्यों की जानकारी ली।इस दौरान जहां भी कार्य प्रारंभ नहीं हुआ है,वहां के कारणों से अवगत हुए।इस दौरान श्री अहमद ने पाया कि कई केंद्रों का उद्घाटन कार्य नहीं होने से किसानों से धान की खरीदी नहीं हो पाया है।इस पर उन्होंने ऐसे सभी केंद्रों का हर हाल में 19 दिसंबर तक उद्घाटन के पश्चात धान अधिप्राप्ति कार्य प्रारंभ करने की बात कही।उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं होने पर संबंधितों के विरुद्ध कार्रवाई की जायेगी।

बैठक में उन्होंने कहा कि इस कार्य में किसी प्रकार की कोई कोताही बर्दाश्त नहीं की जायेगी।उन्होंने कार्य में लापरवाही बरतने वाले क्रय पदाधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई की जायेगी।उन्होंने एक प्रखंड स्तर पर एक ही नोडल पदाधिकारी बनाने पर बल दिया।इस कार्य में कंप्यूटर ऑपरेटरों के स्तर से भी कोई कोताही ना बरती जाये,डीएसओ प्रीति किस्कु को यह सुनिश्चित करने की बात कही।वहीं बीडीओ-सीओ व नोडल पदाधिकारी को धान अधिप्राप्ति कार्यों का लगातार निरीक्षण करने को लेकर निर्देशित किया गया।मौके पर उपरोक्त के अलावे क्रय पदाधिकारी, सहकारिता कार्यालय से सहायक निबंधन सहयोग समिति, नोडल पदाधिकारी सह दंडाधिकारी एवं राइस मिलर के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

अपर समाहर्ता राजीव कुमार ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी संग की बैठक

दुमका (बिभा): अपर समाहर्ता राजीव कुमार ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सुशासन सप्ताह- प्रशासन गांव की ओर अभियान 19 से 24 दिसंबर तक जिले में आयोजित है। इस अवधि के दौरान ऑनलाइन शिकायत का निपटारा किया जाना है।स्पेशल कैम्प लगाकर आमजनों की समस्या से संबंधित आवेदन प्राप्त करना है।साथ ही इस दौरान विशेष शिविरों में निवारण की गई जन शिकायतों की संख्या,सीपी ग्राम पोर्टल में निवारण की गई सार्वजनिक शिकायतों की संख्या,राज्य पोर्टलों में निवारण की गई सार्वजनिक शिकायतों की संख्या,ऑनलाइन सेवा वितरण के लिए जोड़ी गई सेवाओं की संख्या,निपटाए गए सेवा वितरण आवेदनों की संख्या,सुशासन प्रथाओं का संकलन और प्रसार और उन्हें पोर्टल पर अपेक्षित चित्र के साथ साझा करना है,जन शिकायतों के समाधान पर सफलता की कहानियाँ,आयोजित प्रसार कार्यशाला का विवरण पोर्टल पर अपलोड करना है। उन्होंने कहा कि 23 दिसंबर को जिला स्तर पर कार्यशाला का आयोजन किया जाना है जिसमें 19.12.24 से 24.12.2024 तक किये जा रहे कार्यों पर चर्चा होगी एवं इस अवधि के दौरान किये गए 3 सर्वश्रेष्ट कार्य को चयनित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जाति,निवासी एवं आय प्रमाण पत्र निर्गत करने का कार्य एवं अन्य ऑनलाइन सेवाओं का लाभ आमजनों को प्रदान करते हुए संबंधित रिपोर्ट उपलब्ध कराएं ताकि पोर्टल पर अपलोड किया जा सके।

प्रमंडल स्तरीय युवा महोत्सव का आयोजन आज

दुमका (बिभा): जिला खेल पदाधिकारी ने बताया कि जिला खेल कार्यालय, राष्ट्रीय सेवा योजना एवं नेहरू युवा केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित प्रमंडल स्तरीय युवा महोत्सव 2024-25 का आयोजन दिनांक 19 दिसंबर को प्रमंडलीय मुख्यालय दुमका के इंडोर स्टेडियम में किया जाना है। इस प्रमंडल स्तरीय युवा महोत्सव में संताल परगना प्रमंडल अंतर्गत सभी संबंधित छह जिले के वैसे प्रतिभागी भाग लेंगे जो अपने अपने जिले में विभिन्न प्रतिस्पर्धा में प्रथम स्थान प्राप्त किए हैं। इस कार्यक्रम में सफल हुए प्रतिभागियों को चयनित कर राज्य स्तर पर भेजा जाएगा। गौरतलब है कि इस कार्यक्रम में लोकगीत, लोकनृत्य, एकल नृत्य गायन, भाषण, कविता लेखन, कहानी लेखन और चित्रकला आदि विभिन्न स्तर की प्रतियोगिता आयोजित की जायेगी। साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जायेंगे।

उपायुक्त अजय कुमार सिंह ने प्रखंड कार्यालय केरसई का किया निरीक्षण

बिभा संवाददाता

सिमडेगा: उपायुक्त सिमडेगा अजय कुमार सिंह ने प्रखंड कार्यालय केरसई का निरीक्षण किया। इस दौरान उपायुक्त ने प्रखंड कार्यालय में प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी एवं सभी प्रखंड कर्मीयों संग बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में उन्होंने प्रखंड में पंचायत अंतर्गत संचालित अबुआ आवास योजना, बिरसा सिंचाई कुप संवर्धन योजना, बिरसा हरित ग्राम योजना सहित अन्य योजनाओं की कार्य प्रगति विस्तृत समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

योजना की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने पंचायत सचिव को टायड़ एवं अनटाइड मद में योजनाओं का चयन कर शत प्रतिशत राशि का खर्च करने का निर्देश दिया। उन्होंने मुखिया एवं ग्रामीण आम जनता से बैठक कर योजनाओं का चयन करने की बात कहीं। उन्होंने कहा कि प्रखंड में संचालित 411 योजना में जियो टैग नहीं हुआ है जिसके कारण द्वितीय किश्त राशि का भुगतान नहीं हो पा रहा है। उन्होंने लंबित सभी योजनाओं का ससमय जियो टैग करने हेतु रोजगार सेवक निर्देशित किया। उपायुक्त ने पंचायतवार बागवानी घेराबंदी योजना की समीक्षा किया इस दौरान उन्होंने लंबित बागवानी घेराबंदी कार्य को पूर्ण करने का निर्देश दिया। अबुआ आवास योजना की समीक्षा कर उन्होंने कहा कि यह सरकार की बहुत ही महत्वाकांक्षी योजना है जो योग्य लाभुक उसका चयन कर प्रथम कि स्त की राशि का भुगतान किया गया। जिसका प्रतिदिन मॉनिटरिंग करते हुए लाभुकों से निर्माण कार्य को शुरू करायें। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना की भी समीक्षा कर पुराने लंबित निर्माण कार्य पूर्ण कराने का निर्देश दिया। एवं जिस लाभुक द्वारा आवास की राशि को खर्च कर घर नहीं बनाया गया वैसे लाभुक पर कानूनी कार्रवाई करने की बात कहीं।

इसके अलावा उपायुक्त ने प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी से करीलकुचा में निवास करने वाले बिरहोर समुदाय के लोगों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि मेरे भ्रमण के दौरान समुदाय के लोगों द्वारा साव दफन करने के लिए भूमि का मांग किया गया था। जिस पर अंचलाधिकारी ने बताया कि समुदाय के लोगों को भूमि का चयन कर उपलब्ध कराया गया। अभी वे लोग वहीं शव दफन करते हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि बिरहोर समुदाय के लोगों को रहने हेतु भी सरकारी भूमि का भी चयन करके दिया गया है। उपायुक्त ने कहा कि जो परिवार आवास से वंचित हैं या टूटा फूटा मकान है तो इसकी मैपिंग कर यह जांच कर पीएम जनमन योजना से आच्छादित करें। इसके अलावा उपायुक्त ने केरसई मार्केट में जर्जर शेड को हटाते हुए मनरेगा से नया शेड निर्माण कराने का निर्देश दिया।

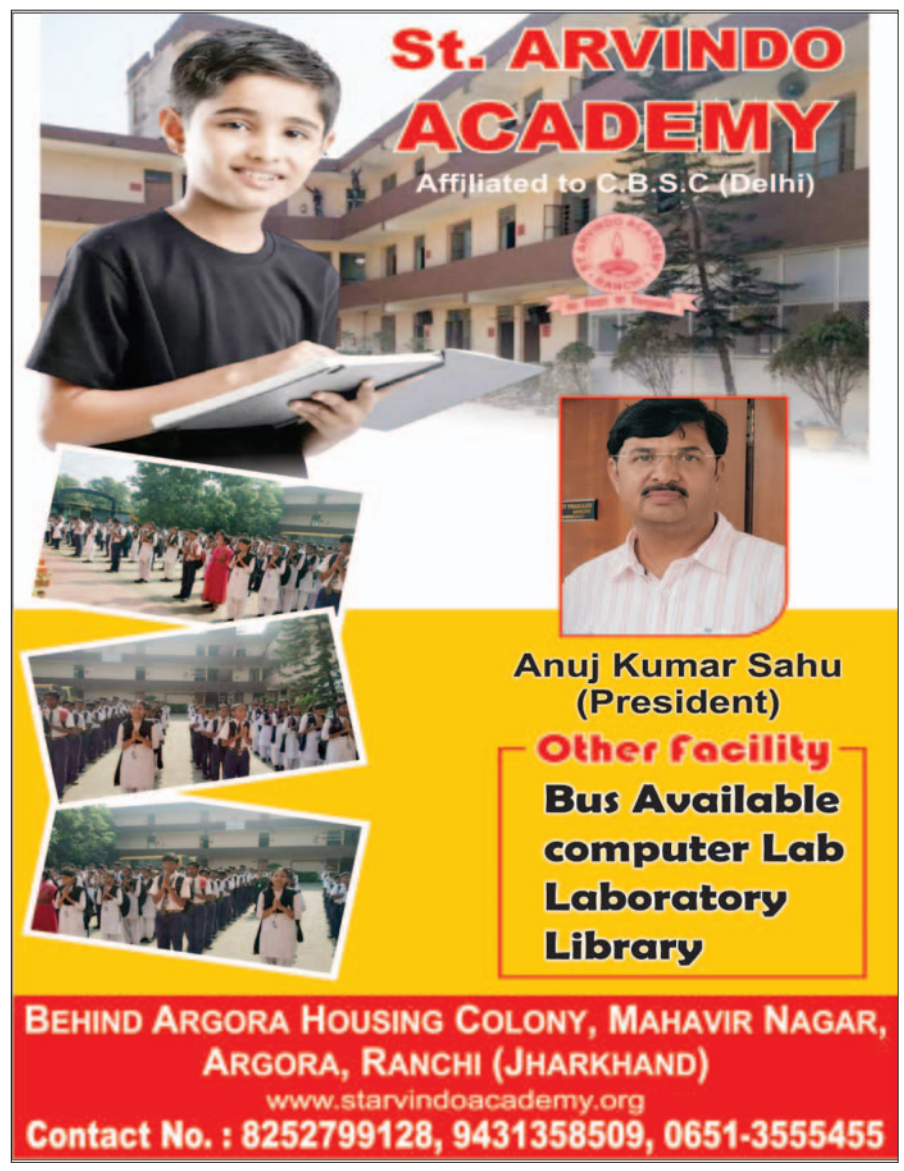

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक संजय कुमार के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि., काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। संपादक कविता साहू *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार । Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com